हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

17 मार्च, 1980

खण्ड 1, अंक 12

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 17 मार्च, 1980

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(12) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(12) 22
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(12) 27
भाोक प्रस्ताव	(12) 59
पार्लियामैंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में अन्धे व्यक्तियों पर अभिकथित लाठी चार्ज सम्बन्धी चर्चा	(12) 60
स्वामी अग्निवे ा एम0एल0ए0 की अभिकथित गिरफ्तारी	(12) 61
घ्यानाकर्शण सूचना– आमतौर पर राज्य के सूखा क्षेत्रों तथा वि ोशतया मेहम के पन्द्रह गांवों में तालाबों में पानी	(12) 64

सूखने सम्बन्धी	
वाक आउट	(12) 65
वैयक्तिक स्पश्टीकरण – (1) चौधरी राम लाल वधवा द्वारा (2) श्री जयनारायण वर्मा द्वारा	 (12) 110 (12) 111
आधे घंटे की चर्चा – वेतन आयोग की रिपोर्ट सम्बन्धी	 (12) 111
सदन की बैठक का समय बढ़ाना	(12) 119
आधे घण्टे की चर्चा (पुनरारम्भ)	(12) 119

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 17 मार्च, 1980

विधानसभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल,

विधान भवन सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई।

अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Mr. Speaker: Hon. Members, Question Hour.

Milk Plants in the State

***1585. Chaudhri Ram Lal Wadhwa :-** Will the Minister for Jails and Dairy Development be please to state-

(a) the number and names of milk plants in the State together with their locations and the dates from which these started functioning ;

(b) the year wise amount of income accrued to each of the plants mentioned in part (a) above separately;

(c) the total installed manufacturing capacity of each of the above said milk plants; and

(d) whether each of the aforesaid milk plants is getting full milk supply according to its installed capacity and;

if not, the steps taken or proposed to be taken to make up the short fall ?

Co-operation and Planning Minister (Thakur Bir Singh):

(a) A statement is laid on the Table of the House.

(Annexure 'A')

(b) A statement is laid on the Table of the House.

(Annexure 'B')

(c) A statement is laid on the Table of the House.

(Annexure 'C')

(d) It has been experience that but for 3-4 months of flush season during winter our milk plants remain under-utilised.

For increasing the milk supply we have launched various technical inputs programmes, including veterinary health care, artificial insemination of cattle, fodder development subsidy and subsidies to the societies to improve their managerial/technical competency under the Desert Development Programme and Operation Flood Programme in the districts of Gurgaon, Faridabad, Rohtak, Bhiwani, Sirsa and Hissar. In addition to the present dairy development programmes, the remaining districts of the State are expected to be covered under Phase-II of Operation Flood Programme which is expected to commence by July-August, 1980. The strengthening of cooperative milk societies so that they could

independently work on 'AMUL' pattern and the provision of technical inputs as envisaged during the coming years are bound to increase the milk production and consequently availability of surplus milk to the milk plants so that the handling capacity can be utilised to the maximum extent.

ANNEXURE 'A'

Sr. No.	Name & location of the Plant	Date from which started functioning
1.	Milk Plant, Jind	5-12-1970
2.	Milk Plant, Bhiwani	28-10-1972
3.	Milk Plant, Ambala	29-8-1973
4.	Milk Plant, Rohtak	26-10-1976
5.	Milk Plant, Ballabgarh, Distt. Faridabad	31-3-1979

ANNEXURE 'B'

Year	Jind	Bhiwani	Ambala	Rohtak	B/garh	Total
1970-71	(-) 16.45	Nil	Nil	Nil		(-) 16.45
1971-72	(-) 11.33	Nil	Nil	Nil		(-) 11.33
1972-73	(-) 0.60	(-) 9.95	Nil	Nil		(-) 10.55
1973-74	(+) 8.71	(-) 14.75	(-) 10.99	Nil		(-) 16.98
1974-75	(+) 11.95	(-) 14.61	(-) 16.48	Nil		(-) 19.14
1975-76	(-) 2.91	(+) 2.34	(-) 10.73	Nil		(-) 11.30
1976-77	(+) 5.76	(-) 0.25	(-) 16.80	(+) 2.50		(-) 9.79
1977-78 (1-4-77 to 30-6-78 15 months)	(-) 5.65	(-) 6.31	(-) 22.45	(-) 23.95		(-) 58.36
1978-79	(-) 4.61	(-) 6.59	(-) 12.86	(-) 3.99	Nil	(-) 28.05

ANNEXURE 'C'

Sr. No.	Name of the Plant	Installed manufacturing capacity (in litres per day)
1.	Milk Plant, Jind	50,000
2.	Milk Plant, Bhiwani	15,000
3.	Milk Plant, Ambala	20,000
4.	Milk Plant, Rohtak	1,00,000 (Total handling capacity of Rohtak Milk Plant is 1,00,000 litres per day.Products conversion capacity of this Plant is only 50,000 litres per day and the remaining 50,000 litres is the storage capacity for supply of milk to Mother Diary, Delhi Milk Scheme, Delhi, etc.)
5.	Milk Plant, Ballabgarh	50,000

चौधरी राम लाल वधवा: अध्यक्ष महोदय, अनैक्सचर 'बी' को पढ़ने से पता लगता है कि सारे के सारे मिल्क प्लांटस घाटे में चल रहे हैं। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इसका क्या कारण है और इस घाटे को पूरा करने के लिए क्या स्टैप्स उठाए जा रहे है ?

ठाकुर बीर सिंह: स्पीकर साहब, यह ठीक है कि ये सारे के सारे मिल्क प्लांटस घाटे में चल रहे थे। इसके लिए हमने काफी प्रयत्न किए हैं। कई तरह की स्कीम्ज हमने चालू की हैं। सबसे पहली बात तो यह है कि युटिलाइजे ान कैपेसिटी इनकी कम थी। ये पूरी तरह प्रौपरली चल नहीं रहे थे। दूध कम आ रहा था। हमने इकनौमिक ड्राइव भ्रुरू की है। पार्ट (डी) के जवाब में लिखे गए मैयर्ज लिए हैं, जिनका बहुत बड़ा असर हुआ है और हमारे तीन प्लांटस दिसम्बर तक की इन्फर्मे ान के मुताबिक पहली दफा प्रौफिट में चलने भ्रुरू हो गए हैं। जींद में दिसम्बर के महीने में 0.34 लाख रुपये का प्रौफिट रहा है। भिवानी में 0.39 लाख और रोहतक में 5.01 लाख रुपये का प्रौफिट रहा। अम्बाला और बल्लभगढ़ की प्रौब्लम हम कंट्रोल करने जा रहे हैं। पिछले दो महीनों में इनमें भी काफी सुधार कर दिया है।

श्री अध्यक्ष: सरप्राइजिंग बात तो यह है कि 70–71 से औनवर्ड अगर हम देखें तो कभी 16 लाख, कभी 11 लाख और कभी 10 लाख रुपये का घाटा रहा है मगर 77–78 में आकर के यह घाटा 58.36 लाख रुपये का हो गया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अभी सप्लीमैंटरी कवै चन के जवाब में बताया कि दिसम्बर के महीने में तीन प्लांटस प्रौफिट में आ गए हैं मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि उसका ब्यौरा इन्होंने जवाब के साथ क्यों नहीं दिया जब चार महीने के बाद यह जवाब आ रहा है ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, 78–79 तक की फिगर्ज इन्होंने पूछी थीं, वह मैंने सप्लाई कर दी है। बाद की फिगर्ज तो मैंने अपनी मर्जी से हाउस की जानकारी के लिए कलैक्ट करवाई थीं। (विघ्न) जहां तक वधवा साहब के इस सवाल के जवाब का संबंध है कि हमने इस घाटे को कम करने के लिए मेन मैयर क्या लिया है, मैं उन्हें यह बताना चाहता हूं कि इकनौमिक ड्राइव करके इन प्लांटस में जो रोजाना के खर्चे थे उन्हें एक महीने में 50–60 हजार रुपए कम कर दिया है।

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने प्र न में इन प्लांटस के स्टार्ट होने से अब तक की इन्फर्मे ान मांगी थी। लेकिन ये उसे अब बता रहे हैं और जवाब के साथ इसे इन्होंने नहीं दी।

श्री अध्यक्षः मेरे ख्याल में 78–79 का मतलब पहली अप्रैल, 1979 तक होता है और पहली अप्रैल, 1979 के बाद की फिगर्ज मन्त्री जी अब बता रहे हैं।

चौधरी राम लाल वधवा: परन्तु इन्होंने यह बात हमें राइटिंग में नहीं दी है कि दिसम्बर 80 तक कितना प्रौफिट हुआ है।

श्री अध्यक्ष: वश्र 1979–80 की फिगर्ज अगर दिसम्बर तक की आपके पास हैं तो आप दे दीजिए।

ठाकुर बीर सिंह: जीन्द प्लांट में जुलाई महीने में 2.76 लाख रुपये का लौस था; अगस्त में 2.05 लाख और सितम्बर में 1. 97 लाख रुपये का लौस था। सितम्बर तक टोटल लौस 6.78 लाख रुपये का था। अक्तूबर में 0.51 लाख और नवम्बर में 0.70 लाख रुपये का प्रौफिट हुआ। दिसम्बर में इसमें 0.87 लाख रुपये का लौस हुआ। टोटल प्रौफिट 0.34 लाख रुपये का रहा। भिवानी में जुलाई के महीने में 1.81 लाख, अगस्त में 1.03 लाख और सितम्बर में 0.77 लाख रुपये का लौस था। टोटल लौस इस क्वार्टर का 3.61 लाख रुपये का था। अक्तूबर में इसमें 0.31 लाख रुपये का लौस रहा। नवम्बर में इसमें 0.9 लाख रुपये का प्रौफिट रहा और दिसम्बर में भी 0.61 लाख रुपये का प्रौफिट रहा। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले में जुलाई में 4.52 लाख रुपये का लौस था और अगस्त में 4.22 लाख रुपये का लौस था।

Mr. Speaker: I do not thing there is any point in giving month to month figures. It would be better if you can give the closing figures and I presume that the year closes on 31st March.

ठाकुर बीर सिंहः इनका हिसाब किताब जुलाई महीने से जून महीने तक चलता है। अध्यक्ष महोदय, जिस वक्त यह क्वै चन दिया गया था उस वक्त ये फिगर्ज हमारे पास नहीं थी और मैं अब भी कह सकता था कि फिगर्ज आई नहीं हैं लेकिन मैंने हाउस की जानकारी के लिए ये फिगर्ज बाद में कुलैक्ट करके यहां बताई हैं।

डा0 मंगल सैनः क्या मिनिस्टर साहब की जानकारी में यह बात है कि रोहतक जिले के छोटे किसानों ने लाखों रुपये का दूध डेरी को दिया हुआ है लेकिन उनको उनके पैसे नहीं मिल रहे हैं।

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो डाक्टर साहब ने इस बारे में अलग से क्वै चन दिया हुआ है और उसका जवाब हाउस में आएगा लेकिन अगर वह अभी भी जानना चाहते हैं तो मैं उन्हें बता देता हूं कि फरवरी महीने के आखिर तक के टोटल अकांउटस क्लीयर कर दिए गए हैं।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अनैक्सचर 'बी' में लिखा है कि "Figures from 1-4-1976 onwards are provisional as the accounts have not been audited yet." क्या मंत्री जी बताएंगे कि सन् 76 से लेकर आज तक के अकांउटस औडिट क्यों नहीं हुए और ये कब तक औडिट हो जाएंगे ? साथ ही उनसे मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या औडिट होने के बाद यह घाटा और भी बढ़ सकता है ?

ठाकुर बीर सिंहः वैसे तो ये अकांउटस कम्पलीट हैं, फिर भी औडिट का अपना हिसाब किताब होता है। जहां तक अब तक औडिट न होने का सम्बंध है, इसके बारे में अर्ज यह है कि इस महकमे के औडिट सैल में भ्रुरू से बड़ा कम स्टाफ चला आ रहा है। स्टाफ बढ़ाने के लिए हमने केस भेजा है और फाईनैंस डिपार्टमैंट से वह क्लीयर भी हो गया है। इसके अलावा और सीनियर औफिसर्ज भी हमने इस सैल में लगा दिए हैं और उम्मीद है कि जल्दी से जल्दी सारे अकांउटस औडिट हो जाएंगे ?

श्री फतेह चंद विजः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अनैक्सचर 'ए' में बताया है कि 5 स्थानों पर ये मिल्क प्लांटस लगे हुए हैं। क्या वे बतायेंगें कि किसी और जगह भी इस तरह के मिल्क प्लांटस लगाने का सरकार का इरादा है ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस समय सिरसा का प्लांट अन्डर कंस्ट्रक ान है। उसमें चिलिंग प्लांट तो तकरीबन कम्पलीट हो गया है। वह चलने वाला भी था लेकिन बिजली की कमी के कारण वह चल नहीं सका। अब जैनरेटर भेज दिया है। एक दो दिन में वह काम करना भ्रुरू कर देगा। इस प्लांट का काम पूरा होने के बाद ही हम और जगहों के बारे में सोचेंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि जिस प्रकार सरकार ने अनेक महकमों में

'अनाज के बदले काम' स्कीम चालू की है क्या उसी तरह की कोई स्कीम इस महकमें में भी चालू की जाएगी ? (विघ्न)

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इनकी बात समझा नहीं क्योंकि 'फूड फार वर्क' स्कीम के तहत कोई दूध नहीं देगा। (विघ्न)

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर साहब, अनैक्सचर 'बी' में लिखा है कि जीन्द मिल्क प्लांट में 73–74 में 8.71, 74–75 में 11. 95 और 76–77 में 5.76 लाख रुपये का प्रौफिट था लेकिन 77–78 में जब जनता पार्टी का राज आया तो उसमें 5.65 लाख रुपये का नुक्सान हुआ। उसके बाद वह अभी तक नुक्सान में चल रहा है। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह नुक्सान जनता पार्टी की कमजोरी की वजह से था या महकमे की वजह से था ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, यह कोआप्रे ान का महकता श्री बीरेन्द्र सिंह जी के पास था। (विघ्न) जीन्द प्लांट के बारे में तो मैंने बता दिया कि यह इससे भी ज्यादा घाटे में था लेकिन अब मुनाफे में चल रहा है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः क्या मन्त्री महोदय बताने का कश्ट करेंगे कि पीक सीजन में मिल्क प्लांटस में पूरा दूध आ जाता है ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, जितनी हमारी युटिलाइजे ान कैपेसिटी है उसके मुकाबले में 50–60 परसैंट के

बीच में ही पीक सीजन में दूध मिलता है। पीक सीजन में हाइयेस्ट सप्लाई 60 परसैंट तक पहुंचती है। उसका कारण यह है कि जितनी मिलक प्लांट की कोआप्रेटिव सोसाइटीज हैं, वहीं गांवों में दूध खरीदती हैं। उन सासाइटीज की तादाद बहुत कम रही है। अभी पिछले दिनों महकमा की इस बारे में मीटिंग हुई थी और उन्होंने इसके सुधार के लिए कई ढंग निकाले हैं। मिसाल के तौर पर यह फैसला हुआ है कि जिन गांवों में जाने के लिए रास्ते हैं और जो सड़कों के साथ लगते हैं उनमें सोसाइटीज खोली जायें और जो गांव मिल्क प्लांट के नजदीक लगते हैं उनमें भी अधिक सोसाइटीज खोली जायें।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने भैंस खरीदने के लिए कोआप्रेटिव सोसाइटीज से कर्जे लिए हैं और इस वर्श वहां पर अकाल पड़ गया यानी अकालग्रस्त हैं। क्या वहां लोन की रिकवरी रोक दी है या अभी तक जारी है ?

ठाकुर बीर सिंहः लोन भी तो कई तरह के हैं। जो लोन्ज कमर्ि ायल बैंकस की तरफ से आते हैं उन पर 11 परसैंट ब्याज वसूल किया जाता है। इन पर हम चार परसैंट भी और सात परसैंट भी सबसिडी देते हैं। जो मुफाल और काडा से लोन दिया जाता है। वह पैसा लैंड डिवैल्पमैंट बैंकस के जरिए आ रहा है। उनका सीधा ताल्लुक रिजर्व बैंक से है। हमने रिजर्व बैंक को कहा है कि इस साल इसकी रिकवरी न की जाये। हमने सैंटर के ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर राव बीरेन्द्र सिंह जी के सामने भी यह मामला

रखा था। उन्होंने भी वायदा किया है कि वह रिजर्व बैंक से कुछ राहत दिलाने की कोि ा ा करेंगे ताकि यह अभी हाल में रिकवर न किया जा सके। रिजर्व बैंक ने कुछ निर्णय भी लिया है। उसके ऊपर हम आगे की कार्यवाही करने जा रहे हैं।

चौधरी संत कंवरः मैं आपके द्वारा मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि टैक्निकल सहायता न मिलने के कारण हरियाणा सरकार को मिल्क प्लांटस से कितना नुक्सान हुआ है और जब टैक्निकल सहायता मिल जायेगी तो कितना लाभ होगा ?

ठाकुर बीर सिंहः पहले ये सारे प्लांटस हरियाणा डेरी डिवैल्पमैंट कार्पोरे ान द्वारा चलाये जा रहे थे। 1–4–77 को कोआप्रेटिव फैडरे ान बनायी गई और उसके बाद ये प्लांटस फैडरे ान ने ले लिए। इनकी कंडी ान सुधारने के लिए चालीस लाख रुपया लगाया गया और उसके साथ ही साथ 48 लाख रुपया लीज मनी भी दी गई और अब भी देते आ रहे हैं। चार लाख रुपये का बर्डन फेडरे ान पर है। अब हमने इस लीज मनी को माफ करने के लिए रैवेन्यू डिपार्टमैंट में केस मूव किया हुआ है।

इसके साथ साथ मैं अपने लायक दोस्त को बताना चाहता हूं कि इसमें काफी पैसा लगा हुआ है। बैंकों से 16 परसैंट ब्याज के हिसाब से कर्जा लेकर इन प्लांटस को चालू किया गया था। अब डैजर्ट डिवैल्पमैंट स्कीम के फेज टू का जो प्रोग्राम आ

रहा है उसके तहत हमें 25–30 करोड़ रुपये मिलने जा रहे हैं। इसमें से पांच करोड़ रुपया इन प्लांटस की डिवैल्पमैंटा और युटिलाइजें ान आफ रैगुलर कैपेसिटी के लिए लगाया जाएगा।

चौधरी उदय सिंह दलालः क्या मन्त्री महोदय इन मिल्क प्लांटस में कोई ऐसा सिस्टम लागू करने के लिए तैयार हैं कि लोग इन प्लांटस को दूध देते हैं उन्हीं के लड़कों को वहां सर्विसिज में लिया जायेगा ?

ठाकुर बीर सिंहः ऐसी कोई योजना नहीं है। अब जो भी प्लांटस लगे हैं उनमें फिलहाल गुंजाइ ा नहीं है। अगर नये प्लांटस लगेंगे तो आपकी तजबीज को कन्सिडर कर लिया जायेगा।

Down-gradation of Schools

***1470. Shri Hira Nand Arya:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that 29 duly upgraded schools were downgraded recently and the Punjabl and Haryana High Court issued stay orders in some of the cases;

(b) whether it is also a fact that matching grants were also given to some of the upgraded schools and; if so, the details thereof; and

(c) the total number of schools upgrades in the State after the above orders of downgrading the schools ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्रीमती भाान्ति देवी):

(क) जी हां।

(ख) किसी ऐसे स्कूल को मैचिंग ग्रांट नहीं दी गई।

(ग) 138।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैं चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी महोदया से जानना चाहता हूं कि इन 29 स्कूलों में कौन कौन से ऐसे स्कूल हैं जिनमें क्लासिज चल रही है ?

श्रीमती भाान्ति देवी इसके लिए माननीय सदस्य सैपरेट नोटिस देंगे तो जवाब दे दिया जायेगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय सैपरेट नोटिस देने की बात नहीं है। मैं तो यही जानना चाहता हूं कि जो स्कूल डाउनग्रेड किये गये थे, क्या उनमें क्लासिज चल रही हैं और अगर चल रही हैं तो कौन कौन से स्कूलों में चल रही हैं ?

श्रीमती भाान्ति देवी: 29 स्कूल डागनग्रेड किये गये थे। तेरह स्कूल तो हाई कोर्ट से स्टे आर्डर ले आये वे चालू हैं। आठ स्कूल हमारी सरकार ने फिर से यूं के यूं चलने दिये और बाकी

आठ स्कूलों में से तीन स्कूलों को उनकी कन्डी ान्ज पूरी होने पर अपग्रेड कर दिया गया। केवल पांच स्कूल ही डाउनग्रेडिड हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः मैं चीप पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी महोदया से जानना चाहता हूं कि जिन स्कूलों को डाउन ग्रेड किया गया था उनमें से कौन से स्कूल ऐसे हैं जिनमें क्लासिज चल रही हैं ?

श्री अध्यक्षः आप अगर नाम जानना चाहते हैं तो दफतर से जा कर ले लें।

श्री हीरा नन्द आर्यः जिन 13 स्कूलों को हाई कोर्ट से स्टे मिला है वे कौन कौन से हैं ?

श्री अध्यक्षः उन्होंने कहा है कि नाम उनके पास नहीं हैं नाम जानना चाहते हैं तो दफतर से ले लें।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी महोदया ने बताया है कि 29 स्कूल डाउनग्रेड किये गये थे जिनमें से अब केवल पांच स्कूल डाउनग्रैडिड हैं। मैं जानना चाहता हूं कि इन पांच स्कूलों को किस आधार पर छोड़ा गया और आठ को सरकार ने क्यों यूं का यूं रहने दिया ?

श्री अध्यक्षः जो भी स्कूल भार्तें पूरी करते गये उनको अपग्रेड करते गये। भाायद पांच ने भार्ते पूरी न की हों इसलिए अपग्रेड न किये हों। इस पर बहुत डिस्क ान हो चुकी है। पहले

भी इस पर कम से 20 मिनट डिस्क ान हो चुकी है और इस सवाल का बहुत अच्छी तरह से जवाब आ चुका है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने इस सवाल के 'सी' पार्ट का जो जवाब दिया है उससे ऐसा महसूस होता है कि 138 स्कूलों को अपग्रेड जो किया गया वह 29 स्कूलों को डाउनग्रेड करके किया गया है। इन 138 स्कूलों को अपग्रेड करने का क्या क्राईटेरिया था और किन किन हलको में ये अपग्रेड किए गए हैं ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, 29 स्कूलों को डाउनग्रेड किया गया था। इन स्कूलों को डाउनग्रेड किए जाने का कारण दो तीन पहले मैंने यहां हाउस में बताया भी था जिस समय चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी और उस सरकार में श्री हीरा नन्द आर्य ऐजुके ान मिनिस्टर थे तो इन्होंने कुछ स्कूलों को गलत ढंग से अपग्रेड कर दिया था। श्री हीरा नन्द आर्य ने अकेले अपने हलके में 14 स्कूलों को अपग्रेड किया। श्री रणसि हमान के हलके में 10 स्कूलों को अपग्रैड किया। कुछ स्कूलों को अपग्रेड चौधरी देवी लाल जी के हलके में भी किया गया। उस समय पार्टी मीटिंग में यह फैसला हुआ था कि प्रत्येक एम0एल0ए0 के हलके के अन्दर कम से कम 2–2 स्कूलों को अपग्रेड करना है, परन्तु चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने जाते जाते इन स्कूलोां को गलत ढंग से अपग्रेड कर दिया था। जैसा कि मैंने पहले ही बताया है कि 14 स्कूलों को तो अकेले श्री हीरा

नन्द आर्य ने अपने हलके में अपग्रेड किया था। जब हमारी सरकार आई तो हमने देखा कि बहुत ही गलत ढंग से इन स्कूलों को अपग्रेड किया गया है तो हमने उन स्कूलों को डाउनग्रेड कर दिया। डाउनग्रेड कर दिए जाने के बाद कुछ लोग हाई कोर्ट में चले गए। इन 29 स्कूलों में 13 स्कूलों को हाई कोर्ट ने स्टे आर्डर दे दिया था। कुछ लोग बाद में हम से मिले उन्होंने हमसे कहा कि हमारे स्कूलों में क्लासिज चालू हो गई हैं और बच्चे भी ज्यादा हैं इस लिए मेहरबानी करके हमारे स्कूलोां को डाउन ग्रेड न किया जाये। हमने लोगों की भावनाओं की कदर करते हुए उन स्कलों को उसी प्रकार से जारी रखा। हमने उन स्कूलों को डाउनग्रेड किया जो स्कूल भार्ते पूरी नहीं करते थे और जहां लड़कों की संख्या भी बहुत कम मात्रा में थी। उसके बाद 138 स्कूलों को अपग्रेड किया गया। इन्होंने अपनी पार्टी के हल्कों में अर्थात जो एम0एल0एज0 इनके साथ थे उनके हलकों में तो स्कूलों को अपग्रेड कर दिया था लेकिन जो साथी इधर हमारे साथ बैठे हैं इनके हल्कों में बहुत कम मात्रा में स्कूलों को अपग्रेड किया था। इसलिए हमें सब हल्कों को बराबर लाने के लिए ऐसा करना पड़ा।

श्री अध्यक्षः यह जवाब तो पहले भी दिया जा चुका है और इसको सभी मैंबर साहेबान ने सुन लिया होगा।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने अपने जवाब के 'ग' पार्ट में बताया है कि 138 स्कूलों को अपग्रेड किया गया।

तो मैं मन्त्री जी से पूछना चाहता हूं कि एक एक हलके में कितने कितने स्कूलों को अपग्रेड किया गया और इनको अपग्रेड करने का क्या क्राईटेरिया फिक्स किया हुआ था ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, किसी हल्के में 3 स्कूलों को अपग्रेड किया गया है, किसी मैं 4 स्कूलों को अपग्रेड किया है और किसी हल्के में 2 स्कूलों को भी अपग्रेड किया गया है।

Quota of jobs reserved for Ex-servicemen in the

Transprot Department

***1606. Chaudhri Partap Singh Thakran:** Will the Minister for Transport be please to state-

(a) the quota of jobs reserved for Ex-servicemen in the services together with the actual percentage of such personnel existing at present in the Transport Department;

(b) the percentage of the quota referred to in part (a) above fille up in the Transport Department through S.S.S. Board and the Public Service Commission from 1-4-79 to date; and

(c) whether there is any defficiency in the percentage of Ex-servicemen in the said Department; if so, the steps taken or posposed to be taken to make up this shortfall ?

परिवहन मन्त्री (श्री जगन नाथ):

(क)	भूतपूर्व सैनिकों के लिए निर्धारित कोटा:– 1. श्रेणी 1 और 2 2. श्रेणी तीन और चतुर्थ	 5 प्रतिशत 20 प्रतिशत
	भूतपूर्व सैनिकों के लिए वर्तमान वास्तविक प्रतिशत श्रेणी 1 और 2 श्रेणी तीन और चतुर्थ	 17 प्रतिशत 21 प्रतिशत
(ख)	श्रेणी 1 तथा 2 श्रेणी तीन और चतुर्थ	8.5 प्रतिशत 0.18 प्रतिशत
(ग)	जी नहीं।	

चौधरी संत कंवर: अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने जवाब के पार्ट 'बी' में क्लास–3 और क्लास–4 में भूतपूर्व सैनिकों की हुई भर्ती की परसैंटेज केवल 0.18 बताई है। क्या

इसका कारण यह तो नहीं है कि रोड़वेज के अन्दर डायरेक्ट ऐम्पलाएमैंट के जरिए भर्ती कर ली जाती है ?

श्री जगन नाथ : स्पीकर साहब, ऐसी बात तो नहीं है। अभी पिछले वर्श 7—9—79 को हड़ताल हो गई थी। हड़ताल की अवधि के दौरान कुछ कर्मचारी रखे गए थे। उस समय यह फैसला किया गया था कि हड़ताल की अवधि के दौरान जितने कंडक्टर और ड्राईवरों को लगाया गया या किसी और पर पर कोई कर्मचारी लगाया गया, पहले उनइ कर्मचारियों को लगाया जायेगो ब ार्ते वे उस के पद के हिसाब से जिस पद के विरूद्ध उसे लगाया गया है सभी क्वालिफिके ान्ज पूरी करते हों। अब तक 606 कर्मचारी लगाये जा चुके हैं। इस वजह से अभी तक बैकवर्ड क्लासिज, भाडयूल्ड कास्टस और ऐक्स सर्विसमैन की भी भर्ती पूरी नहीं हुई। जिस समय हड़ताल हुई उस समय मुख्य मंत्री और एम0एल0एज0 ने यही फैसला किया था कि पहले इन कर्मचारियों को जो हड़ताल के समय काम पर आये हैं, लगाया जाये। जैसा पहले बताया है कि अब तक 606 कर्मचारियों को लगाया जा चुका है और जो बाकी रहते हैं उनको भी भीघ्र लगा दिया जायेगा। जिस समय तक ये कर्मचारी नहीं लगाये जाते उस समय तक भाडयूल्ड कास्टस, बैकवर्ड क्लास और ऐक्स सर्विसमैन की भी भर्ती नहीं की जा सकती।

चौधरी पीर चन्दः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि भाडयूल्ड कास्टस, बैकवर्ड क्लासिज और ऐक्स सर्विसमैन

का जो घाटा है उसको इस साल के अन्त तक पूरा कर लिया जाएगा ?

श्री जगन नाथ : मैंने पहले ही बताया है कि जब तक हड़ताल के दौरान लगाये गए कर्मचारी नहीं लगाए जाते उस समय तक और भर्ती नहीं की जायेगी। ज्यों ही ये कर्मचारी लग जायेंगे उसके बाद भाडयूल्ड कास्टस, बैकवर्ड क्लास और ऐक्स सर्विसमैन को लेने की पूरी पूरी कोि ा ा की जायेगी।

श्री मूल चन्द जैनः अध्यक्ष महोदय, सवाल के 'बी' पार्ट के जवाब में बताया गया है कि पब्लिक सर्विस कमी ान और एस0एस0एस0 बोर्ड के द्वारा क्लास वन और टू में 8.5 प्रति ात और क्लास थ्री और फोर में 0.18 परसैंट भर्ती की गई है जबकि ऐक्चुअल परसैंटेज इन लोगों की 17 परसैंट और 21 परसैंट है। इसका मतलब यह हुआ कि इन्होंने क्लास वन और टू में 8.5 परसैंट और क्लास थ्री और फोर में 20 परसैंट डायरेक्ट भर्ती किए हैं ? क्या मिनिस्टर साहब बतायेंगे कि इन व्यक्तियों को एस0एस0एस0 बोर्ड और पब्लिक सर्विस कमी ान के जरिए क्यों नहीं भर्ती किया गया ?

श्री जगन नाथ : स्पीकर साहब, यह कमि र्यिल डिपार्टमैंट है। हम पदों को भरने के लिए ऐडवरटाईजमैंट भी करते है। एस0एस0एस0 बोर्ड और पब्लिेक सर्विस कमी ान के थ्रू भी आदमी लगाते हैं। कई बार एस0एस0एस0 बार्ड से और पब्लिक

सर्विस कमी ान से आदमी आने में काफी समय लग जाता है। इसलिए हम ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज के जरिए सीधी भर्ती कर लेते हैं। क्यौंकि इस डिपार्टमैंट को अचानक ही ड्राईवरों कंडक्टरों और अन्य कर्मचारियों की जरूरत पड़ जाती है जिसके बगैर काम चलना असंभव हो जाता है, इसलिए हम ऐम्पलाएमैंट ऐक्सचेंजिज के जरिए भर्ती कर लेते हैं। जिस समय हमारे पास एस0एस0एस0 बार्ड से ड्राईवर कंडक्टर या और कर्मचारी जिनकी हमने मांग की हुई होत है, आज जाते हैं उस समय ऐम्पलाएमैंट ऐक्सचेंजिज के जरिए भर्ती किए कर्मचारियों को निकाल दिया जाता है।

Pay Scale of Lady Health Visitors

***1604. Chaudhri Des Raj:** Will the Finance Minister be please to state-

(a) whether it is a fact that the revised grade of Lady Health Visitors in Punjab is Rs. 570-940 and of those in the selection grade is Rs. 680-1120;

(b) whether it is also a fact that in Haryana the maximum grade of Lady Health Visitors is being fixed at Rs. 725/- and no selection grade is being given to the Lady Health Visiotors in Haryana especially when the qualifications of Lady Health Visitors in Punjab and Haryana are the same;

(c) whether the Government intends to bring the Lady Health Visitors of Punjab and Haryana at par in the matter of grade and selection grade;a dn

(d) if not, the reasons thereof ?

Finance Minister (Lala Balwant Rai Tayal):

(a) The revised grade of Lady Health Visitor in Punjab is Rs. 510-940 (and not 570-940) with a selection grade of Rs. 680-1120.

(b) The revised grade of Lady Health Visitor in Haryana has not been fixed so far. The matter is under consideration.

(c) No decision has yet been taken.

(d) In view of (c) above, question does not arise.

चौधरी देस राज: स्पीकर साहब, पे कमी ान की तो रिपोर्ट भी आ चुकी है और भाया भी हो चुकी है। क्या मन्त्री जी यकीन दिला सकते हैं कि हरियाणा में लेडी हैल्थ विजिटर्ज के पे स्केल्ज को पंजाब के बराबर लाया जायेगा ?

लाला बलवन्त राय तायल: स्पीकर साहब, मैंने बता दिया है कि यह मामला अभी अन्डर कंसिड्रे ान है। जब कोई फैसला हो जायेगा तभी पता चलेगा।

श्री अध्यक्ष: क्या पे कमी ान की रिपोर्ट में इसके बारे में कोई झगड़ा है ?

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, सवाज के भाग 'बी' और 'सी' में यह बताया गया है कि मामला विचाराधीन है या

अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या वे कोई इस बात के निर्णय के लिये डैड लाईन तय करने के लिए तैयार है। कि इस दिन तक यह मामला तय हो जायेगा ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, मैं पहले भी कई बार बता चुका हूं कि एक कमेटी बनायी गयी है और जल्दी ही इसके बारे में डिसीजन ले लिया जायेगा।

Mr. Speaker: Is that linked with the Report of the Pay Commission ?

लाला बलवन्त राय तायलः जी हां।

चौधरी पीर चन्दः स्पीकर साहब, इस पे कमी ान की रिपोर्ट के हिसाब से अगर देखा जाये तो एस0डी0ओज0 और ऐक्सीयन्ज की पे कुछ भी बढ़ी नहीं है बल्कि घटी है। क्या सरकार उनकी पे भी बढ़ाने पर विचार करेगी ?

श्री अध्यक्षः इस सवाल का ऐक्सीयन्ज से कोई सम्बन्ध नहीं है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, लेडी हैल्थ विजीटर्ज के लिये प्रोमो ान ऐवेन्यूज बिल्कुल भी नहीं हैं। मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या पे कमी ान ने उनके लिये कोई प्रोमो ान ऐवेन्यूज भी ओपन करने के लिये सिफारि ा की है ?

Mr. Speaker: I do not think, the Finance Minister will be knowing about it. (Interruption and noise) वह तो डिपार्टमैंट वाले बतायेंगे कि उनके लिये प्रोमो ान ऐवेन्यूज कितने हैं या नहीं हैं। इनसे तो आफ सिर्फ पे के बारे मे पूछिये।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने यह बताया है कि कोई कमेटी बनी हुई है। क्या उस कमेटी में लेडी हैल्थ विजिटर्ज का भी रिप्रेजेंटेटिव लिया जायेगा ताकि उनकी पूरी बता वहां पर सुनी जा सकें ?

लाला बलवन्त राय तायलः इसके बारे में तो स्पीकर साहब, मैं कई बार बतला चुका हूं कि एक कमेटी हमने चीफ सैक्रेटरी के अधीन तीन सैक्रटरीज की बनाई हुई है जिसमें इसके बारे में कंसिड्रे ान होना है। उसमें कोई भी व्यक्ति अपनी बात पे ा कर सकता है। उसके बाद गौर करके वह कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी।

श्री मांगेराम गुप्ताः स्पीकर साहब, मन्त्री महोदय ने यह बताया है कि चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गयी है जिसमें हरेक आदमी अपनी बात पे ा कर सकता है। क्या मन्त्री महोदय इस कमेटी में तीन की बजाये 5 सैक्रेट्रीज रखने के लिये तैयार हैं यानी दो तीन सैक्रेटरीज और बढ़ाने के लिये तैयार हैं ? (ाोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इसके बारे में वे बता चुके हैं कि चीफ सैक्रेटरी उसके चेयरमैन हैं और दो तीन सीनियर सैक्रेटरीज उसके मैंबर्ज हैं। Moreover, there is also to be half an hour discussion on this matter to day.

Shrimati Sushma Swaraj: Mr. Speaker, through you, I want to know from the Fianance Minister to what is the present pay scale of Lady Health Visitors in Haryana and what is the difference in their pay scale as compared to that of Punjab ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, अलग अलग डिपार्टमैंट के बारे में अगर ये पूछेंगी कि किसी क्या पे है, वह तो इस वक्त बताना मुि कल है क्योंकि हमारे पास आंकड़े नहीं हैं। लेकिन जहां कहीं भी अन्तर है, उस अन्तर को दूर करने के लिये हमने चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई हुई है। वह कमेटी सारी बातों को देखेगी। उसमें हर डिपार्टमैंट के हर व्यक्ति को पूरा इंसाफ दिया जायेगा और हमारी यह कोि ा ा होगी कि पंजाब से भी ज्यादा स्केल्ज उन लोगों को दिये जायें, कम नहीं देंगे।

Shrimati Sushma Swaraj: This is not the answer to my question.

Mr. Speaker: The Hon. Member has asked a very specific question कि हरियाणा की लेडी हैल्थ विजिटर्ज की क्या पे है ?

लाला बलवन्त राय तायलः इस वक्त हरियाणा में लेडी हैल्थ विजिटर्ज का पे स्केल 140–6–170–8–210–10–300 का है। (व्यवधान व भाोर)

डा0 मंगल सैनः पंजाब के अन्दर जो पे स्केल है, वह भी तो पूछा है ?

श्री अध्यक्षः जवाब में पंजाब का दिया हुआ है और हरियाणा का भी उन्होंने बता दिया है।

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, 140 बेसिक पे पर टोटल एमोलूमैंटस कितने बनते हैं, यह नहीं बताया है, यानी इस वक्त लेडी हैल्थ विजिटर को कितने पैसे मिलते हैं ? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः वह तो आप कैलकुलेट कर लीजिये। (ाोर व व्यवधान)

चौधरी देस राजः सर, मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जो लेडी हैल्थ विजिटर का मन्त्री महोदय ने 140 का ग्रेड बताया है, इसमें उनको एट प्रेजैन्ट कितने टोटल एमोलूमैंटस मिलते हैं ?

लाला बलवन्त राय तायलः यह इन्फर्मे ान मुझसे मांगी नहीं गयी थी वरना मैं यह भी दे देता। जो इन्फर्मे ान मुझसे मांगी गयी थी वह मैंने हाउस को दे दी हैं।

Industrial Development of the Rural Area

***1656. Shri Mool Chand Jain:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) whether any communication from the Government of India was received by the State Government for associating Industrialists/business houses to develop the rural industries in the State; and

(b) if so, the steps so far taken or proposed to be taken to associate the said houses to take part in the rural development of the State and the results, if any, so far achieved ini the behalf ?

Development Minister (Rao Ram Narain):

(a) Yes.

(b) The State Government has issued various cicular letters. Officers of the Development Department were also deputed to contact them in person both individually and by organising meetings. A detailed pamphlet on the subject is under issue. Advertisements are being given in the leading News Papers and a high level conference with bigh industrialists has been proposed.

So far four units have been given approval under Section 35 CC of the Income Tax Act and four cases are under examination under section 35 CCA (Interruptions)

Mr. Speaker: Even the Hon. Members who were fanatics of Hindi, have started speaking in English. (Interruption and Noise)

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, जब हिन्दी जानने वाले भी अंग्रेजी में जवाब देने लगे तो उनसे हिन्दी की बजाय अंग्रेजी में ही सवाल पूछना उचित है। जब उनसे सवाल इंगलि ा में पूछा जाता है तो फिर वे हिन्दी में जवाब दे देते हैं। वे लिखा हुआ जवाब तो हिन्दी की बजाय अंग्रेजी में पढेंगे लेकिन सप्लीमैंट्री का जवाब हिन्दी में देंगे। (व्यवधान व भाोर)

श्री मूल चन्द जैनः क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि इस सम्बन्ध में भारत सरकार से जो पत्र आये हैं, वह कब आये हैं और जिन चार यूनिट्स को ऐप्रूवल दी गयी है, इंडट्रियल बिजनेस हाउसिज उन पर कितना रुपया देहातों में खर्च करना चाहते हैं और कितना रुपया खर्च किया जा चुका है ?

राव राम नारायणः ब्यौरा तो मेरे पास नहीं है लेकिन जिन चार यूनिट्स को ऐप्रवल दी गयी है, उनके नाम मेरे पास हैं, वह मैं बता सकता हूं।

श्री अध्यक्षः लैटर इस साल आया है या पिछले साल आया है, यह तो आप बात ही सकते हैं (व्यवधान व भाोर)

राव राम नारायणः वह मैं नाम आपको बता देता हूं ..... (ाोर व व्यवधान).....

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, इनकी आवाज को जरा ठीक करवा दें तो अच्छा रहेगा क्योंकि कुंछ भी समझ नहीं आ रहा है। (ाोर व व्यवधान)

Mr. Speaker: I would request the Hon. Members not to cast aspersions on others (Interruptions and noise). I think, there is some defect in the mike, and that is why it is not audible. (Interruptions). राव साहब, आपने जो कहा है वह ठीक से सुनाई नहीं दिया है। आप उसे फिर कह दें (व्यवधान)।

Rao Ram Narain: Sir, I can give the details of these concerns. They are-

Sr. No.	Name of Company	Particulars of projects	Approval under Section 35CC/35CCA
1.	M/S Hinmdustan Everest Tools Ltd. Dohil Chambers 46 Nehru Place, New Delhi.	Regarding repair & addition of 2-3 rooms to the existing Govt. Primary School, Village Badmalik, Distt. Sonepat	Approved u/s 35 CC.
2.	Do	Projects of providing brick road and brick soling in the streets of village Jatheri, Distt. Sonepat.	Do
3.	M/S Jindal Aluminium Ltd. 16th K.M. Tumkur Road, Bangalore.	Regarding construction of School building and provision of furniture etc. to Siwani Arjanand Govt. High School, Vill. Nalwa, Distt. Bhiwani.	Do
4.	M/S Haryana Tube	Regarding	Do

	Mng. Co. Pvt. Ltd. Delhi Road, Hisar	construction of clinic/nursing home at village Siwani.	

श्री मूल चन्द जैनः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि रकम कितनी आई ?

राव राम नारायणः रकम का ब्यौरा हमारे पास नहीं है।

डा0 मंगल सैनः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि अब तक कितनी ऐप्लीके ांज आई है ?

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, अब तक हमारे पास आठ ऐप्लीके ांज आई। चार ऐप्लीकेंटस काम कर रहे हैं और चार अन्डर प्रोसैस हैं।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, भारत सरकार ने हिन्दुस्तान के अमीर लोगों के लिए एक स्कीम भेजी है कि आप लोग देहात में दिलचस्पी लें, देहात के विकास के लिए वहां पर इंडस्ट्रीज लगाएं और इसके लिए उनको इंकम टैक्स में छूट दी जाएगी। क्या मिनिस्टर महोदय बताने की कृपा करेंगे कि भारत सकरार से इस बारे में कब चिट्ठी आई थी और अमीर लोग दिलचस्पी लेकर हरियाणा में इंडस्ट्रीज लगाएं इस दि ाा में हरियाणा में क्या प्रगति हुई है ?

सहकारिता तथा योजना मंत्री (ठाकुर बीर सिंह): स्पीकर साहब, मैं इसका जवाब दे देता हूं क्योंकि उस समय मैं मिनिस्टर था। स्पीकर साहब, इस स्कीम को भारत सरकार से आए हुए दो या अढ़ाई साल हो गए हैं। जब मैंने इस विभाग का चार्ज लिया था उस समय मैंने इस स्कीम को निकलवाया था लेकिन लैटर कोई इ I नहीं हुंआ था; बाद में स्कीम्ज की लाइन्ज पर अपने आफिसर्ज के साथ बैठकर एक स्कीम तैयार की और हरियाणा के बिजनैसमन को ऐप्रोच किया। इस स्कीम के तहत 75 परसैंट इंकम टैक्स गवर्नमैंट आफ इंडिया देगी और बाकी 25 परसैंट बिजनैसमैन को देना पड़ेगा। फाईल दबी पड़ी थी इसलिए इस पर दो अढ़ाई साल से अमल नहीं हुआ। जब से यह स्कीम निकाली है तब से बिजनैसमैन के साथ कंटैक्ट जारी है।

श्री गुलजार सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि चार जगह पर उद्योग काम कर रहे हैं और चार ऐप्लीके ांज अन्डर प्रोसैस हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जिन जगहों पर ये उद्योग लगने हैं उन जगहों को छांटने का क्राइटेरिया क्या रखा गया है ?

श्री अध्यक्ष: यह तो इंडस्ट्रियलिस्टस पर डिपैंड करता है, वे जहां चाहेंगे वहां पर लगाएंगे।

Thakur Bir Singh: The businessman has to adopt an area according to his choice.

श्री जय नारायण वर्मा: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि यह स्कीम दो अढ़ाई साल तक इम्पलीमैंट नहीं हुई, इसका क्या राज है ?

ठाकुर बीर सिंह: स्पीकर साहब, यह फाईल दबी हुई थी इसलिए इस स्कीम पर अमल नहीं हो सका। जब मैंने चार्ज लिया तो इस फाईल को निकलवाया और चौधरी देवी लाल जब चीफ मिनिस्टर थे, उनके साथ एक मीटिंग भी अरेन्ज की थी। उस वक्त जो आफिसर्ज इंचार्ज थे नैंगलीजैंस के बारे में उनके खिलाफ ऐक ान भी लिया गया कि उन्होंने फाईल को क्यों दबा कर रखा हुआ था। अगर गवर्नमैंट के सामने निकाल कर लाते तो हरियाणा के बिजनैसमैन जो सारे हिन्दुस्तान में इंडस्ट्री लगा रहे हैं वे हरियाणा में भी लगा सकते थे और इस तरह से हरियाणा का काफी डिवैल्पमैंट हो सकता था।

Shri Mool Chand Jain: Speakder Sahib, the Hon. Minister has stated in his reply that-

"A detailed pamphlet on the subject is under issue. Advertisments are being given in the leading News Papers and a high level conference with big industrialists has been proposed".

स्पीकर साहब, अभी तक कोई पैम्फलैट इ ा नहीं किया गया है। अभी तक कोई ऐडवरटाइजमेंट भी नहीं हुई और न ही अभी तक इंडस्ट्रियलिस्टस के साथ कोई कांफ्रैंस की गई है।

स्पीकर साहब, उस वक्त सरकार में इस तरफ बैठे हुए भी कुछ लोग थे उनको तो ब्लेम करने की कोई बात नहीं है। इस सरकार को आए हुए नौ–दस महीने हो चुके हैं लेकिन इस दि ाा में अभी तक कोई खास काम नहीं हुआ है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कब तक इस दि ाा में तेजी से काम भाुरू हो जाएगा ?

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, इस बारे में स्टेट लैवल पर एक कमेटी बनाई गई है। और फरीदाबाद में उस कमेटी की दो दिन की मीटिंग 18 तथा 19 जनवरी 1980 को हुई थी और उसमें इंडस्ट्रियलिस्टस से कंटैक्ट कायम किया गया और उनको मोंटिवेट किया गया कि रूरल डिवैल्पमैंट प्रोग्राम में हिस्सा लें।

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, कुछ व्यापारी उसी गांव के रहने वाले हैं और अपना नाम कमाने के लिए और इंकम टैक्स का कंसै ान लेने के लिए वे उसी गांव में इंडस्ट्री लगा लेते हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या कोई ऐसी तजवीज सरकार के विचाराधीन है कि इंडस्ट्री तो व्यापारी लगाएं लेकिन जगह की सिलैक ान गवर्नमैंट करे ?

राव राम नारायणः यह तो गवर्नमैंट आफ इंडिया की स्कीम है।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने रिटन रिप्लाई में लिखा है कि बड़े बड़े अखबारों में विज्ञापन दिये जा रहे हैं और बड़े बड़े उद्योगपतियों के साथ एक उच्च स्तरीय सम्मेलन आयोजित करना भी प्रस्तावित है लेकिन मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि जनवरी में दो दिन फरीदाबाद में मीटिंग हुई थी। स्पीकर साहब, ये हाउस में जवाब गलत दे रहे हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करैंगे कि ये कब तक अखबारों में विज्ञापन दे देंगे ?

राव राम नारायण: स्पीकर साहब, हम जल्दी ही इंडस्ट्रियलिस्टस की एक कांफ्रेंस बुला रहे हैं और उसकी अध्यक्षता हमारे चीफ मिनिस्टर साहब करेंगे।

Posts advertised by Central Cooperative Bank Ltd., Gurgaon

***1643. Swami Adityavesh:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether any post were advertised by the Central Cooperative Bank Ltd., Gurgaon during the tenure of its Chairman who was appointed in 1978-79;

(b) if so, the name olfl the Newspaper in which the said advertisement appeared together with its circulation in the rural and urban areas separately;

(c) whether Government have received any complaint that the Newspaper referred to in part (b) having

negligible circulation in the rural areas the candidates belonging to the rural areas could not apply for the advertised posts; and

(d) if reply to part (c) above be in the affirmative whether there is any proposal to readvertise the above said posts in some other Newspaper; if so, the name thereo and, if not, the reasons therefore ?

Cooperation and Planning Minister (Thakur Bir Singh):

(a) Yes.

(b) 'The Financial Express' dated 15-6-79. The extent of its circulation in rural and urban areas separately is not available.

(c) Yes.

(d) The post are being readvertised in the Daily Tribune' with simultaneous notification to the District Employment Exchangel, Gurgaon.

स्वामी आदित्यवे ा: अध्यक्ष महोदय, माननीय मनत्री महोदय हिन्दी के अच्छे जानकार हैं, इसलिए ये हिन्दी में ही अपना उत्त देते तो उचित था। मैं उनसे यह जानना चाहता हूं कि इन पदों को दोबारा विज्ञापित करने की क्यों आव यकता हो रही है ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह आव यकता इसलिए हुई कि हमारे पास एक रिप्रजेन्टे ान आया कि इन

पोस्टस की एडवरटाईजमैंट ठीक ढंग से नहीं हुई है और लोगों तक इस की सूचना ठीक तरह से नहीं पहुंच पाई है। 'फाइनैंि ायल एक्सप्रैस' जो अखबार है, जिसमें यह विज्ञापन दिया गया था, यह सर्कुले ान में कम था और इसीलिये बहुत कम आदमियों तक यह पहुंच पाया जिसके कारण बहुत से लोगों को इन पोस्टों की जानकारी नहीं हो सकी और पूरे आदमी इन पोस्टस के लिये ऐप्लाई नहीं कर सके। पहले जो ऐडवरटाइजमैंट की गई थी, वह केवल गुडगांव कोआप्रेटिव बैंक के लिये की गई, अब फरीदाबाद जब से जिला बना है वहां पर भी सैंन्ट्रल कोआप्रेटिव बैंक बनने के कारण पोस्टस की भर्ती की जानी हैं इसलिये इन दोनों के लिये भर्ती किये जाने के कारण दोबारा पोस्टस की ऐडवरटाइजमैंट करवानी आव यक हो गई।

चौधरी गया लालः अध्यक्ष महोदय, 'फाइनैंि ायल ऐक्सप्रैस' अखबार दिल्ली से निकलता है और हरियाणा में इसको बहुत कम लोग पढ़ते हैं मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या इस अखबार में विज्ञापने देने के कारण कुछ नियुक्तियां हुई हैं कि नहीं ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, कोई नियुक्ति नहीं हुई बल्कि इस बारे में पहली ही आदे ा दिये जा चुके हैं और इन पोस्टस को री–एडवरटाईज किया जा रहा है।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि गुड़गांव सैन्ट्रल कोआप्रेटिव बैंक के लिये जिन लोगों को इंटरव्यू लैटर्ज इ ा कर दिये गये हैं, उसके बारे में सरकार क्या पग उठाने का विचार रखती है ?

ठाकुर बीर सिंहः ये सब कैन्सिल कर दिये गये हैं और इन पोस्टस को फिर से री ऐडवरटाइज किया जाएगा। किसी ऐसे अखबार के द्वारा जैसा कि ट्रिब्यून है या कोई दूसरा अखबार जो अच्छी तरह से प्रचलित होगा, उसमें यह विज्ञापन दिया जाएगा ताकि गांवों के लोगों तक भी यह पहुंच सके।

श्री मूल चन्द मंगलाः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया कि 'फाइनैंि ायल ऐक्सप्रैस' अखबार में इन पोस्टों के लिये विज्ञापन दिया गया जो कि बहुत कम प्रचलित है और जिसकी सर्कुले ान भी बहुत कम है जबकि नियमों के अनुसार सरकार को किसी ऐसे अखबार में विज्ञापन देना चाहिये जिसकी सर्कले ान बहुत ज्यादा हो और वह अखबार ज्यादा से ज्यादा लोगों के हाथों में जाता हो। मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि इस तहर ऐसे अखबारों में विज्ञापन देकर यूं ही सरकार का पैसा क्यों बरबाद किया गया क्योंकि इसका लोगों को कोई फायदा नहीं हुआ है ? क्या इस बारे में कोई जांच करवाई जाएगी कि इसमें किस दोश है ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय यह विज्ञापन 15–6–1979 को दिया गया था और यह हमारे टाईम में नहीं हुआ।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब 15–6–1979 को हम भी मिनिस्टर नहीं थे, चौधरी भजन लाल जी सहकारिता मंत्री थे।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान आप सवाल पूछिये। कोई पुरानी हिस्टरी यहां पर नहीं लिखी जा रही है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैंने तो उस समय इस्तीफा दे दिया था। उस वक्त के जो चेयरमैन थे वे माननीय चौधरी देवी लाल जी के सपुत्र चौधरी ओम प्रका ा के बड़े मित्र थे। उनका नाम श्री सुखबीर सिंह था, उन्होंने ही इन्हें चेयरमैन बनवाया था। उन्होंने यह ऐडवरटाईजमैंट करवाई थी। बाद में हमने इसको रोका और अब फिर से ऐडवरटाइजमैंट करवा रहे हैं ताकि सब लोगों को इंसाफ मिल सके।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, अभी सहकारिता मंत्री ने अपने जवाब में बताया कि 'फाइनैं ि ायल ऐक्सप्रैस' की सर्कुले ान इतनी नहीं थी जिसके कारण यह अखयबार ज्यादा लोगों तक नहीं पहुंच पाया और अब ट्रिब्यून में इन पोस्टस के लिय विज्ञापन दिया जा रहा है। मैं इन से यह जानना चाहती हूं कि क्या ट्रिब्यून अखबार ऐसा है जो कि देहातों तक ज्यादा जाता है ? क्यों ने हिन्दी और उर्दू के जो वरनैकुलर पेपर्ज हैं, उनमें इन

पोस्टस के विज्ञापन दिये जाएं क्योंकि वे ज्यादातर देहाती इलाकों में जाते हैं और लोग उन्हें पढ़ते भी हैं ? क्या सरकार इस पर विचार करेगी ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, रूलज के मुताबिक एक ऐसे अखबार में विज्ञापन देना चाहिये जिसकी वाइड सर्कुले ान हो। यह सरकार का कर्त्तव्य है कि वह देखे कि इस स्टेट में कौन सा अखबार ज्यादा प्रंचलित है और किस अखबार को ज्यादा पढ़ा जाता है। उसी अखबार में हम विज्ञापन देना ज्यादा जरूरी समझते हैं दूसरे अखबारों को भी विज्ञापन देते हैं लेकिन रूलज के मुताबिक एक ही अखबार को जो कि सबसे ज्यादा प्रचलित हो, ऐडवरटाइजमैंट दी जाती है।

मास्टर ि िव प्रसादः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार किसी ऐसे अखबार में ऐडवरटाइजमैंट करने का विचार रखती है जिसकी सर्कुले ान स्टेट में सबसे ज्यादा हो और जिसको सबसे ज्यादा देहातों में पढ़ते हों ताकि वे लोग उसका फायदा उठा सकें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम इस बात का पूरा ध्यान रखेंगे कि विज्ञापन ऐसे अखबारों में दिया जाए जो कि देहातों में ज्यादा से ज्यादा लोगों को फायदा पहुंचा सके। इस बारे में हिन्दी और उर्दू के पेपर्ज का भी ध्यान रखा जाएगा।

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस की जानकारी के लिये बता देना चाहता हूं कि मैंने डिपार्टमैंट को पर्टीकुलरली इस केस के लिये तो क्या बल्कि जनरल इंस्ट्रक ान्ज इ ू कर दी है कि जब भी कोई पोस्ट भरनी हो वे उसकी ऐडवरटाइजमैंट लार्ज सर्कुले ान वाले अखबारों में दिया करें।

श्री कन्हेया लाल पोसवालः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिन लोगों ने पहले ऐप्लाई कर रखा है, क्या अब उन्हें दोबारा भी ऐप्लाई करना होगा ? हो सकता है कि अब वे ऐज की डिसक्वालिफिके ान के कारण रह जाए। क्या ऐसे कैन्डीडेटस के साथ कोई रियायत देने का सरकार विचार रखती है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सरकार ने पहले ही सरकारी नौकरियों के लिए 27 साल की ऐज को बढ़ाकर 30 साल कर दिया है और जिन बच्चों ने पहले ऐप्लाई किया हुआ है, उनकी ऐप्लीके ान्ज को वैलिड माना जाएगा।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद एक अलग जिला बन गया है। इससे पहले गुड़गांव सैंन्ट्रल कोआप्रेटिव बैंक के लिये जो वैकैन्सीज निकाली गई थी, वह केवल उसी से सम्बन्धित थीं लेकिन अब सरकार री–ऐडवरटाइज करने जा रही है। क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि फरीदाबाद के लिये अलग से ऐडवरटाइजमैंट किया जाएगा ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, दोनों जिलों के लिये अलग अलग ऐडवरटाइजमैंट किया जाएगा क्योंकि अब बाइफरके ान हो चुकी है।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, उस समय के चेयरमैन ने जो इस प्रकार की फेवर करने के लिये एक छोटे से अखबार में यह विज्ञापन दिया था, क्या उसके खिलाफ कोई कार्यवाही करने का सरकार विचार रखती है क्योंकि यह काफी इल्लीगल बात थी ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह तो इररैगुलैरिटी है, इल्लीगैलिटी नहीं है।

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री महोदय ने चौधरी देवी लाल जी के समय के एक चेयरमैन साहब का हवाला देते हुए कहा कि उसी के कारण यह सब कुछ हुआ। मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि कहीं आज भी उसी तरह का कोई आदमी सरकार तो नहीं लगाने जा रही जिससे फिर इसी तरह से काम होते रहें ? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: This is not question and it has got not relevance.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये खुद ही हैं और कोई नहीं हैं।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, Question Hour is now over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Opening of Liquor Shops on G.T. Road

***1630. Shri Fateh Chand Vij, Master Shiv Parshad:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Government has banned the opening of liquor shops on the G.T. Road in the State; and

(b) if so, wether there is any proposal under consideration of the Government to lft the ban reffered to in part (a) above ?

वित्त मंत्री (लाला बलवन्त राय तायल):

(ए) जी हां, हरियाणा पर्यटन निगम द्वारा चलाये जाने वाले ठेकों को छोड़ कर कोई भी भाराब का ठेका जी0 टी0 रोड से 100 मीटर से कम दूरी पर स्थापित नहीं हो सकता।

(बी) जी नहीं।

Hospital Building at Darba Kalan

***1522. Chaudhri Jagdish Kumar Baniwal:** Will the Chief Minister be please to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to renovate the hospital building located at Darba Kalan in District Sirsa; if so, the time by which the renovation work is likely to be taken in hand; and

(b) the steps, if any, taken to renovate the staff quarters of the said hospital ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 1. नहीं।

2. प्र न नहीं उठता।

(ख) कोई नहीं।

Hali Lake

***1513. Chaudhri Satvir Singh Malik:** Will the Minister for Irrigation and Power be please to state the toal water in cusecs released to the Hali Lake at Panipat the year 1979-80 (upto 15th January, 1980) ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): वर्श 1979–80 में 15–1–80 तक हाली झील, पानीपत के लिय 29 क्यूसिक डेज (2505600 घनफुट) पानी छोड़ा गया।

Children born in Medical College Hospital, Rohtak

***1548. Chaudhri Sant Kumar:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of children born in Medical College Hospital, Rohtak during the period from 1st January 1979 to 31st December, 1979;

(b) the total number of delivery cases in which the children were born after operation;

(c) the total number of delivery cased which resulted in the death of the newly born child or his/her mother;

(d) the steps taken or proposed to be taken by the Government to avoid deaths to in part (c) in the Medical College Hospital, Rohtak in future; and

(e) whether the Gynae Department of the Medical College Hospital, Rohtak is adequately staffed ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 1600

(ख) 695

(ग) 1. नवजात ि ा ु 137

2. प्रसूति स्त्रियां 11

(घ) 1. मैडीकल कालेज, रोहतक में प्रसूति केसिज को सम्भालने के लिए चिकित्सा सुविधाओं की प्र्याप्त व्यवस्था है। ऊपर भाग (ग) में वर्णित मृत्युएं चिकित्सा देखभाल के अभाव के कारण नहीं थी। वास्तव में, अधिकां ा गर्भवति स्त्रियां अस्पताल में केवल उसी समय लाई जाती हैं जब ऐसे केसिज दाईयों की असावधानी के परिणारूवरूप बच्चे को जन्म दिलवाने में कठिन हो जाते हैं। ऐसी मृत्युओं की घटनाओं की संख्या कम की जा सकती है यदि गर्भवति स्त्रियांय उचित समय पर बच्चे के जनम से पूर्व तथा बच्चे के जन्मोपरान्त चिकित्सा उपचार प्राप्त करती रहें।

2. प्र न उत्पन्न नहीं होता।

(च) जी हां।

Opening of 25 Bed Hospital in Karnal Constituency

***1533. Shri Preet Singh:** Will the Chief Minister be please to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a 25 bed hospital at village Balu in Kalayat constituency of District Jind, if so, the time by which it is likely to be opened ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): हां। फिर भी वित्त की कमी के कारण इस स्टेज पर निर्धारित समय नहीं बताया जा सकता।

New Sewarage System in Rohtak

***1598. Dr. Mangal Sein:** Will the Minister for Local Government be pleased to state whether the new sewerage system is being laid in Rohtak City; if so, the names of the localities where it is being laid alongwith the estimated expenditure to be incurred thereon and the extent to which the said work has so far been done ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): जी हां, अनुबन्ध में दी गई अपेक्षित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

अनुबन्ध

मल निकास सिस्टम में मुख्य सीवर एवं ब्रान्च सीवर सम्मिलित हैं मल निकास निम्नलिखित कालोनियों में बिछाया जा रहा है:—

(क)	वह कालोनी जहां मुख्य सीवर बिछाया जा रहा है :—	
	1	जाट कालेज होस्टल क्षेत्र
	2	गांधी नगर कैम्प (मडहटस)
	3	कैम्प कालोनी
	4	डी0एल0एफ कालोनी

	5	जगदी ा कालोनी–1
	6	जगदी ा कालोनी–2 (राम नगर)
	7	भीस्ती पूरा
	8	झझर रोड के क्षेत्र का कुछ भाग
	9	रेलवे सड़क क्षेत्र का भाग
	10	अनाज मंडी के पीछे का क्षेत्र
	11	रेलवे लाईन के साथ का क्षेत्र
(ख)	वह कालोनी क्षेत्र जहां ब्रांच सीवर बिछाया जा रहा है :–	
	1	रेलवे सड़क क्षेत्र
	2	आय नगर
	3	ग्रीन सड़क क्षेत्र
	4	डी0एल0एफ0 कालोनी
	5	माडल टाऊन
	6	माडल टाऊन का विस्तार क्षेत्र
	7	डी0एल0एफ0 सड़क क्षेत्र (उत्तरीय भाग)

	8	किला सड़क क्षेत्र
	9	बारा बाजार क्षेत्र
	10	बाबरा मोहल्ला
	11	किला मोहल्ला
	12	सोनीपत सड़क क्षेत्र
	13	झंग कालोनी
	14	डेरी मोहल्ला (नया तथा पुराना)
	15	भाोरे मारकीट
	16	प्रताप मोहल्ला
	17	सुभाश नगर का भाग
	18	संत नगर
	19	पुराना वार्ड नं0 6
	20	पुराना वार्ड नं0 9
	21	भगवान कालोनी
	22	ब्राह्मण मंडी

	23	लक्ष्मी नगर
	24	चिनौद कालोनी
	25	आई0टी0आई0 के नजदीक के स्थान
	26	रविदास नगर का भाग
	27	विजय नगर
	28	देहली गेट बाजार क्षेत्र
	29	पुरानी सब्जी मंडी

इस योजना पर अनुमानित खर्चा 88.62 लाख रुपये है। जाट कालेज क्षेत्र के मुख्य सीवर के अतिरिक्त सभी कार्य पूर्ण किय जा चुके हैं।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Civil Hospitals and Civil (Allopathic) Dispensaries

352. Chaudhri Ram Lal Wadhwa: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the districtwise number and names of Civil Hospitals and Civil (Allopathic) Dispensaries functioning in the State at present together with capacity of beds provided in each, separately;

(b) the districtwise number and names of Civil Dispensaries as referred to in part (a) above sa on 31-3-77 in

the State, together with the capacity of beds provided in each one of them, separately; and

(c) the districtwise number and names of Civil Dispensaries as referred to in part (a) above, that are likely to be opened during the years 1980-81 and 1981-82, separately, together with the number of beds likely to be provided in each one of them ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क तथा ख): सूचना अनुबन्ध 1 व 2 में संलग्न है।

(ग) वर्श 1980–81 तथा 1981–82 में खोले जाने वाले सिविल अस्पतालों तथा डिस्पैंसरियों की संख्या तथा नामों का अभी तक निर्णय नहीं किया गया है।

अनुबन्ध–1

भाग (क)

जिले का नाम	**अम्बाला**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	7		
नाम	1	राजकीय सामान्य	200

		अस्पताल, अम्बाला	
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, जगाधरी	25
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, नारायणगढ़	50
	4	मुकुन्द लाल सामान्य अस्पताल, यमुनानगर	50
	5	राजकीय सामान्य अस्पताल, अम्बाला छावनी	56
	6	राजकीय सामान्य अस्पताल, कालका	25
	7	राजकीय सामान्य अस्पताल, छछरौली	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	13		

नाम	1	महिला डिस्पैंसरी, सढ़ोरा	4
	2	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, बलदेव नगर, अम्बाला	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मोरनी	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कोट	2
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पंचकूला	4
	6	जिला टी0बी0: नियंत्रण केन्द्र, अम्बाला	36
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भाहजादपुर	20
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, नूरपूर	2

	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कलानौर	2
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बराड़ा	4
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कालेसर (पग्गल में कार्य कर रही है)	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सबापुर	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, नाहरपुर	4
नोटः– इनके अतिरिक्त हरियाणा एम0एल0ए0 फ्लैट होस्टल डिस्पैंसरी, चण्डीगढ़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अम्बाला के प्र ाासनिक नियंत्रण में हैं।			
जिले का नाम	**भिवानी**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की	6		

संख्या			
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, भिवानी	300
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, लोहारू	25
	3	श्री सोहन लाल राजकीय सामान्य अस्पताल, दुराला	8
	4	राजकीय सामान्य अस्पताल, चरखी दादरी	50
	5	राजकीय सामान्य अस्पताल, तो ाम	25
	6	राजकीय सामान्य अस्पताल, बवानी खेड़ा	25
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की	23		

संख्या			
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सिवाणी	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, चंग	2
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, महुदानी	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, वीरन	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बहल	4
	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, नालवा	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अलखपुरा	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, उचीना	
	9	राजकीय ग्रामीण	4

		डिस्पैंसरी, सुई	
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, माधोगढ़	10
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, धनाना	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मनहेरू	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तलवण्डी रूका	4
	14	मोबाइल डिस्पैंसरी, भिवानी	
	15	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दिनौंद	4
	16	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मानकवास	4
	17	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सन्तोखपुरा	4

	18	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सुहासरा	4
	19	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, छप्पर	4
	20	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भूशण	4
	21	टी0बी0ः क्लीनिक, लोहारू	8
	22	जिला टी0बी0ः नियंत्रण केन्द्र, भिवानी	25
	23	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, माई कलां	4
जिले का नाम	**गुड़गांव**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	4		

नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, गुड़गांव	120
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, फिरोजपुर झिरका	25
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, नूंह	25
	4	प्रसूति अस्पताल, हैली मण्डी	4
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	10		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, वीवन	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बगरोला	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, उजीना	4

	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, फिगवां	3
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तावाड़ू	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, सोहना	10
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मखपुरा	4
	8	जिला टी0बी0ः नियंत्रण केन्द्र, गुड़गांव	2
	9	स्कूल हैल्थ क्लीनिक, गुड़गांव	
	10	मोबाईल डिस्पैंसरी, नूंह	
नोटः– इनके अतिरिक्त हरियाणा हरियाणा भवन डिस्पैंसरी, नई दिल्ली, मुख्य चिकित्सा अधिकारी गुड़गांव के प्र ाासनिक नियंत्रण में हैं।			

जिले का नाम	**फरीदाबाद**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	3		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, पलवल	30
	2	बी0के0 अस्पताल, फरीदाबाद	200
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, बल्लभगढ़	50
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	14		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तिगांव	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सूलपुर	4

	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, धोज	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सुलहेरा	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तपा–बिलोचपुर	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, होडल	8
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, हथीन	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अनंगपुर	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मोहना	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पल्ला	4
	11	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, सैक्टर–7,	4

		फरीदाबाद	
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कटेसरा	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अमरपुर	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पुनहेड़ा खुर्द	4
जिले का नाम	**हिसार**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	6		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, हिसार	200
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, हांसी	50
	3	राजकीय सामान्य	50

		अस्पताल, फतेहाबाद	
	4	राजकीय सामान्य अस्पताल, आदमपुर	10
	5	राजकीय सामान्य अस्पताल, टोहाना	50
	6	टी0 बी0 अस्पताल, हिसार	25
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	24		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, उकलाना	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बालसमन्द	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बड़ोपल	4
	4	राजकीय ग्रामीण	4

		डिस्पैंसरी, बास	
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अग्रोहा	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, बगराओ	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दौलतपुर	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सामैन	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बोथन कलां	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, गुराना	4
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कैमरी	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मामुपुर	4

	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दाता	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पिरथला	4
	15	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मयोद कलां	4
	16	मिनी सचिवालय निवास कालोनी डिस्पैंसरी, हिसार	4
	17	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, चुली बागड़ियां	4
	18	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, हसनगढ़	4
	19	टी0बी0 कलीनिक, टोहाना	8
	20	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कुला	4

	21	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, हिसार	
	22	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, पुट्ठी सामन	4
	23	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, पाबरा	4
	24	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, पुट्ठी मंगल खां	4
जिले का नाम	**सिरसा**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	3		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, सिरसा	100
	2	राजकीय सामान्य तथा प्रसूति अस्पताल, मंडी डबवाली	28

	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, चोटाला	30
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	11		
नाम	1	जिला टी0बी0 कन्ट्रोल सैन्टर, सिरसा	2
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, रोड़ी	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, ऐलनाबाद	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कलांवाली	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दड़बां कलां	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, दड़वी	4

	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, देसू जोधा	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, गौरी वाला	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, खारिया	4
	10	जैयना देवी भाहरी डिस्पैंसरी, ऐलनाबाद	11
	11	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, मलेकां	4
जिले का नाम	**जीन्द**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	3		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, जीन्द	50
	2	राजकीय सामान्य	50

		अस्पताल, नरवाना	
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, सफीदों	25
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	8		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बालू	
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, छत्तर	
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दातरथ	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, जयजयवन्ती	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बाटा	4

	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, उचाना	7
	7	जिला टी0बी0 केन्द्र, जीन्द	
जिले का नाम	**करनाल**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	2		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, करनाल	200
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, पानीपत	50
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	14		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मधुबन	4

	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, जुण्डला	2
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तरावड़ी	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, नौलथा	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मडलोडा	4
	6	होम फार एजड एण्ड इनफरमरी डिस्पैंसरी, पानीपत	
	7	महिला आश्रम डिस्पैंसरी, करनाल	
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कुंजपुरा	2
	9	फस्ट एड पोसट कम डिस्पैंसरी, उचाना लेक	

	10	स्कूल हैल्थ क्लीनिक, करनाल	
	11	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, करनाल	22
	12	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, सिंवाह	4
	13	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, जलमाना	4
	14	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, माण्डी	4
जिले का नाम	**कुरुक्षेत्र**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	4		
नाम	1	लेकनायक जे0पी सामान्य अस्पताल,	50

		कुरुक्षेत्र	
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, भााहबाद	25
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, कैथल	73
	4	प्रसूति अस्पताल, रादौरा	14
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	11		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बबैन	4
	2	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, कुरुक्षेत्र	
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, ठसका मीरांजी	4

	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, लाडवा	8
	5	राजकीय भाहारी डिस्पैंसरी, पुण्डरी	12
	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, हबरी	2
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पिपली	2
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, थानेसर	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भागुल	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, इसमाईलाबाद	4
	11	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, अलाहर	

जिले का नाम	**महेन्द्रगढ़**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	3		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, नारनौल	100
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, महेन्द्रगढ़	25
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, रिवाड़ी	50
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	17		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भौजावास	2
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बालका	4

		कलां	
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सिरोही बोली	4
	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, सेहमा	
	5	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, नारनौल	16
	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, धनाजीनाबाद	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, जाटूसाना	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मीरपुर	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दारूहेड़ा	2

	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बुधबाल	6
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, रामपुर	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अन्तड़ी	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बासडौडा	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, टंकरी	4
	15	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बयाल	4
	16	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, फतेहपुरी	4
	17	मोबाईल डिस्पैंसरी, नारनौल	
जिले का नाम	**रोहतक**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक	7		

राजकीय) हस्पतालों की संख्या			
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, रोहतक	85
	2	कमला नेहरू अस्पताल, बहादुरगढ़	25
	3	इनफरवरी महिला आश्रम हस्पताल, रोहतक	10
	4	राजकीय सामान्य अस्पताल, झज्जर	25
	5	मैडीकल कालेज अस्पताल, रोहतक	1074
	6	चितरंजन दास मोबाईल अस्पताल, रोहतक	50
	7	राजकीय सामान्य अस्पताल, बेरी	48

सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	18		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सांधी	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मातनहेल	2
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मछरौली	4
	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, डुजाना	8
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भालौट	4
	6	मडहट कालौनी डिस्पैंसरी, रोहतक	
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सिवाणी	4

	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बीरोहर	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, महम	8
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, गुरावर	4
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भम्बेबा	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कलानौर	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कौसली	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, छुड़ानी	4
	15	जिला टी0बी0 क्लीनिक केन्द्र, रोहतक	
	16	भाहरी डिस्पैंसरी	4

		ि ावाजी कालोनी, रोहतक	
	17	मोबाईल ओपथेमीलोजी क्लीनिक, रोहतक	
	18	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, जहाजगढ़	10
जिले का नाम	**सोनीपत**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	2		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, सोनीपत	50
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, मोहाना	25
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की	11		

संख्या			
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दाबाता	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मुरथल	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, फरमाना	4
	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, जाखौली	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पुरखास	4
	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बुटाना	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बिदलान	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भुटाना जफराबाद	4

	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मोई माजरी	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सीवणमल	4
	11	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, सोनीपत	

नोटः– हरियाणा सरकार ने अपनी यादी क्रमांक 6912–1एच0बी0 1–76/21161 दिनांक 30–6–76 में सिविल अस्पतालों तथा सिविल/रूरल डिस्पैंसरियों के नाम राजकीय सामान्य अस्पतालों तथा राजकीय भाहरी/ग्रामीण डिस्पैंसरियों में बदल दिए हैं और यह संस्थान जैसे ऊपर वर्णन किया गया है। अन्य प्रकार के अस्पतालों/डिस्पैंसरियों जैसे कि ई0एस0आई0, नहर, जेल, पुलिस विभाग, सबसीडियरी डिस्पैंरियां, भाहरी स्थानीय भाासन या स्वैच्छिक संस्थाओं के संस्थानों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों से भिन्न हैं।

ग्रामीण डिस्पैंसरियों में से कुछ में उपचार कार्य के अतिरिक्त, बीमारियों की रोकथाम के लिए अब कुछ

इनफरास्टरक्चर (Infrastucture) उपलब्ध किया जा रहा है तथा इन डिस्पैंसरियों को सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र का नाम दिया है।

अनुबन्ध – 2

भाग (ख)

जिले का नाम	अम्बाला		बिस्तरे
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	7		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, अम्बाला	200
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, नारायणगढ़	50
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, जगाधरी	25
	4	मुकन्द लाल राजकीय सामान्य अस्पताल, यमुना नगर	50

	5	राजकीय सामान्य अस्पताल, अम्बाला छावनी	56
	6	राजकीय सामान्य अस्पताल, कालका	25
	7	राजकीय सामान्य अस्पताल, छछरौली	10
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	13		
नाम	1	म्हिला डिस्पैंसरी, सढ़ौरा	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कलानौर	2

	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मोरनी	4
	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, कोट	2
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पंचकूला	4
	6	जिला क्षयरोग केन्द्र, अम्बाला	36
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भााहजादपुर	20
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, नूरपुर	2
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बराड़ा	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कलेसर	4
	11	राजकीय ग्रामीण	4

		डिस्पैंसरी, नाहरपुर	
	12	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, बलदेव नगर, अम्बाला भाहर	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, खेड़ा पावर हाउस, जगाधरी	4
नोटः– इनके अतिरिक्त हरियाणा एम0एल0ए0 फ्लैट होस्टल डिस्पैंसरी, चण्डीगढ़, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अम्बाला के प्र ाासनिक नियंत्रण में हैं।			
जिले का नाम	**भिवानी**		**बिस्तरे**
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	5		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, भिवानी	200

	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, लोहारू	25
	3	श्री सोहन लाल राजकीय सामान्य अस्पताल, दुराला	8
	4	राजकीय सामान्य अस्पताल, चरखी दादरी	50
	5	राजकीय सामान्य अस्पताल, तो ाम	25
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	23		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सिवाणी	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, चंग	2

	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, महुदानी	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, वीरन	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बहल	4
	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, नालवा	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अलखपुरा	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, उचीना	
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सुई	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, माधेगढ़	10
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, धनाना	4

	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मनहेरू	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तलवण्डी रूका	4
	14	मोबाइल डिस्पैंसरी, भिवानी	
	15	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दिनौंद	4
	16	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मानकवास	4
	17	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सन्तोखपुरा	4
	18	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सुहासरा	4
	19	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, छप्पर	4

	20	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भूशण	4
	21	टी0बी0ः क्लीनिक, लोहारू	8
	22	जिला टी0बी0ः नियंत्रण केन्द्र, भिवानी	25
	23	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, माई कलां	4
जिले का नाम	**गुड़गांव**	**बिस्तरे**	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	7		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, गुड़गांव	120
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, फिरोजपुर	25

		झिरका	
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, नूंह	25
	4	प्रसूति अस्पताल, हैली मण्डी	4
	5	राजकीय सामान्य अस्पताल, पलवल	30
	6	बी0के0 अस्पताल, फरीदाबाद	200
	7	राजकीय सामान्य अस्पताल, बल्लभगढ़	50
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	24		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, वीवन	4

	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बगरोला	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, उजीना	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, फिगवां	3
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तावाडू	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, सोहना	10
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मखपुरा	4
	8	जिला टी0बी0ः नियंत्रण केन्द्र, गुड़गांव	2
	9	स्कूल हैल्थ क्लीनिक, गुड़गांव	
	10	मोबाईल डिस्पैंसरी,	

		नूंह	
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तिगांव	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सूलपुर	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, धोज	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सुलहेरा	4
	15	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तपा–बिलोचपुर	4
	16	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, होडल	8
	17	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, हथीन	4
	18	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अनंगपुर	4

	19	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मोहना	4
	20	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पल्ला	4
	21	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, सैक्टर–7, फरीदाबाद	4
	22	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कटेसरा	4
	23	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अमरपुर	4
	24	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पुनहेड़ा खुर्द	4
नोटः– इनके अतिरिक्त हरियाणा हरियाणा भवन डिस्पैंसरी, नई दिल्ली, मुख्य चिकित्सा अधिकारी गुड़गांव के प्र ाासनिक नियंत्रण में हैं।			
जिले का नाम	**हिसार**	**बिस्तरे**	

सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	6		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, हिसार	200
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, हांसी	50
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, फतेहाबाद	50
	4	राजकीय सामान्य अस्पताल, आदमपुर	10
	5	राजकीय सामान्य अस्पताल, टोहाना	50
	6	टी0 बी0 अस्पताल, हिसार	25
सिविल (सार्वजनिक	21		

राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या			
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, उकलाना	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बालसमन्द	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बड़ोपल	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बास	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अग्रोहा	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, बंगरान	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दौलतपुर	4
	8	राजकीय ग्रामीण	4

		डिस्पैंसरी, सामैन	
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बोथन कलां	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कैमरी	4
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मामुपुर	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दाता	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पिरथला	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मयोद कलां	4
	15	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, चुली बागड़ियां	4

	16	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, हसनगढ़	4
	17	टी0बी0 कलीनिक, टोहाना	8
	18	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कुला	4
	19	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, पुट्ठी सामन	4
	20	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, पाबरा	4
	21	सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र, पुट्ठी मंगल खां	4
जिले का नाम	**सिरसा**	**बिस्तरे**	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	2		

नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, सिरसा	100
	2	राजकीय सामान्य तथा प्रसूति अस्पताल, मंडी डबवाली	28
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	9		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, चोटाला	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, रोड़ी	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, ऐलनाबाद	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कलांवाली	4

	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दड़बां कलां	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, दड़वी	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, देसू जोधा	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, गौरी वाला	4
	9	जैयना देवी भाहरी डिस्पैंसरी, ऐलनाबाद	11
जिले का नाम	**जीन्द**	**बिस्तरे**	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	3		

नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, जीन्द	50
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, नरवाना	50
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, सफीदों	25
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	8		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बालू	
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, छत्तर	
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दातरथ	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी,	4

		जयजयवन्ती	
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बाटा	4
	6	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, उचाना	7
	7	जिला टी0बी0 केन्द्र, जीन्द	
जिले का नाम	**करनाल**	**बिस्तरे**	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	2		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, करनाल	200
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, पानीपत	50
सिविल (सार्वजनिक	10		

राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या			
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मधुबन	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, जुण्डला	2
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, तरावड़ी	4
	4	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, नौलथा	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मडलोडा	4
	6	महिला आश्रम डिस्पैंसरी, करनाल	
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कुंजपुरा	2
	8	फस्ट एड पोसट कम डिस्पैंसरी, उचाना	

		लेक	
	9	स्कूल हैल्थ क्लीनिक, करनाल	
	10	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, करनाल	22
जिले का नाम	**कुरुक्षेत्र**	**बिस्तरे**	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	4		
नाम	1	लेकनायक जे0पी सामान्य अस्पताल, कुरुक्षेत्र	50
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, भााहबाद	25
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, कैथल	73

	4	प्रसूति अस्पताल, रादौरा	14
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	11		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बबैन	4
	2	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, कुरुक्षेत्र	
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, ठसका मीरांजी	4
	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, लाडवा	8
	5	राजकीय भाहारी डिस्पैंसरी, पुण्डरी	12

	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पिपली	2
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, थानेसर	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भागुल	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, इसमाईलाबाद	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अलाहर	
जिले का नाम	**महेन्द्रगढ़**	**बिस्तरे**	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	3		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, नारनौल	100

	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, महेन्द्रगढ़	25
	3	राजकीय सामान्य अस्पताल, रिवाड़ी	50
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	17		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भौजावास	2
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बालका कलां	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सिरोही बोली	4
	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, सेहमा	

	5	जिला टी0बी0 नियंत्रण केन्द्र, नारनौल	16
	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, धनाजीनाबाद	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, जाटूसाना	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मीरपुर	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, दारूहेड़ा	2
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बुधबाल	6
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, रामपुर	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, अन्तड़ी	4

	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बासडौडा	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, टंकरी	4
	15	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बयाल	4
	16	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, फतेहपुरी	4
	17	मोबाईल डिस्पैंसरी, नारनौल	
जिले का नाम	**रोहतक**	**बिस्तरे**	
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या	7		
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, रोहतक	85

	2	कमला नेहरू अस्पताल, बहादुरगढ़	25
	3	इनफरवरी महिला आश्रम हस्पताल, रोहतक	10
	4	राजकीय सामान्य अस्पताल, झज्जर	25
	5	मैडीकल कालेज अस्पताल, रोहतक	1074
	6	चितरंजन दास मोबाईल अस्पताल, रोहतक	50
	7	राजकीय सामान्य अस्पताल, बेरी	48
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	16		

नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सांधी	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मातनहेल	2
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मछरौली	4
	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, डुजाना	8
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भालौट	4
	6	मडहट कालौनी डिस्पैंसरी, रोहतक	
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सिवाणी	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बीरोहर	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, महम	8

	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, गुरावर	4
	11	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भम्बेबा	4
	12	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कलानौर	4
	13	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, कौसली	4
	14	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, छुड़ानी	4
	15	जिला टी0बी0 क्लीनिक केन्द्र, रोहतक	
	16	मोबाईल ओपथेमीलोजी क्लीनिक, रोहतक	
जिले का नाम	**सोनीपत**	**बिस्तरे**	
सिविल	2		

(सार्वजनिक राजकीय) हस्पतालों की संख्या			
नाम	1	राजकीय सामान्य अस्पताल, सोनीपत	50
	2	राजकीय सामान्य अस्पताल, मोहाना	25
सिविल (सार्वजनिक राजकीय) डिस्पैंसरियों की संख्या	10		
नाम	1	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, डबेटा	4
	2	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मुरथल	4
	3	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, फरमाना	4

	4	राजकीय भाहरी डिस्पैंसरी, जाखौली	4
	5	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, पुरखास	4
	6	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बुटाना	4
	7	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, बिडलान	4
	8	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, भुटाना जफराबाद	4
	9	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, मोई माजरी	4
	10	राजकीय ग्रामीण डिस्पैंसरी, सीवणमल	4

नोटः– हरियाणा सरकार ने अपनी यादी क्रमांक 6913–1एच0बी0 1–76/21161 दिनांक 30–6–76 में सिविल

अस्पतालों तथा सिविल/रूरल डिस्पैंसरियों के नाम राजकीय सामान्य अस्पतालों तथा राजकीय भाहरी/ग्रामीण डिस्पैंसरियों में बदल दिए हैं और यह संस्थान जैसे ऊपर वर्णन किया गया है। अन्य प्रकार के अस्पतालों/डिस्पैंसरियों जैसे कि ई0एस0आई0, नहर, जेल, पुलिस विभाग, सबसीडियरी डिस्पैंरियां, भाहरी स्थानीय भाासन या स्वैच्छिक संस्थाओं के संस्थानों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों से भिन्न हैं।

ग्रामीण डिस्पैंसरियों में से कुछ में उपचार कार्य के अतिरिक्त, बीमारियों की रोकथाम के लिए अब कुछ इनफरास्टरक्चर (Infrastucture) उपलब्ध किया जा रहा है तथा इन डिस्पैंसरियों को सबसीडियरी स्वास्थ्य केन्द्र का नाम दिया है।

Loans from Financial Corporation to Industrial Units

***353. Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Chief Minister bje pleased to state-

(a) the district wise number and names of Industiral Units in the State, which got loans from the Haryana Financial Corporation during the period from 1966-67 to 1979-80 (to date) together with rate of interest in ease, separately; and

(b) the district wise number and names of Industrial Units in the State, as referred to in part (a) above, which are defaulters together with the amount of loans given, amount in

default and the action; if any, so far taken for recovery of the same in each case, separately ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वांछित सूचना एकत्रित करने में जितना समय और परिश्रम लगेगा उसके मुकाबले में लाभ कम होगा।

Industrial Units and Industrial Cooperative Societies

***354. Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Chief Minister bje pleased to state-

(a) the district wise number and names of Industiral Units in the State, which got loans from the Haryana Financial Corporation during the period from 1966-67 to 1979-80 (to date) together with rate of interest in ease, separately; and

(b) the district wise number and names of Industrial Units in the State, as referred to in part (a) above, which are defaulters together with the amount of loans given, amount in default and the action; if any, so far taken for recovery of the same in each case, separately ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हरियाणा खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने वर्श 1966–67 से 1979–80 तक लगभग 9700 इकाईयों/औद्योगिक सहकारी समितियों को वित्तीय सहायता दी है। इकाई/औद्योगिक

सहकारी समितिवार सूचना एकत्रित करने में जितना समय तथा परिश्रम लगेगा उसके मुकाबले में लाभ कम होगा।

(ख) ऋण लौटाने में दोशी इकाईयों/औद्योगिक सहकारी समितियों की संख्या 767 है और उनके जिम्मे 49.91 लाख रुपये बकाया हैं। जिलेवार विवरण परिि ाश्ट "क" में दिया गया है। इस रा ि ा की वसूली के लिये कार्यवाही की जा रही है। इकाई/औद्योगिक सहकारी समितिवार सूचना एकत्रित करने में जितना समय तथा परिश्रम लगेगा उसके मुकाबले में लाभ कम होगा।

परिि ाश्ट "क"

क्रम संख्या	जिला का नाम	इकाईयों की संख्या	रा ि ा (रुपयों में)
1	अम्बाला	107	11,30,921.74
2	कुरुक्षेत्र	53	3,01,155.32
3	करनाल	83	5,46,847.14
4	जीन्द	25	1,48,192.23
5	रोहतक	39'	3,63,756.64

6	सोनीपत	37	2,64,759.50
7	गुड़गांव	72	3,01,951.80
8	फरीदाबाद	4	19,957.50
9	भिवानी	51	3,73,600.84
10	हिसार	145	7,83,345.12
11	सिरसा	73	5,01,484.18
12	महेन्द्रगढ़	78	2,54,589.29
	जोड़	767	49,90,561.30

Agricultural in the possession of Rehabilitation Department

355. Chaudhri Ram Lal Wadhwa; Will the Minister for Agriculture be please to state-

(a) the district-wise acreage of Agricultural land in possesson of the Rehabilitation Department in the State on 31-3-1977 and 29-2-1980, separately; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to dispose of the land as reffered to in plart (a) above in the State; if so, the details

thereof togetherwith the date/dates by which the aforesaid land is likely to be disposed of ?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

(क) पुर्नवास विभाग के पास दिनांक 31–3–77 तथा 29–2–1980 को निपटान के लिए उपलबध ग्रामीण/ ाहरी मतरूका कृशि भूमि का जिलावार विवरण संलग्न अनुबन्ध 'ए' तथा 'बी' में अलग अलग दिया गया है।

(ख) ग्रामीण/ ाहरी मतरूका भूति का निपटान सिका उल्लेख ऊपर पैरा 'क' में किया गया है, विभागीय नियमों/अनुदे ाों तथा डिसपलेस्ड परसन्ज (कम्पनसै ान एण्ड रिहेबलीटे ान) एक्ट, 1954 की प्रोवीजन्ज के अनुसार किया जा रहा है, जिनका विस्तृत ब्यौरा अनुबन्ध 'सी' में दिया गया है। क्योंकि मतरूका भूमि की खोज/निपटान एक लगातार विधि है और इसके लिए विभिन्ना स्तरों पर व्यवहारिक औपचारिकताओं की आव यकता है। इसलिए कोई नि चल तिथि/तिथियां नहीं दी जा सकती, जिसि तक सारी भूमि का निपटान सम्भव हो सके।

ANNEXURE-A

Statement showing district-wise details of Agricultural Evacuee Lands available on 31-3-1977

Name of	RURAL	URBAN

Distt.					
	Cultivated in Standard Acres	Banjar in Ordinary Acres	Ghair Mumkin in Ordinary Acres	Pure Evacuee in Ordinary Acres	Ghair Mumkin in Ordinary Acres
Ambala	766	559	1760	144	
Kurukshetra	384	61	68	259	
Karnal	1359	1177	298	20	
Gurgaon	318	342	587	66	52
Bhiwani	566	363	101	2	
Hissar	1311	46	1166	125	
Rohtak	191	558	1347	20	27
Sonepat	127	46	493	1	3
Jind	62	3	20		
Sirsa					
Narnaul	19	7	127	42	
G. Total	5003	3162	5967	679	82

ANNEXURE-B

Statement showing district-wise details of Agricultural Evacuee Lands available on 29-2-1980

Name of Distt.	RURAL			URBAN	
	Cultivated in Standard Acres	Banjar in Ordinary Acres	Ghair Mumkin in Ordinary Acres	Pure Evacuee in Ordinary Acres	Ghair Mumkin in Ordinary Acres
Ambala	785	433	1589	137	
Kurukshetra	344	106	671	55	
Karnal	657	169	136		
Gurgaon	330	168	575	40	40
Bhiwani	393	151	228		
Hissar	604	71	852	61	
Rohtak	58	20	40	18	
Sonepat	132	93	288	12	
Jind	60	37	20		
Sirsa	53	19	49	2	
Narnaul	6	7	66	22	

G. Total	3452	1274	4514	347	40

ANNEXURE-C

Details for the disposal of Evacuee Land

These lands are being disposed of by:-

(i) allotment to unsatisfied claimants from West Pakistan;

(ii) transfer at fixed to tenants/occupants since Kharif, 1960;

(iii) by negotitation to Government Department/institutions if required by them for Public purposes; and

(iv) in restricted auction to the member of Scheduled Castes except the followingh categories which are sold in open acution:

(a) Lands retrieved by the Directory organization set up by the State Rehabilitation Department of security/preparation of accout of each land allottee;

(b) Lands already sold but sale of which has been set aside by competent authority;

(c) lands which are suburdan, potential, residential or commercial sites or in the garden colonies; and

(d) small fragments of land not exceeding one acre surrounded by holdings of owners who are not members of Scheduled Castes.

Each Harijan family is allowed to purchase the rural evacuee land upto 5 Standard Acres including his own holdings, if any. The earnest money of 12½% is recovered from them at the fall of hammer and the balance price i.e. 87½% in 15 equal half yearly instalments bearing no interest. Recovery starts from the first harvest falling after the expiry of one year from the date of delivery of possession of the land.

The Harijans who are in continuous cultivating possession of the rural evacuee agricultural land from kharif, 1960, or earlier, are entitled to purchase such lands by transfer upto 5 standard acres including their own holding, if any, at the concessional price of Rs. 2500/- per standard acre whereas for others the rates are 5000/- for the first two standard acres and Rs. 5200/- for the next three standard acres.

Urban evacuee agricultural lands are being disposed of by and large in open auction in accordance with the provisions of the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954, Rules framed thereunder and the instructions issued by the Government form time to time.

Mini-Buses

337. Shri Bhagi Ram; Will the Minister for Transport be pleased to state whether it is a fact that five Mini

Buses have been allotted to the Haryana Roadways Depot at Sirsa; if so, the reasons therefor together with the routs on which these are plying at present ?

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ): जी नहीं।

Declaration of Ellenabad as Sub-Tehsil

338. Shri Bhari Ram: Will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to declare Ellenabad as Sub-tehsil in District Sirsa; if so, the time by which it is likely to be declared as such ?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह): मामला सरकार के विचाराधीन है। अन्तिम निर्णय कब तक लिया जाएगा, इस बारे समय नहीं बताया जा सकता।

Facility of Drinking Water

349 Shri Fateh Chand Vij, Master Shiv Parshad: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the district-wise name of villages where drinking water has been provided in the State during the period from 1-4-1978 to 31-3-1979 and from 1-4-1979 to 31-1-1980 in the State; and

(b) the district-wise names of villages proposed to be supplied drinking water during the period from 1-2-1980 to 31-3-1980 ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

(क) 1. 1—4—1978 से 31—3—1979 तक जिलावार गांवों के नाम जहां पेय जल सुविधा प्रदान की गई है।

जिले का नाम		गांव का नाम		गांव का नाम	
1	अम्बाला	1	मानक ताबारा	2	बटवाल
		3	धनधारू	4	अमराला
		5	कजामपुर	6	खतोली
		7	सुखद निपुर	8	जोहलूवाल
		9	चरनिया	10	कर्णपुर

		11	किरतपुर	12	गरीरान
		13	हंगोली	14	हंगोला
		15	समानवा	16	बगवाली
		17	बगवाला	18	थरवा
		19	भााहजहांपुर	20	हरोली
		21	सामलहेरी	22	धनाना
		23	गोबिन्दपुर	24	तसरोली
		25	तसरोला	26	मकन्दपुर
		27	रसीदपुर	28	भगवानपुर
		29	औरीया	30	मानका
		31	रामपुर सरी	32	बाना मदनपुर
		33	मियांपुर	34	मुगल माजरा
		35	छिछि माजरा	36	फिरोजपुर
		37	कथमाजरा	38	माजरी
		39	इंगो माजरा	40	दोधाली

2	भिवानी	41	सिवाना माजरा	42	तालू
		43	पालावास	44	कलावास
		45	बदराई	46	नागल माला
3	फरीदाबाद	47	कैलगांव	48	खण्डवाली
		49	जाजरू		
4	गुड़गांव	50	अकबरपुर नातुल	51	पंडरी
		52	किरा	53	अल्दुका
		54	छछेरा	55	बजरका
		56	छापरा	57	गढ़ी हरसू
		58	लाखूवास	59	कमन्दा
		60	जोतिका	61	फिरोजोधर
5	हिसार	62	बाधावर	63	धाद
		64	नारनौद	65	हाजमपुर
		66	बदचा पर	67	मोहला
		68	बियाना खेरा	69	हेबातपरु

		70	गमरा	71	जालोपुर
		72	दादुपुर		
6	जीन्द	73	फतेहगढ़		
7	करनाल	74	पट्टी कलयाना		
8	महेन्द्रगढ़	75	पवनर	76	खुर्मपुर
		77	जेतपुर	78	मंगल उगरा
		79	मंगल तारा	80	रधुनाथ पुरा
		81	रामसी माजरा	82	निखरी
		83	माजरी दोदा	84	संगवारी
		85	बुधाला	86	लाढूवास गुज्जर
		87	दरियावास	88	माजरा गुरदास
		89	दोवाना	90	भाहाजपुर खालसा
		91	पदनीवास	92	धालीवास

		93	पिथरवास	94	लूडाना
		95	मुकन्दपुर	96	गढ़ी
		97	सदूवास	98	बलानी
		99	गुरावारा	100	गगूंहा जट
		101	तेहला	102	मुकन्दपुर
		103	दुचाना	104	बादोपुर
		105	अरोद	106	मोरी
		107	गोमला	108	ऊंचा
		109	नंगल जमालपुर		
9	रोहतक	110	मदीना गिदराना	111	मदीना कोरसन
		112	सुबाना	113	गढ़ी
10	सिरसा	114	मिठी सुरेरा	115	खारी सुरेरा
		116	आसा खेरा	117	तेजा खेरा
		118	भारू खेरा	119	सुखरनवाला
		120	जन्दवाला	121	अबूब भाहर

			सिनोईन		
		122	सकतेा खेरा	123	आलीका
		124	मसतीयां	125	डबवाली
		126	खेवाली	127	आनन्दगढ़
		128	चकरीयां	129	रोहनवाली
11	सोनीपत	130	जखोली		
(2) 1–4–79 से 31–1–80 तक जिलावार गांवों के नाम जहां पेय जल सुविधा प्रदान की गई।					
अम्बाला		1	भैरों की सैर	2	रतपुर
		3	अबदूलपुर	4	राजीपुर झाजरा
		5	भवाना उपरला	6	दमदमा
		7	भोगपुर जंगी	8	पिंजौर
		9	रामपुर जंगी	10	काना उपरला
		11	खेरा	12	नानकपुर
		13	रामनगर	14	मल्ला

		15	नन्दपुर	16	किदारपुर
		17	प्योरवाला	18	धान्दरु
		19	फिरोजपुर	20	भोगपुर
		21	बेरपुर	22	गढ़ी कोटहा
		23	रोहना	24	देबर
		25	सुलतानपुर		
भिवानी		26	मन्धाना	27	बलयाली
		28	बदेसरा		
फरीदाबाद		29	मदनाका	30	जैनपुर
		31	मदालपुर	32	भाामपुरा
		33	करनेरा	34	खेरोका
		35	पुथली	36	अलूंका
		37	जनचौली	38	बिचपुरी
		39	सनपालकी		
गुड़गांव		40	भौंडसी	41	सिलानी

		42	सनचौली	43	झरसा
		44	उलेठा	45	हलालपुर
		46	रोओका	47	हसनपुर सोहना
		48	कालीका	49	खलीलपुर
		50	माहूवास	51	भिरवाली
		52	गुड़गांव		
हिसार		53	दरयापुर	54	जांडली कलां
		55	जांडली खुर्द	56	डिंगसारा
		57	मनावाली	58	सिरधन
		59	चन्द्रावाल	60	खाजौरी जटीं
		61	बुरक	62	कुतिया खेरी
		63	तेलांवाली	64	बन्दहेरी
		65	चौधरीवाली	66	घुरसाल
जीन्द		67	बाटा		
करनाल		68	निसंग		

कुरुक्षेत्र	69	उमरी	70	पबनावा
महेन्द्रगढ	71	चिलरू	72	नौलजा
	73	धोलेरा	74	अमरपुर जौरसी
	75	दनचौली	76	करौली
	77	भोखपुर ि ाकारपुर	78	राजपुरा खालसा
	79	कि ानगढ़	80	बालावास जामनपुर
	81	नंगल रनमोखी	82	खेरी आलमपुर
	83	चन्दा वास	84	कसौला
	85	कतलाना खातुवास	86	पोटी
	87	खेरी मोटला	88	रामबास
	89	बागीपुर	90	घेरलुवास
	91	बाकोपुर	92	कसौली

रोहतक	93	असदपुर खेरा	94	कोका
	95	कुलाना		
सिरसा	96	खेरिया	97	दुखेरा
(ख) (1) 1–2–80 से 29–2–80 तक जिलावार गांवों के नाम जहां पेय जल सुविधा प्रदान की गई।				
अम्बाला	1	भााहपुर	2	गोरखनाथपुर
	3	सितोमाजरा	4	नवाना नगर
	5	खोखरा	6	लेहरू नदी
	7	मोरनवाला (मोरांवाला)	8	सुन्दर पुर
	9	कामी		
भिवानी	10	बरसी	11	हरीता
	12	भेरी	13	बड़ा ब्राह्मणा
	14	बड़ा रंगरां		
गुड़गावां	15	गोपालपुर		
हिसार	16	पाबरा	17	किनाला

	18	कानोह	19	फरीदपुर
जीन्द	20	अलेवा	21	धतरात
रोहतक	22	बादसा	23	मुंडाखेरा
	24	इसमेलपुर	25	अहीर

(2) मास मार्च, 1980 में विभिन्न जिलों के सम्भवतया 68 गांवों में पेय जल सुविधा प्रदान की जायेगी ? इस समय के नाम तथा जिलावार ब्यौरा नि चत रूप से नहीं बताया जा सकता क्योंकि जल वितरण सामग्री जैसे कि पाईप, सीमेंट, म ीनरी, बिजली के कनैक ान तथा नहरी पानी के उपलब्ध होने पर निर्भर करता है।

भाोक प्रस्ताव

15.00 बजे

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं श्री सी0एम0 त्रिवेदी जी के निधन पर एक भाोक प्रस्ताव पे ा करता हूं।

यह सदन भूतपूर्व राज्यपाल श्री सी0एम0 त्रिवेदी के 14 मार्च 1980 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री सी0एम0 त्रिवेदी का जन्म 2 जुलाई 1893 को हुआ। उन्होंने बम्बई तथा आक्सफोर्ड में ि ाक्षा प्राप्त की। वह 1917 में इण्डियन सिविल सर्विस के लिये चुने गये। विभिन्न पदों पर कार्य करने के प चात उन्होंने 1937 से 1942 तक तत्कालीन केन्द्रीय प्रान्तों एवं बराड़ की सरकार के मुख्य सचिव के पद का दायित्व निभाया। जुलाई, 1942 से जनवरी 1946 तक उन्होंने भारत सरकार के 'युद्ध विभाग' (वार डिपार्टमैंट) में सचिव के पद पर कार्य किया।

श्री त्रिवेदी ने उड़ीसा, पंजाब तथा आन्ध्र प्रदे ा के राज्यपाल पदोां को भी सु ाोभित किया। वह आयोजना आयोग के सदस्य भी रहे।

श्री त्रिवेदी को कई सम्मानों से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्श 1931 में ओ0बी0आई0, 1935 में सी0आई0ई0 और दिसम्बर 1945 में के0सी0एस0आई0 से सम्मानित किया गया वर्श 1956 में पद्मभूशण से अलंकृत किया गया।

श्री त्रिवेदी के निधन से दे ा एक कु ाल प्र ाासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन भाोक ग्रसत परिवार के सदस्यों से अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री मूल चन्द जैन (सम्भालका): स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने जो भाोक प्रस्ताव पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। श्री त्रिवेदी के साथ मेरा भी

और मैं समझता हूं कि इस हाउस के और कई माननीय सदस्यगण का निजी संबंध रहा है। जब वे पूर्वी पंजाब के गवर्नर थे तो उसने मेरी कई दफा मुलाकात होती थी। श्री त्रिवेदी बहुत लायक आई0सी0एस0 अफसरों में से थे। वे न सिर्फ बहुत इन्टैलीजैंट थे बल्कि बहुत बड़े दे ा भक्त भी थे। यह उनके लिये भी और हमारे लिये भी कितने गर्व की बात है कि ब्रिटि ा राज के जमाने में भी उनको मुख्तलिफ मौकों पर सम्मानित किया। वास्तव में ऊंचे सरकारी कर्मचारियों में वे बहुत ही ऊंचा दर्जा रखते थे। ऐसे व्यक्ति के निधन पर कुदरती तौर पर यह हाउस इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास करेगा।

डा0 मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किया है प्रतिपक्ष के नेता ने उसका अनुमोदन किया है। मैं भी अपने दल की और से उसके बारे में कुछ भाब्द कहना चाहता हूं। मैं 1957 में जब पहली बार पंजाब विधान सभा में चुन कर आया तो मेरे आने से पहले वे वहां पर राज्यपाल नियुक्त थे। मैंने उस वक्त उनके द र्ान किये थे। स्पीकर साहब, यह बात बिल्कुल ठीक है कि उन्होंने ब्रिटि ा भाासन काल में एक योग्य प्र ाासन अधिकारी के दायित्व का निर्वाहन करते हुए उस समय की सरकार की प्र ांसा प्राप्त की और फिर स्वाधीनता के बाद इस प्रदे ा में राज्यपाल के नाते बड़ी कु ालता से काम किया। जबकि उस समय बंटवारे के कारण लाखों आदमी बेघरबार थे और सरकार पर कार्य का बहुत बोझा

था उस समय उन्होनें मंत्रिपरिशद का भलीभांति मार्गद र्शन करते हुए इस प्रदे ा की सेवा की। 1975 में गुजरात में, जहां के एक छोटे से कस्बे के वे रहने वाले थे, मैं भी एक राजनीतिक कार्यकर्ता होने के नाते गया था। वहां जाकर मुझे पता लगा कि त्रिवेदी जी यहां रहते हैं। मैं वहां उनके द र्शनों के लिए गया। जब मैंने उनको अपना परिचय करवाया तो मुझे पास बैठा कर उन्होंने प्रदे ा की जनता के बारे में और प्रदे ा के विकास के बोर में बड़ी रूचि से पूछा। उनके निधन से हमें बहुत दुःख है लेकिन विधाता का निर्णय अटल है। आने वाले ने एक दिन जरूर जाना है। फिर भी एक अच्छे प्र ाासक और अच्छे भारत माता के सपूत के जाने से दुःख होना स्वाभाविक है। इन भाब्दों के साथ मैं इस प्रस्ताव का एक बार फिर समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री अध्यक्षः मैंम्बर साहेबान, इसमें कोई भाक नहीं कि श्री सी0एम0 त्रिवेदी जी ने अंग्रेजों के जमाने में भी और आजादी मिलने के बाद भी इस दे ा की बहुत सेवा की है। वे बहुत महान व्यक्ति थे। जब मैं पहली दफा फौज में सन् 1943 में भरती हुआ तो उस समय मैं कागजों पर सी0एम0 त्रिवेदी, सैक्रेटरी, मिनिस्टरी आफ डिफैंस का नाम पढ़ता था। उसे पढ़कर हमारा बहुत उत्साह बढ़ता था और हम सोचा करते थे कि हमारा हिन्दुस्तानी भाई भी इतने ऊंचे पद पर है। उनके निधन पर जो हाउस में फीलिंग्ज जाहिर की गई हैं। मैं भी उनके साथ अपने आप को भामिल करता

हूं और यह मेरी डियूटी है कि जो हाउस की फीलिंग्ज हैं उनको मैं उनकी फैमिली तक पहुंचाऊ। अब मैं हाउस से रिकवैस्ट करूंगा कि उनकी याद में दो मिनट के लिये खड़े होकर मौन धारण करें।

(इस समय दिवंगत आत्मा के सम्मान में सदन ने खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

पार्लियामैंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में अंधे व्यक्तियों पर अभिकथित लाठी चार्ज सम्बंधी चर्चा

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, कल अन्धों के ऊपर लाठियां चलाई गई जिनको दिखता भी नहीं है। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। डा0 साहब जो अन्धों वाली बात कर रहे हैं यह दिल्ली का मामला है और हरियाणा असैम्बली में इसका जिक्र नहीं हो सकता। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, वे अन्धे हरियाणा के थे और उनको पीटा गया (ाोर) कल दिल्ली में जो अंधों पर लाठी चार्ज हुआ

* * * * * * *

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर हरियाणा प्रान्त के बारे में कोई बात है तो ये आपको उसके बारे में नोटिस दें। अध्यक्ष महोदय, जो माननीय सदस्य बगैर आपकी इजाजत के बोल रहे हैं वह रिकार्ड नहीं होन चाहिए ..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैर जो कुछ बोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं विघ्न)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, रूल 84 का नोटिस मैं आपकी सेवा में * * * * * * * (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी गंगा राम जी, जो कुछ भी आप बोल रहे हैं यह रिकार्ड नहीं होगा। आपसे मेरे दो निवेदन है। एक तो जब मैं खड़ा हूं, आप कृपा करके बैठ जाएं। दूसरे आप अपना वाल्यूम वाला बटन थोड़ा नीचा रखें। साहेबान जो मुख्य मंत्री जी ने एक प्वांयट आफ आर्डर रेज किया है उसके ऊपर मेरा फैसला यह है कि जो ला एण्ड आर्डर की प्रौब्लम हरियाणा स्टेट से बाहर है उसका इस असैम्बली से कोई सम्बन्ध नहीं है और न ही उस विशय पर अभी तक मेरे पास कोई नोटिस आया है। ज्यों ही मेरे पास इसके बारे में कोई नोटिस आएगा मैं उस पर फैसला कर दूंगा। (ाोर एवं विघ्न)

कामरेड भांकर लालः अध्यक्ष महोदय * * * * * * * (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैर जो कुछ भी बोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाए।

स्वामी अग्निवे ा, एम0एल0ए0 की अभिकथित गिरफ्तारी

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, कल फरीदाबाद में स्वामी अग्निवे ा को गिरफ्तार किया गया। (ाोर)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि जब हाउस चल रहा हो, उस समय कोई मैम्बर अगर हरियाणा के अन्दर गिरफ्तार किया जाता है तो उस मामले पर यहां सदन में बहस होगी या नहीं ?

श्री अध्यक्षः आप मुझे लिख करके दीजिए। उसका मैं आपको जवाब दे दूंगा।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। कुछ माननीय सदस्य यहां हाउ में गलत बयानी करते हैं, कि स्वामी अग्निवे ा जी को गिरफ्तार किया गया है। यह बात बिलकुल गलत है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, स्वामी अग्निवे ा जी कल फरीदाबाद में गये। वहां एक फैक्अरी के इर्द गिर्द 500 गज के दायरे में धारा 144 लगी हुई थी। उन्होंने वहां के वर्कर्ज को भड़काने की कोि ा ा की और कानून को अपने हाथ में लेने की कोि ा ा की। पुलिस ने उनको गिरफ्तार नहीं किया बल्कि उनके पास जाकर उनको समझाया और समझा कर उनको बाहर छोड़ दिया और किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की। उन्होंने गड़बड़ी करने की कोि ा ा इसलिए की ताकि उनका नाम अखबारों में आ जाएं और लेबर की * * * * कर सकें (ाोर एवं विघ्न)

Dr. Mangal Sein: Speaker Sahib, the Hon. Minister has said * * * * (Interruptions)

Mr. Speaker: Any thing which reflects on the conduct of the hon. Member will not be recorded. मैंबर साहेबान जब भी कोई हरियाणा विधान सभा का मैम्बर गिरफ्तार या डिटेन होता है तो उस सम्बन्ध में इन्टीमे ान स्पीकर के पास आती है। मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में मेरे पास अभी तक ऐसी कोई खबर नहीं आई है।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि उन्होंने * * * * * हासिल करने के लिए ऐसा किया है। यह ऐक्सपंज होना चाहिए ..... (ाोर)

Mr. Speaker: All right, Hon. Members this matter be now closed. (Interruptions)

चौधरी भजन लाः अध्यक्ष महोदय, उन्होंने धारा 144 तोड़ने की कोि ा ा की और पुलिस ने उनको समझा कर बाहर कर दिया। इसके अलावा और कोई किसी प्रकार की बात नहीं हुई। (ाोर एवं विघ्न)

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी एक इ ू हाउस के सामने आया कि एक सम्मानित सदस्य गिरफ्तार हुए हैं या नहीं। मेरी समझ में नहीं आता कि जब आपने बता दिया है कि आपके पास कोई ऐसी इत्तलाह नहीं आई है तो इस बात को बार बार क्यों चैंलेंज किया जा रहा है। (ाोर एंव विघ्न)

Mr. Speaker: No. This is not a challenge.

चौधरी हुकम सिंहः अध्यक्ष महोदय, डालिया सीमेंट फैक्टरी, चरख दादरी बंद है। दो तीन दिन से मजदूर लेबर कालोनी में सरकार के हुकम से पानी और बिजली बंद कर दी गयी है। उनके बच्चों की पढ़ाई खत्म हो गयी है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप इसका नोटिस दे दें। मैं इसके बारे में स्टडी करूंगा। अगर ऐडमिट होने के काबिल हुआ तो ऐडमिट कर लूंगा। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी राम लाल वधवा: आन ए प्वांयट आर्डर, सर, अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने बतलाया कि उनको गिरफ्तार नहीं किया गया। मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि गिरफ्तार करने में और उनको कस्टडी में रखने में क्या अन्तर है ? (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मैंने यह नहीं कहा कि उनको थाने में रखा गया। मैंने तो यह कहा है कि उन्होंने धारा 144 को तोड़ने की कोि ा ा की थी।

Mr. Speaker: There is no point of order involved in it.

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, मैंने तो यह कहा है कि उनको गिरफ्तार करने में और कस्टडी में रखने में क्या अन्तर हैं (ाोर)

श्री अध्यक्ष: साहेबान, प्वांयट आफ आर्डर से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है कि गिरफ्तार हुआ या उसको पकड़ कर कहीं ले गए। This is a matter of law and I know least about law. If there is any point of order conderning the Rules of the House I can give my ruling on that. फरीदाबाद में चूंकि कोई गिरफ्तार नहीं हुआ इसलिए मैम्बर साहब ने जो यह पूछा कि What is the difference between arrest and keeping in police custody, has got nothing to do with these Rules and, as such no point o order is involved. मैं तो सिर्फ इतना जानता हूं कि अगर कोई

मैम्बर गिरफ्तार होता है तो स्पीकर के पास डायरैक्ट एस0पी0 या एस0एच0ओ0 से सबसे पहले खबर आनी चाहिए। लेकिन मेरे पास इस सम्बन्ध में ऐसी कोई सूचना अभी तक नहीं आई है। इससे मैं यही अन्दाजा लगाता हूं कि कोई गिरफ्तार नहीं हुआ। अगर इसमें मुझे कोई गलती मिलेगी तो I will recommend that strictest action may be taken against the concerned police officer.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपसे बड़े अदब से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आपने बिलकुल बजा फरमाया। स्पीकर साहब, आप हमारे इस हाउस के कस्टोडियन हैं। इस हाउस की प्रिविलेज को आपने कायम रखना है। मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि अगर हम में से किसी को पुलिए 4 घंटे या 5 घंटे कस्टडी में रखे तो यह अरैस्ट है या नहीं ?

श्री अध्यक्षः अगर कोई मैम्बर यह समझता हूं कि उसके साथ किसी किस्म की ज्यादती हुई है तो he is welcome to make a complaint to me directly or if he is not in a position to write a complaint to me some other member may do so on his behalf. I must get it in writing and I will then get the facts confirmed, get a report and thereafter give a decision, if any, required in the matter.

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय मैं सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विशय की ओर आकर्शित करना चाहता हूं। मार्किटिंग बोर्ड के * * * * * * * *

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह भी रिकार्ड नहीं होना चाहिए। हाउस में डैकोरम और कायद से बात होनी चाहिए। (व्यवधान)

Mr. Speaker: It should not be recorded. (Interruptions)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री साहब ने ठीक कहा है कि हाउस में डैकोरम होना चाहिए। (व्यवधान) स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। मान लो हरियाणा के ऐम्पलाईज का डैपुटे ान, फार्मर्ज का डैपुटे ान, अंधों को डैपुटे ान यानी किसी भी वर्ग का डैपुटे ान, अगर हरियाणा से बाहर जाकर, पंजाब की राजधानी में, राजस्थान की राजधानी में या दिल्ली की राजधानी में अनी मांगें मनवाने के लिए ऐजीटे ान करता है और उन पर यहां लाठी चार्ज हो तो क्या ऐसा मामला हरियाणा विधान सभा में नहीं उठाया जा सकता है ? इस पर मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नही उठा सकते। अगर हरियाणा की टैरिटरी के बाहर ऐक्ा ान होता है, किसी दूसरी ऐडमिनिस्ट्र ान के तहत दूसरी पुलिस द्वारा अगर ऐक्ा ान लिया जाता है, तो उसका हरियाणा विधान सभा के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है।

श्रीमती डा0 कमला वर्माः स्पीकर साहब, क्या किसी दूसरी गवर्नमैंट को ऐक्ा ान लेने के लिए हमारी सरकार नहीं कह सकती ? (व्यवधान एवं भाोर)

Mr. Speaker: That matter is closed. I have given about half an hour on this point.

ध्यानाकर्शण सूचना–

आमतौर पर राज्य के सूखा क्षेत्रों तथा वि ोशतया मेहम के 15 गांवों में तालाबों में पानी सूखने सम्बंधी

श्री अध्यक्षः मुझे श्री हरस्वरूप बूरा, एम0एल0ए0 की तरफ से, स्टेट के ड्राई एरिया में आम तौर पर और मेहम क्षेत्र के 15 गांवों में वि ोशतया जोहड़ों में पानी सूखने के बारे में काल अटैन् ान नोटिस मिला है। मैं इसको मन्जूर करता हूं। माननीय सदस्य अपना नोटिस पढ़ दें।

चौधरी हरस्वरूप बूराः स्पीकर साहब, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्याधिक सार्वजनिक महत्व तथा हाल ही में घटित विशय की ओर दिलाना चाहता हूं कि मेहम क्षेत्र के 15 गांवों में वि ोशतया तथा आमतौर पर हरियाणा के खु क क्षेत्रों में जहां नहरें कम हैं या तो तालाब सूख गए हैं या सूखने जा रहे हैं। यद्यपि ग्रीश्म मौसम अभी भाुरू भी नहीं हुआ है लेकिन वर्शा न होने के कारण तथा नहरें कम चलने की वजह से तालाबों में पानी नहीं रहा। प ु बीमार होने लग गए हैं तथा मरने भी लगे हैं। स्थिति वहां पर और भी गम्भीर है जहां बहुत खु क क्षेत्र हैं।

मेरी सरकार से पुरजोर प्रार्थना है कि तालाबों को भरने के लिए तथा हर दूसरे महीने में एक सप्ताह नहरें, डिस्ट्रीब्यूट्रीज तथा रजबाहे आदि वि ोशतया इसी काम के लिये अधिक चलाई जावें ताकि प ाु रखने वालों को बर्बादी से बचाया जा सके।

मैं चाहूंगा कि सरकार इसी सत्र के दौरान अपना वक्तव्य देने की कृपा करें।

श्री अध्यक्षः क्या सिंचाई तथा बिजली मंत्री इसका अभी जवाब देना चाहेंगे या बाद में ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): मैं इसका परसों जवाब दूंगा।

वाकआउट

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, एस0वाईएल0 का मामला और हथनी कुंड का मामला विधान सभा में उठाया गया है और ये दोनों ही जगहें हरियाणा की सीमा के बाहर हैं। ये दोनों ही मामले आपने एडमिट किए हैं। दिल्ली में जो लाठी चार्ज हुआ है, वह भी ऐसा ही मामला है, इसको आप क्यों एडमिट नहीं करते ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): ये मामले हरियाणा के बाहर के मामले नहीं हैं, अन्दर के मामले हैं। (व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः आन ए प्वांयट आफ आर्डर। स्पीकर साहब .....

श्री अध्यक्षः डा0 साहब ने जो प्वांयट रेज किया है पहले उसका जवाब देने दीजिए। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन का हरियाणा की सियासत में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। वे कहते हैं कि एस0वाई0एल0 और हथनी कुंड के मामले हरियाणा की टैरिटरी के बाहर के मामले हैं। इनको तो यह भी पता नहीं कि हमारी स्टेट की बात है या बाहर की बात हैं (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः क्या हथनी कुंड स्टेट के बाहर नहीं है ? (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी समझ के अनुसार एस0वाई0एल0, हथनी कुंड और नाथपा झाकरी प्रोजैक्टस का स्टेट की डिवैल्पमैंट से बहुत नजदीकी सम्बंध है और इनको बाहर का मामला कतई नहीं कहा जा सकता। अगर चन्द आदमी स्टेट के बाहर जाते हैं और उन पर दूसरी स्टेट की पुलिए द्वारा कोई ऐक ान हो, ला एंड आर्डर की प्रोब्लक हो तो डैफिनेटली इसका स्टेट की डिवैल्पमैंट के साथ कोई सम्बन्ध नहीं, यह बाहर की स्टेट का मामला है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, अगर आप कहें कि डिवैल्पमैंट से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है, यह तो आ चर्य की बात है। (व्यवधान)

Mr. Speaker: That is my ruling and no further discussion on it now. Dr. Sahib, please sit down. (Interruptions)

Shri Baldev Tayal: Speaker, Sir, I want to submit to the Hon'ble Chair only one thing.

Mr. Speaker: About what ?

Shri Baldev Tayal: I am not challenging your ruling but I want to submit that this Hous is as much concerned ... (Interruptions)

Mr. Speaker: The discussioni on this matter stands closed. I am sorry, I will not entertain any mor point on this. My orders are very clear. (Interruptions)

Shri Baldev Tayal: Mr. Speaker, Sir, I may submit for your consideration, if you kindly allow me. Sir, this August House is as mu9ch concerned with each and every man of this State/Country as any body else as far as the democratic rights or human rights are concerned. For example .....

Mr. Speaker: I have heard you. Please sit down, when I am on my legs. I am sorry to say that I entirely disagree with the contention of the hon'ble Member, Shri Baldev Tayal, that this State Assembly is concerned with each and every person of the State of Haryana. If for example, a person goes to London, Kuwait, Singapur, Hong Kong or to say other States like Kerala, West Bengal and commits dacoity, it cannot certainly be, by any stretch of imagination a concern of this Assemly. This matter is finally closed and there will be no further discussion on it.

चौधरी राम लाल वधवा: फिर तो एज ए प्रोटैस्ट हम वाक आउट कर रहे हैं। (जोर)

Shri Baldev Tayal: Sir, I may submit that I was not at all referring to the ruling given by you nor do I want to challenge it. I simply want to make a submission on a general point .....

Mr. Speaker: If you want my ruling on any point, give ti to me in writing. (Interruptions)

Shri Baldev Tayal: Mr. Speaker kindly *** *** ****

Mr. Speaker: Nothing will be recorded. That chapter has been closed.

(इस समय जनता पार्टी तथा लोकदल के उपस्थित सदस्य वाक आउट कर गए)

वर्श 1980–81 के बजट पर आम चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now, the House will resume general discussion on the Budget for the year 1980-81. Shrimati Sushma Swaraj, who was in possession of the House when it adjounred on the 15th March, 1980, may please resume her speech and try to finish it up in five minutes.

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, चैम्बर की बात वैसे यहां करनी तो नहीं चाहिए लेकिन मैं आपको

याद दिलाना चाहती हूं कि आपने मुझे 25 मिनटस देने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्षः केवल पन्द्रह मिनअस मैंने कहें होंगे। Any how, you had spoken for 20 minutes the other day, which was perhaps the lonigest time taken by any member.

Shrimati Sushama Swaraj: All right, Sir, I will try to cover up the reamaining points quickly.

अध्यक्ष महोदय, 15 तारीख को जब सदन स्थगित हुआ उस मैं वित्त मंत्री महोदय के बजट में सरकारी कर्मचारियों को जो राहते दी गई हैं उनके बारे में बोल रही थी। अध्यक्ष महोदय, इस बजट भाशण में काफी से ज्यादा उन राहतों का जिक्र किया गया है जिनकी तरफ सरकार का ध्यान नहीं गया। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपका ध्यान उन कर्मचारियों की तरफ दिलाना चाहूंगी जिनसे आप स्वयं संबंध्ति हैं। (विघ्न) वह हैं विधान सभा के कर्मचारी। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं केपल मात्र आपसे इनती गुजारि ा करता चाहती हूं कि जब कभी किसी वेतन आयोग की रिपोर्ट आती है या सरकार की तरफ से राहत दी जाती है तो ये बेचारे कर्मचारी हमे ाा छूट जाते हैं। पता नहीं संख्या में ये इतने कम हैं कि ये अपनी आवाज नहीं उठा सकते। 12–12, 15–15 साल से कई ऐसे कर्मचारी लगे हुए हैं जिनको आज तक कोई सिलैक ान ग्रेड नहीं मिला।

Mr. Speaker: The question regarding the employees of the Vidhan Sabha came up earlier also when I had given an assurance to the House that I will take up the matter with the Government and get it resolved to the best of my ability. therefore, so far as the employees of the Vidhan Sabha Secreatariat are concerned, you please leave it to me.

श्रीमती सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रही थी कि दस साल से ऊपर जिन कर्मचारियों की सर्विस हो गई है, उन्हें आप सिलैक ान ग्रेड दिलवाने की कृपा करें। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं यह जो योजनाओं का ब्यौरा हमें दिया गया है इसमें से हाउसिंग योजना के बारे में कुछ कहना चाहूंगी। अध्यक्ष महोदय, यहां कुछ पैसों का प्रावधान किया गया है (विघ्न)

श्री अध्यक्षः साहेबान, सुशमा स्वराज बोली रही हैं। कृपया कोई इंट्र ान न करें।

श्रीमती सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, 4 करोड़ 63 लाख रुपये इन योजनाओं के तहत रखे गए हैं। मैं राज्य सरकार से यह पूछना चाहूंगी कि जब ये योजनाएं बनाते हैं तो किस तरह से प्राथमिकता निर्धारित करते हैं ? अध्यक्ष महोदय इस 4 करोड़ 63 लाख रुपये की ब्रेक अप अगर आप देखें तो इसमें एल0आई0जी0एच0 स्कीम के तहत 15 लाख और 48 लाख रुपए ऋण दिया जाएगा। अगर इस 15 लाख रुपये की ब्रेक अप हम करें तो ज्यादा से ज्यादा 102 लोगों को ऋण मिल सकता है। इसी

तरह से अगर हम 48 लाख रुपये की ब्रेक अप करें तो ज्यादा 300 लोगों को ऋण मिल सकता है। फिर एम0आई0जी0एच0 स्कीम के तहत 18 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके तहत 27500 रुपये तक ऋण देंगे। अगर इसकी भी हम ब्रेक अप करें तो केवल 66 लोगों को ऋण दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि चार तारीख को प्र न काल के दौरान यहां एक सवाल आया था और उसके जवाब में हाउसिंग मिनिस्टर ने बताया था कि कितनी ऐप्लीके ान्ज आज स्टेट में पैंडिंग हैं। उन आंकडों को अगर हम जोड़ें तो 4387 ऐप्लीके ान्ज हैं जो आज के दिन एल0आई0जी0एच0 और एम0आई0जी0एच0 स्कीम के तहत लोन लेने वालों की पैंडिंगे हैं। इसके बरअक्स ऋण दिया गया तो इस बार 366 लोगों का दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे पूछना चाहती हूं कि अगर इसी रफ्तार से राज्य सरकार चलेगी तो यह कब तक लोगों को आवास की सुविध जुटा पाएगी। अध्यक्ष महोदय, रोटी, कपड़ा और मकान तीन बुनियादी आव यकतांए इन्सान की हैं। रोटी और कपड़े के बाद इन्सान की जरूरत मकान की होती है लेकिन जिस रफ्तार से सरकार चल रही है कि तीन सौ या चार सौ से ज्यादा लोगों को यह ऋण नहीं देती तो कब यह उन 4387 ऐप्लीके ान्ज को निकालेगी और आगे आने वाले ऐप्लीकैन्टस को कब लोन दिया जाएगा, यह मेरी समझ में नहीं आता।

अध्यक्ष महोदय, हाउसिंग बोर्ड का भी यहां जिक्र आया है। 12 लाख रुपये का ऋण इसे दिया गया है। लेकिन मुझे यह कहते हुए दुःख होता है कि पिछले दो वर्शों से इसे राजनीति का अड्डा बनाया गया है। अध्यक्ष महोदय, एक भी कालोनी हमारे हाउसिंग बोर्ड ने पिछले दो वर्शों में नहीं बनाई है। अध्यक्ष महोदय, आप यह सुन कर हैरान होंगे कि एक तरफ तो बजट में प्रावधान किया गया है कि हाउसिंग बोर्ड को ग्रामीण आवास योजना के लिए 40 लाख रुपये का ऋण दिया जाएगा लेकिन दूसरी तरफ चेयरमैन, हाउसिंग बोर्ड इस योजना को कार्यानिवत करने वाले चीफ इंजीनियर की पोस्ट को ऐबोलि ा कराने जा रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह कितनी हैरानी की बात है। आज चारों तरफ हाउसिंग कालोनीज के लिए पैसा जमा है। मेरी अपनी कांस्टिचुएंसी में साढ़े सोलह लाख रुपया जमा है। चीफ मिनिस्टर साहब यहां बैठे हैं। मैं इन्हें याद दिलाना चाहूंी कि 22 तारीख को जब ये वहां गए थी तो इन्होंने आ वासन दिया था कि तीस दिन के अन्दर हाउसिंग कालोनी का काम भाुरू करवा देंगे। केवल आठ दिन बाकी हैं लेकिन अभी तक हाउसिंग कालोनी की जमीन का फैसला नहीं हुआ, नींव का पत्थर रखने वाली बात तो दूर रही।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): हम जो वायदा करते हैं उसे पूरा भी करते हैं।

श्रीमती सुशमा स्वराज : केवल आठ दिन बाकी रह गए हैं, इसलिए मैं आपको आपका वायदा याद दिलाना चाहती हूं।

(घंटी) अध्यक्ष महोदय, बोलना तो बहुत था परन्तु चूंकि समय की कमी है इसलिए आखिर में एक बात कह कर अपना स्थान ले लूंगी। पिछले कुछ दिनों से हमारे राज्य में महिलाओं के ऊपर अत्याचार बहुत ज्यादा बढ़ते जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, कभी गोहाना में सुजाता काण्ड की आवाज सुनाई पड़ती है और कभी खानपुर में सामूहिक बलात्कार की घटना घटती है। कभी हांसी में मजदूर औरतों पर अत्याचार किए जाते हैं, कभी डाहिना में बाबरिया औरत का कत्ल किया जाता है और कभी रोहतक में एक विधवा के साथ पुलिस के सिपाही द्वारा बलात्कार की नाकाम कोि ा ा की जाती है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके रिक्वैस्ट करना चाहती हूं कि जिस तरह से आपने चौधरीवास की घटना की जांच के लिए सदन के आनरेबल मैम्बर्ज की एक समिति गठित की है, उसी तरह से सदन की महिला सदस्यों की समिति गठित करने की कृपा करें क्योंकि महिला केवल महिला के सामने ही अपना दुखड़ा बात सकती है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सुशमा जी ने कई बार इस बात की चर्चा की है। ये कभी गोहाना का जिक्र करती हैं और कभी दूसरे इंसिडैंट का जिक्र करती हैं। अध्यक्ष महोदय, इस तरह के छोटे छोटे इंसिडैन्टस तो होते रहते हैं। (विघ्न) लेकिन फिर भी जहां कही भी इस तरह के इंसिडैंटस हुए हैं चाहे छोटा इंसिडैंट हुआ है या बड़ा इंसिडैंट हुआ है। हमने उनके बारे में पूरी कार्यवाही की है। जिस आदमी ने कानून अपने हाथ में लेने

की कोि ाश की है या कानून की उल्लंघना की है, उस आदमी को सख्त से सख्त सजा दी गई है। (विघ्न) इन्होंने रोहतक के सिपाही का जिक्र किया। उस सिपाही को उसी वक्त गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने के बाद चालान किया गया। कोई रियायत नहीं बरती गई। कोई आदमी गलती करता है तो उसके खिलाफ फौरन ऐक ान लेते हैं। ये ऐसी बातें बार बार इसलिए कहती हैं कि अखबारों में नाम आ जाये।

श्रीमती सुशमा स्वराज : स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर महोदय को पता नहीं क्या हो गया है। मैं इसलिए नहीं बोलती हूं कि अखबारों में नाम आ जाये। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप वाइंड अप करें।

श्रीमती सुशमा स्वराज : अध्यक्ष महोदय, मैं वाइंड अप कर रही हूं। मैं यह नहीं कह रही हूं कि सरकार कोई एक ान नहीं ले रही है। ऐक ान तो चौधरीवास के केस में भी हो रहा है। उसके बावजूद भी हमारी सदन की समिति गठित की गई।

चौधरी भजन लालः आन ए प्वांयट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब आपकी ओर से कोई समिति नहीं बनायी गई। मेरे सामने जब यक बात आयी तो चौधरीवास के लिए मैंने कुछ आदमियों की समिति का गठन किया लेकिन आपने यहां हाउस में कोई ऐसी समिति नहीं बनायी। जिस आदमी ने जुल्म किया था फौरन उसे गिरफ्तार किया गया। हो कसता कि असली मुलजिम न

पकड़ा गया हो। मैंने बाकायद नान आफि ियल कमेटी बनायी। वह कमेटी वहां मौके पर जा कर देख कर आयी है।

श्री अध्यक्षः जहां तक इस बात का संबंध है कि कोई समिति गठित की है या नहीं, मैंने कोई समिति नहीं बनायी। (विघ्न)

श्रीमती सुशमा स्वराज : स्पीकर साहब, अगर आप ट्रेजरी बैंचिज पर बैठी हुई बहिन भान्ति राठी और भाकुन्तला भगवाड़िया को उस कमेटी में रखें तो हमारी तरफ से भी कोई स्त्री उस कमेटी में भामिल करनी चाहिए। (विघ्न) महिलाओं पर अभी खानपुर में केस हुआ, रोहतक में रेप का केस हुआ। इसी प्रकार हांसी के अन्दर रेप का केस हुआ। इस प्रकार से एक ही महिला के साथ ऐसा केस नहीं हुआ कई के साथ हुआ। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ समय देने के लिए आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेती हूं।

श्री अध्यक्षः मैमबर साहेबान बहुत से सदस्य अभी बोलना चाहते हैं। चार दिन से बजट पर बहस चल रही है। हमने पहले 15 मिनट हर मैम्बर के लिए फिक्स किये थे परन्तु सभी मैंबर 20–25 मिनट ले रहे हैं। आज हम अगर 10 या 15 मिनट देंगे तभी सभी मैम्बर साहेबान बोल पायेंगें। अगर हाउस की सैंस है तो 15 मिनट के बाद जब भी घंटी बजे, मैम्बर साहब अपनी स्पीच खत्म कर दें। ऐसा करने से सभी मैम्बर साहेबान को मौका मिल

जायेगा। अगर उसी तरह से 20–25 मिनट तक बोलते रहे तो सबको मौका नहीं मिलेगा।

आवाजें: 15 मिनट ठीक है।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री सुरेन्द्र सिंह(तो ाम): उपाध्यक्ष महोदय, वर्श 1980–81 के बजट पर बहस चल रही है। क्वै चन आवर के बाद आज सदन में चौधरी गंगा राम ने बड़े जोर जोर से चिल्ला कर कहा कि वहां पर यह हो गया (विघ्न) आज सुबह से ही दिल्ली की चर्चा हाउस में चल रही है। एक स्वामी जी तो यहां हाउस में बैठे हैं और दूसरे का पता नहीं कहां कनाट प्लेस में घूम रहे हैं। उस स्वामी जी का हरियाणा से कोई सम्बंध नहीं है क्योंकि उनका पूरा हुलिया ही मालूम नहीं है कि वे कहां के रहने वाले हैं लेकिन फिर भी जब उनके भगवा कपड़ों को देख कर जनता ने वोट दे दियें तो उनको ठीक तरह से रहना चाहिए। फिर भी वे अपनी हरकतों से बाज न आयें और यह सोचते रहें कि भगवा कपड़े पहनने से उन्हें लाइसैंस मिल गया है तो यह गलत बात है।

चौधरी संत कंवर: आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, जो मैम्बर हाउस में हाजिर नहीं हैं उसके बारे में हाउस में कुछ नहीं कहा जाना चाहिए।

श्री सुरेन्द्र सिंहः मैं तो यही कह रहा था कि स्वामी आदित्यवे ा जी तो खद्दर कपड़े पहनते हैं और वे टैरीलोन के कपड़े पहनते हैं। वह भी थाइलैंड से लाये हुए (विघ्न)

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे लोक दल के भाईयों ने बजट पर चर्चा करते हुए किसानों की बहुत सी समस्याओं को हाउस के सामने रखा और उनके समाधान भी बताये। मैं भी किसानों की समस्यायें हाउस में रखना चाहूंगा। जब यहां हरियाणा में लोक दल की सरकार थी तो यहां पर कोई भी काम नहीं हो सका। अगर हमारी सरकार खाद और बिजली पैदा करने के कारखाने लगाये, हथनी कुंड का बेराज बनाए और लोक दल के भाई गांवों में किसी प्रकार की मारधाड़ आदि न करायें तो हरियाणा की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है और प्रदे ा उन्नति के पथ पर जा सकता है। इसी प्रकार से मारपीट चलती रहे तो हम अपने आपको मजबूत नहीं कर सकते। (विघ्न)

हमारी कांग्रेस सरकार का तीस साल का राज रेल की तरह से स्मूथ चलता रहा और इन्होंने तो अढ़ाई साल के अन्दर ही पता नहीं क्या कर दिया ? (विघ्न) डिप्टी स्पीकर साहब, इनको राज चलाना नहीं आया और न ही जनता के काम करने आये। जब चौधरी देवी लाल की यहां सरकार थी तो मैं एक ही बात करता था (विघ्न) वे मेरे ताऊ हैं। मैं उनकी पहले भी इज्जत करता था और आज भी करता हूं। मैं उनसे एक ही बात कहा करता था, दलाल साहब और अन्य साथियों को भी भाायद याद होगा कि मैं

क्या कहता था ? अगर इन लोगों को याद न हो तो मैं बता देता हूं। जब चौधरी देवी लाल जी चीफ मिनिस्टर की कुर्सी पर बैठे तो मैंने कहा था कि यह कुर्सी आदमी को फैंक फैंक कर मारती है। यह आदमी की ताकत और जोर पर डिपैन्ड करता है कि वह उस कुर्सी को सम्भाले रखें। वे सच्चे मन से राज चलाना चाहते थे लेकिन जो उनके साथी हैं उन्होंने राज नहीं चलने दिया। बड़ी अजीब कहानी है। 76 एम0एल0एज0 का बहुमत हो और फिर राज नहीं चल सका, इससे दुखदायी बात क्या हो सकती है ? ऐसे ही राज को फैंक कर चे गये, सम्भाला नहीं गया लेकिन अब ये याद रखें कि इनको राज नहीं मिलेगा। इनको जनता ने देख लिया है। (विघ्न) अब मैं किसानों की तरफ ही आ रहा हूं। उनके बारे में मेरे विरोधी पार्टी के भाई भी काफी बोले हैं। लेकिन पिछले अढ़ाई सालों में जनता सरकार ने हरियाणा प्रान्त कि किसानों की समस्याओं को इतनी अधिक मात्रा में बढ़ा कर रख दिया है कि उन पर एकदम से कंट्रोल पाना बड़ा मु कल काम है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज पानी की बड़ी भारी समस्या हे। सन् 1966 में जब हरियाणा का जन्म हुआ तो उस समय हरियाणा एक डैफिसिट स्टेट थी। हरियाणा को उस समय जितने अनाज की जरूरत होती थी वह भी पूरी नहीं हो पाती थी। 1967–68 के बाद लगभग 5–6 साल के अन्दर ही हरियाणा प्रान्त की सरकार ने किसानों के लिए तरक्की के बहुत साधन जुटाये उनके लिए टयूबवैल लगाये गए, नहरों के जरिए उनके लिए पानी उपलब्ध करवाया गया और अन्डरग्राउंड पानी को निकाल कर 3125 क्यूसिक से भी ज्यादा

पानी का प्रबन्ध किया गया। लैण्ड लैवलिंग का भी बहुत काम हुआ। इसके साथ ही साथ यह भी पूरी पूरी कोि ा ा की गई कि किसानों को अच्छे बीज उपलब्ध हों ताकि पैदावार बढ़े।

डिप्टी स्पीकर साहब, आज की सरकार के सामने सबसे बड़ी समस्या रावी–ब्यास वाटर की है। मैं इसके बारे में खुद सोच रहा था कि इस समस्या का हल करना हरियाणा के लोगों के लिए बहुत ही जरूरी है। लेकिन इससे भी बड़ा सीरियस मसला और भी है। हथनी कुण्ड बैरज का मसला भी बहुत ही गम्भीर मसला है। मैं पिछले दिनों अखबार में पढ़ रहा था कि उत्तर प्रदे ा की सरकार को चाहिए तो यह था कि वर्श 1954 और 1974 में जो ऐग्रीमैंट हरियाणा सरकार से हुआ था उसको निभाती। यह तभी हो सकता है जब दोनों सरकारों की अन्डरस्टेंडिंग हो, अच्छा आपस में तालमेल हो। 1954 में यह समझौता हुआ था कि हथनी कुण्ड से 1/3 भाग पानी उत्तर प्रदे ा लेगी और 2/3 भाग हरियाणा सरकार को मिलेगा। इसके बाद वर्श 1974 में हरियाणा प्रान्त और उत्तर प्रदे ा का एक और ऐग्रीमैंट हुआ था कि हथनी कुण्ड बैरज को बनाने का काम तो अकेली हरियाणा सरकार करेगी लेकिन ओखला का कार्य उत्तर प्रदे ा करेगी। इसी प्रकार से पानी के डिवीजन का भी फैसला हुआ था। डिप्टी स्पीकर साहब, आज हरियाणा सरकार को इस बात को बड़ा सीरियसली लेना चाहिए। यदि हथनी कुण्ड बैरज का काम रूक गया तो आज हमें जितना

पानी वैस्टर्न जमुना कैनाल से मिल रहा है उतना पानी भी नहीं मिलेगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे उत्तर प्रदे ा सरकार की नीयत में कुछ खराबी नजर आती है। पहले तो केवल कन्स्ट्रक ान पर ही झगड़ा था। हरियाणा सरकार तो यह चाहती थी कि इस बैरज को 70–75 मीटर ऊपर बनाया जाये लेकिन उत्तर प्रदे ा की सरकार उसको 100–150 मीटर नीचे बनाना चाहती है। डिप्टी स्पीकर साहब, उत्तर प्रदे ा की सरकार धमकी दे रही है। इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि वह इस हथनी कुण्ड बैरज के बारे में अपना स्टैण्ड क्लीयर करे। उत्तर प्रदे ा सरकार क्या चाहती है ? हम अपना डैम जहां चाहे मर्जी में आये बनाये। अगर इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हरियाणा के लोगों को जमुना कैनाल से पानी की एक बूंद भी नहीं मिलेगी। इसी प्रकार से उत्तर प्रदे ा के गुड़गांवा कैनाल की एक समस्या है। गुड़गांव कैनाल के झगड़े के संबंध में हमारे लोगों को उत्तर प्रदे ा में जाना पड़ता है और उत्तर प्रदे ा के लोगों को हरियाणा में आना पड़ता है। इस तरह दोनों ओर के लोगों को काफी कठिनाई होती है। डिप्टी स्पीकर साहब अढ़ाई साल की अवधि के दौरान चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने हरियाणा की बहुत बुरी हालत कर दी।

डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा प्रान्त 1967–68 में महेन्द्रगढ़, झझर, भिवानी और हिसार के रेतीले इलाके के लिए

लगभग 11 लाख एकड़ जमीन को पानी देने का प्रबन्ध करने के लिए बहुत सा काम किया था। जिस इलाके में नहरों के जरिए पानी नहीं पहुंचता था वहां पर लिफ्ट इरीगे ान स्कीम चालू की गई। वे बहुत कामयाब स्कीमें रही हैं। हरियाणा के अन्दर जुई कैनाल बहुत कामयाब रही है लेकिन खेद इस बात का है कि वहां पर जो अफसरान हैं वह इस बात पर कतई गौर नहीं करते है। कि वहां कितनी मात्रा में जमीन की सिंचाई होनी चाहिए। भाायद इरीगे ान मिनिस्टर साहब को भी इस बात का पता नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इरीगे ान मिनिस्टर साहब से इस बात का जवाब चाहूंगा कि लिफ्ट इरीगे ान स्कीम पर खर्चा कितना होता है और उनको कितना पानी दिया जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे आ ाा है कि मिनिस्टर साहब मेरी इस बात को नोट करेंगे। वे खर्चे को वर्क आउट करेंगे और इस बात का भी जवाब देंगे कि लिफ्ट इरीगे ान स्कीम पर कितना खर्च होता है और कितनी रिटर्न आती है और सरकार इसके बारे में अपनी तरफ से क्या कार्यवाही कर रही है ?

डिप्टी स्पीकर साहब, आप घंटी पर हाथ रख रहे हैं परन्तु मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। यह जो लिफ्ट इरीगे ान स्कीम चालू की गई थी यह इसलिए चालू की गई थी ताकि जहां जमीन ऊंची है वहां पर पानी पहुंचाया जा सके। लेकिन दिक्कत यह है कि लैंड लैवलिंग का काम कोई दूसरा डिपार्टमैंट करता है। बिजली का काम कोई दूसरा महकमा करता है और सिंचाई का

काम कोई और डिपार्टमैंट करता है। इसलिए मैं आपके जरिए सिंचाई तथा बिजली मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जो मेन कैनाल के साथ साथ माईनर के साथ साथ या सब माईनर के साथ साथ जमीन ऊंची है उसकी लैंड लैवलिंग सम्बन्धित महकमे से जल्द से जल्द करवाई जाये ताकि उस जमीन को भी ज्यादा से ज्यादा पानी मिल सके। यदि इस काम को जल्द से जल्द पूरा कर दिया जाता है तो जमीन को पानी तो ज्यादा मिलेगा ही , साथ ही साथ किसानों की भी पैदावारी बढ़ेगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, जब किसानों की बात बात आती है तो मुझे बड़ा दुःख होता है क्योंकि किसानों के बारे में इस बजट स्पीच में कोई चर्चा तक नहीं की गई और न ही गवर्नर ऐड्रैस में किसानों के भले के लिए कोई बात सोची गई। हकीकत यह है कि हरियाणा प्रान्त अपने किसानों के लिए अच्छे बीजों का भी प्रबन्ध नहीं कर पा रहा है।

16.00 बजे

आज हरियाणा ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी अच्छी किस्म के बीज उतनी मात्रा में तैयार नहीं कर सकती जितने की तमाम हरियाणा को चाहिएं। इसलिये मैं हरियाणा सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि वह अच्छे बीजों का प्रबन्ध करे। आज तक 1966 से लेकिर जितने भी कंस्ट्रक ान के काम किये गये, चाहे वह सड़कों के थे, नहरों के थ, या वाटर वर्क्स के थे, उनके लिये जितनी

जमनी किसानों की एक्वायर की गई है, उसको मुआवजा आज तक भी कई किसानों को नहीं दिया गया है। इसके बारे में हमारा एक डैपुटे ान भी चीफ सैक्रेटरी साहब से मिला था। चीफ सैक्रेटरी साहन हमें यह बताया कि वहां पर यानी एल0ए0ओ0 की पोस्ट पर कोई भी अफसर काम करके खु ा नहीं है। इसलिय मैं सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि चाहे वह आई0ए0एस0 अफसर लगाये, किसी एच0सी0एस0 अफसर को लगाये या किसी दूसरे तरीके से यह काम करवाये लेकिन उसको किसानों की जमीन का मुआवजा जरूर से जरूर जल्दी से जल्दी देना चाहिए। सरकार सुओ मोटो तो यह काम करती नहीं है। इसलिये मेरी गुजारि ा यही है कि वह इलाके महेन्द्रगढ़ जैसे जहां पर अकाल पड़ा हुआ है। बिजली की भी कमी है और पानी की भी कमी है वहां पर चारे की भी कमी है वहां के लोगों के लिये खासतौर पर इस बात का प्रबन्ध किया जाये कि उनको जमीन के मुआवजे के पैसे जल्दपी से जल्दी मिल सकें। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, जितनी नहरैं बनाई गई थीं या लिफ्ट इरीगे ान कैनाल्ज बनाई गयीं थीं उनके नाम भी बदल दिए गए हैं। जवाहर लाल नेहरू कैनाल, इन्दिरा गांधी कैनाल, बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती कैनाल वगैरा जितनी भी नहरे हैं।, उनके पुराने नाम रख दिये जायें। एक बात मैं और कहना चाहता हूं राठी साहब जरा गौर से सुन लें।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। अभी मेरे दोस्त ने किसानों की उपलब्धि की काफी बात की है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंहः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः जरा मेरी बात तो पूरी सुन लें। यह जो जुई कैनाल ताजेवाला से बनाई गयी है मैं भी वहां पर गया था अफसर भी मेरे साथ थे।

श्री सुरेन्द्र सिंहः यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है। मैंने आपके ऊपर कोई इल्जाम तो नहीं लगाया है।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः जरा धीरज रखें उस वक्त समस्या यह थी कि वहां पर कन्सौलीडे ान तो हुआ ही नहीं था। खालों को किसान एक दूसरे के खेत में से ले जाने नहीं देते थे। इसलिये सारे का सारा पानी खराब हुआ। कन्सौलीडे ान तो आपके पिताजी के राज में नहीं करवायी गयी। परन्तु अपने आने के 15 दिन अंदर वहां पर स्टाफ भेजा और कन्सौलीडै ान करवायी। यह आज किसान के हित की बात करते हैं ..... (व्यवधान व भाोर)

श्री उपाध्यक्षः मलिक साहब, आप बैठिए। यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है।

श्री सुरेन्द्र सिंहः इन्होंन बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती कैनाल का नाम बदल दिया। मेरा कहना यह है कि इनके ओरीजनल जो भी नाम हैं, वे रखे जाने चाहिएं। उसी तरह से एक चक्रवती लेक थी, उसका नाम भी अब बदल दिया गया है उसे भी दोबारा बदल कर चक्रवर्ती लेक किया जाये।

श्री उपाध्यक्षः अब आप वाइन्ड अप कीजिये

श्री सुरेन्द्र सिंहः मैं वाइन्ड अप ही कर रहा हूं। आजकल अनएम्पलायमैंट बहुत ज्यादा है और अनएम्पलायड लोगों की लिस्ट सबके पास है। कोई भी सदस्य यह मानने के लिए मेरे विचार से तैयार नहीं होगा कि एनरोलमैंट ठीक तरीके से हो रही है। उसमें भी कोई कायदा कानून नहीं चल रहा है कि यहां से ही भर्ती होनी चाहिए। आपको पता है कि बहुत से आदमी हमारे यहां बेरोजगार हैं। हरियाणा प्रान्त में आज भी आदमी ऐम्पलायमैंट एक्सचेंज के बगैर, करीब करीब सभी महकमों में लगाये जो रहे हैं। कोई राजस्थान के लगाए हुए हैं तो कोई उत्तर प्रदे ा से भी ले लिये जाते हैं। (ोम भोम की आवाजें) वे आदमी न तो ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज के थ्रू आते हैं और न ही बाकायदा इन्टरव्यू के थ्रू आते हैं। इसलिये मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि यह तरीका ठीक नहीं है। इसको बन्द किया जाना चाहिए। (व्यवधान व भाोर)

श्री बलदेव तायलः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। मेरी तो इतनी से गुजारि ा है कि आनरेवल मैम्बर इतना अहम मसला यहां पर उठा रहे हैं लेकिन मुझे यह प्वायंट आउट करते हुए बड़ा अफसोस हो रहा है कि ज्यादातर मिनिस्टर्ज यहां हाउस से एबसैंट हैं।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): डिप्टी स्पीकर साहब, मैं पूरी जिम्मेवारी के साथ यहां पर बैठा हुआ हूं और नोट भी कर रहा हूं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, इसके अलावा मैं बैंकों के चुनाव की बात के बारे में भी चर्चा करना चाहता हूं। ... (व्यवधान व भाोर) ये जो बैंको के चुनाव हुए हैं इसमें एक बहुत अजीब सी स्थिति पैदा हो गयी है। मान लिया किसी बैंक के 10 डायरैक्टर्ज का चुनाव हुआ और 7 डायरैक्टर्ज एक तरफ हैं और तीन डायरैक्टर्ज दूसरी तरफ हैं तो तीन डायरैक्टर्ज ऐसी कोि ा ा करेंगें और ऐसा अरेजमैंट करेंगे कि तमाम आफिसर्ज का वोट भी ले लिया जाये। यह बात जमहूरियत के खिलाु हैं (अपोजी ान की तरफ से थम्पिंग) आप लोगों ने यह प्रथा चलायी थी। मैं अपनी सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि सरकार को ऐसी कमिटमैंट करनी चाहिए कि वह इस पालिसी को ठीक नहीं समझती और इसे आगे के लिए बन्द करैगी। मै। यह चाहूंगा कि इस पालिसी को बदला जाये कि सरकारी अफसरोसं का चेयरमैन के चुनाव में दखल हो, मैं इस बात को गलत मानता हूं। इसके

अलावा हरियाणा में जितनी भी कारपोरे ान्ज हैं, जब मेरे भाई बीरेन्द्र सिंह जी तकरीर कर रहे थे तो उनके बारे में मुझे भी कुद आंकड़े पाने का इत्तफाक हुआ। उन्होंने यह बताया है कि कोई भी कारपोरेान फायदे में नहीं चल रही है। करोड़ो रुपया उनमें खर्च हुआ है। (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं किसी का नाम नहीं ले रहा हूं।

श्री उपाध्यक्षः आप वाइन्ड अप कीजिये। (व्यवधान व भाोर) 28 मैम्बर आज तक बोले हैं, 16 अपोजी ान के और 12 रूलिंग पार्टी के बोले हैं। (व्यवधान) टाईम भी अपोजी ान ने ज्यादा लिया है। अभी कल का टाईम पड़ा है सबको टाईम मिल जायेगा। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः उपाध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब जाते समय टाईम फिक्स करके गए थे और यह कह कर गए हैं कि अब के बाद टाईम फिक्सड हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये सरकार से एक बात और बताना चाहता हूं कि पंजाब के अंदर ट्रैक्टर पर एक प्रति ात सेल्ज टैक्स है जबकि हरियाणा के अंदर 6 फीसदी है। जिन भाईयों को ट्रैक्टर की जरूरत होती है वे आज कल पंजाब से लाते हैं क्योंकि यहां पर 6 फीसदी सेल्ज टैक्स होने से ट्रैक्टर महंगा मिलता है। आपको यह तो पता है कि हरियाणा के किसानों को भी ट्रैक्टर की जरूरत पड़ती है। वे

ट्रैक्टर लैने के लिये पंजाब की मलोट मंडी जाते हैं वाह पर 1000 ट्रैक्टर एक महीने में बिक जाते हैं। क्योंकि राजस्थान और हरियाणा वाले वहीं से ट्रैक्टर लेकर आते हैं। इस तरह से वहां पर सेल्ज टैक्स की रिकवरी भी ज्यादा होती है। इसलिये मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वह ट्रैक्टर पर सेल्ज टैक्स को घटा कर 6 फीसदी की बजाये 1 फीसदी कर दे। मेरे विरोधी भाई ने एक बहुत अच्छी बात की। दादरी सीमेंट फैक्टरी की करीब एक या दो साल से बहुत खसता हालत है। खासतौर पर जनता सरकार के आने के बाद से। डिप्टी स्पीकर साहब, तीन दिन हुए उस फैक्टरी की बिजली भी कट गयी और पानी भी बंद कर दिया गया है।

श्री उपाध्यक्षः आप अब समाप्त कीजिये।

श्री सुरेन्द्र सिंहः बहुत अच्छा जी। मैं आपके जरिये सरकार से यह गुजारि ा करूंगा कि वह इस मामले को सैंट्रल गवर्नमैंट से टेकअप करे। (विघ्न) इसे एक सिक इंडस्ट्री डिक्लेयर करके टेक ओवर करे ताकि वहां पर मजदूर को रोजगार मिले। धन्यवाद।

चौधरी उदय सिंह दलाल (बादली): डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने का टाईम दिया है इसकि लिए मैं आपका भाुक्रिया अदा करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो बजट हाउस के सामने आया है इसमें कोई टैक्स नहीं लागया गया है यह ठीक बात है लेकिन आगे टैक्स लगाने का डर मौजद है।

डिप्टी स्पकीर साहब, इस बजट के अंदर छोटे मोटग व्यापारियों को कुछ रियायतें दी गई हैं। यह अच्छी बात है लेकिन अगर किसानों को भी कुछ रियायतें यह सरकार दे देती तो और भी अच्छी गात होती। इस बजट में कहा गया है कि हम आबपा ाी के लिए ज्यादा पानी देंगे और उसका प्रबन्ध यह सरकार जल्दी ही करेगी। डिप्टी स्पीकर साहब, में अपने इलाके में कुछ जगहें ऐसी बता सकता हूं जहां पर मीठा पानी है। वे जगहें हैं इसमालपुर, बाडसा, लोयदादरी और सोधी। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर इन जगहों पर एम0आई0टी0सी0 टयूबवैल्ज लगा दें तो यहां से काफी गांवों को मीठा पानी दिया जा सकता है।

चौधरी मेहर सिंह राठीः वहां पर पानी की स्कीम मंजूर कर दी है और आज ही चिट्ठी भेज दी है।

चौधरी उदय सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे भाई राठी साहब कह रहे हैं कि चिट्ठी भेज दी है और वहां पर स्कीम मंजूर कर दी है। यह बहुत अच्छी बात है।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक बिजली का ताल्लुक है मैं मानता हूं कि बिजली की कमी है लेकिन इस बारे में मेरी रिक्वैस्ट है कि बिजली का डिस्ट्रिब्यू ान इस ढंग से किया जाए कि किसानों को दिन में बिजली दी जाए और इंडस्ट्रीज की रात को बिजली दी जाए। अगर किसानों को रात को बिजली दी जाती है तो उनको बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। रात में

सर्दी होती है, सांप बिच्छू वगैरह का डर रहता है। रात में खाल टूट जाते हैं। इंडस्ट्री वाले रात को काम करवा सकते हैं क्योंकि उन्हें रात में काम करवाने में कोई दिक्कत नहीं आती है। किसानों को काफी दिक्कता आती है। रात को खाल टून जाने से पानी काफी जाया जो जाता है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि किसानों को दिन में ही बिजली दी जानी चाहिएं (व्यवधान) राठी साहब कह रहे हैं कि दिन में बिजली दे देंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, कह तो यह रहे हैं कि लेकिन हकीकत यह है कि पिछले हफ्ते जब मैं घर पर था तो भााम को रोटी खाने के टाईम पर रोज बिजली चली जाती थी। इनको चाहिए कि कम से कम भााम को राटी के टाईम पर तो बिजली देनी ही चाहिए। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि मेरे इलाके में एक याकुपुर गांव हैं वहां पर इन्होंने गुड़गांव से बिजली दी हुई है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसका गुड़गांव से कोई ताल्लुक नहीं है। इसका ताल्लुक झज्जर से है। तहसील झज्जर है, बी0डी0ओ0 का दफ्तर झज्जर में है, मार्किट कमेटी झज्जर है लेकिन इन्होंने बिजली का कनैक ान गुड़गांव से दे दिया है। मैंने इनको यह जबानी भी कहा था और आज यहां हाउस में भी कह रहा हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, यह हकीकत है कि इस गांव का गुड़गांव से कोई ताल्लुक नहीं है। इस बजट के अंदर किसानों को बहुत बड़ी रिलीफ देने की कोि ा ा कर रहे हैं, यह कहा गया है लेकिन वास्तव में बात यह है कि अगर किसान को अपने खाल की मरम्मत के लिए कट्टा सीमेंट का चाहिए तो वह भी नहीं मिलता। रोज

किसान को बी0डी0ओ0 और तहसीलदार के दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ते हैं सिर्फ एक कट्टा सीमेंट के लिए। लेकिन अगर किसी सरमायेदार को अपनी कोठी के फ र्ा को ठीक कराने के लिए, उसकी मरम्मत के लिए सीमेंट चाहिए तो उसको जितना सीमेंट चाहिए वह मिल जाएगा लेकिन किसान कौ अपने ट्यबवैल की मरममत या खाल की मरम्मत करनी हो तो उसको कह दिया जाता है कि सीमेंट स्टोक में नहीं है। डिप्टी स्पीकर साहब आज डीजल की हालत भी बहुत खराब है। आज किसान की जवान लड़कियां, लड़के और बहुएं डीजल के लिए लाइन में खड़े रहते हैं। और उनको डीजल नहीं मिलता। उन बेचारों को ब्लैक में डीजल खरीदना पड़ता है। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर किसान को डीजल भी ब्लैक में लेना पड़े तो उसका गुजारा कैसे होगा ? दूसरी तरफ हमारी सरकार पैदावार बढ़ाने की बात करती है। मुझे समझ नहीं आता कि किसान को पैदावार बढ़ाने के लिए आव यक चीजें नहीं मिलती और यह सरकार पैदावार बढ़ाने की बात करती है। ये किस तरह से पैदावार बढ़ाएंगे ? इनको गांवों के किसान और मजदूरों का कोई ख्याल नहीं है। स्वामी जी जैसे मोड़े को कभी कहीं घुमाने ले जाते हैं और दूसरी तरफ किसानों को डीजल नहीं मिलता। मिट्टी का तेल नहीं मिलता, खाद नहीं मिलता और सीमेंट नहीं मिलता। डिप्टी स्पीकर साहब, आज तो हालत यह है कि राठी साहब, जब भी कोई पोलिटिकल तबदीली होती है तो अपना भेश बदल लेते हैं अपना धर्म बदल लेते हैं और सब से ज्यादा हंसते हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, किसी ने कहा कि इज्जत

तो आनी जानी चीज है आदमी ढीठ होना चाहिए (व्यवधान) वजीर तो मेरे 'भाई बन रहे हैं लेकिन ऐसी वजारत को तो मैं लागत देता हूं। आज इन लोगां के ऊपर गांव का बच्चा बच्चा हंस रहा है।

श्री उपाध्यक्षः दलाल साहब, आप बजट पर ही बोलें (व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, खाद के बारे में मैं अपनी बात एक मिनट में बता देता हूं। जिस मौसम में खाद की जरूरत होती है उस मौसम में तो खाद मिलती नहीं है और कर्जों की भाक्ल में जबरदस्ती खाद दी जाती है। अगर किसी किसान को आठ सौ रुपए का कर्जा दिया जाता है तो पांच सौ रुपया कर्जा दे दिया जाता है और तीन सौ रुपए का खाद दे दिया जाता हे। उस किसान को उस खाद की जरूरत नहीं होती है उस किसान को दस रुपए सस्ते दाम पर वह खादप का कटटा बाजार में दुकानदार को देना पड़ता है (व्यवधान) मैं यही तो कह रहा हूं। आप लोग कुछ तो डरो ******आप लोग चौधरी देवी लाल के वक्त में भी मिनिस्टर थे, चौधरी भजन लाल के वक्त में भी मिनिस्टर हो और कोई मिनिस्टरी आ जाएगी तब भी आप ही लोग मिनिस्ट होंगे। अपनी कमजोरी को छिपाने के लिए डिप्टी स्पीकर साहब, ये लोग हंस रहे हैं। आप लोग इन बेकारा की बातों को छोडो। (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब मैं खाद की बाबत कह रहा था कि किसानों को जब जरूरत होती है तो खाद

मिलता नहीं और जब जरूरत नहीं होती तो उसको जबरदस्ती खाद दिया जाता हैं (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं तो कहता हूं कि आप लोग अपना दामन पाक कर लो। गांव के लोग आपका इंतजार कर रहे हैं। जिस दिन इलैक ांज डिक्लेयर हो जाएंगे उस दिन लोग आपके पीछे रहेंगे और आप लोग छुपत रहोगे। आपको चाहिए तो यह था कि जो गलत कानूनी है जो चीज किसान के हित में नहीं है, जो कमिंया हैं, उनमें सरकार रिलीफ दे। जैसे किसान को सीमेंट नहीं मिलती। आपको चाहिए कि उसकी यह तकलीफ दूर करें लेकिन आपका इन बातों की तरफ कोई ध्यान नहीं है। आज अगर राठी साहब को फैक्टरी बनानी पड़े तो पांच सौ कट्टे सीमेंट के पहुंच जाएंगे लेकिन अगर उदय सिंह को अपने खाली मरम्मत के लिए अपने टयूबवैल की मरम्मत के लिए एक कट्टा सीमेंट की जरूरत हो तो उसको लाइन में खड़ा होना पड़ेगा। मैं कहता हूं कि इस दुनिया में कुछ अच्छा काम कर जाओ। सबको इस दुनिस से एक न एक दिन जाना है। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी छोटू राम ने गांव के किसान के लिए, मजदूर के लिए कुछ कानून बनाए और जब तक यह दुनिया रहेगी तब तक उनको याद किया जाएगा। मेरी प्रार्थना है कि आप इन झगड़ों को छोड़ कर जनता की भलाई, गांव के किसासन और मजदूर की भलाई के काम करना सीखो। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं महकमा जंगलात के बारे में कहना चाहता हूं। राठी साहब, के पास यह महकमा है। डिप्टी स्पीकर साहब, झज्जर सब डिविजन में सड़कों पर इन्होंने कीकर के पेड़ लगा दिए हैं जब कि वहां

भी ाम के पेड़, सफेदे के पेड़ लग सकते थे क्योंकि ये छायेदार पेड़ हैं। कीकीर कोई छायादार पेड़ नहीं है, उससे तो कांटे वगैरह ही फैलते हैं।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं एक बहुत जरूरी महकमे के बारे में कहना चाहता हूं। (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं फैक्टरियों की बावत भी कुछ कहना चाहता हूं। सरकार कहती है कि हम देहातों में फैक्टरियां लगाने जा रहे हैं। जब हम फैक्टिरियों के बारे में यहां पर सरकार की तरफ से सुनते हैं। तो हमारा सिर भार्म से झुक जाता है। जितने भी हमारे नवयुवक देहातों में फैक्टरियां लगा रहे हैं, उनको कोई रा–मैटीरियल नहीं मिल रहा है। कोई प्लासटिक की फैक्टरी लगा रहा है, कोई साबुन की फैक्टरी लगा रहा है। मैं आपको बताता हूं कि एक नवयुकक ने साबुन की फैक्टरी लगाई लेकिन वह बेचारा 9 रुपये किलो के हिसाब से रा–मैटिरियल रोहतक से ले जाकर अपना काम चलाता है और उसको बीच में से कुछ नहीं मिलता और न इन बेचारों का माल किसी मंडी में ही लिया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके साथ साथ मैं आपको बताता हूं कि फैक्टरी लगानै के लिये सरकार की तरफ से किसी भी नौजवान को किसी प्रकार की सबसिडी नहीं दी जा रही है। बिरला की फैक्टरियां है, उनको 60–70 लाख रुपये की सबसिडी दी जा रही है और वे अरबों रुपया सरकार से कमा रहे हैं लेकिन एक गरीब किसान के बेटै को जो कि छोटी छोटी फैक्टरियां देहातो में

लगाकर बैठे हैं, उनको सरकार की तरफ से किसी प्रकार की सबसिडी व सहूलियतें नहीं दी जा रही हैं कितने अनर्थ की बात है ? जो भाई आता है, मिनिस्टर बनता है और हार डलवा कर चल देता है, इतना कर देता है कि भाई गले में हार डाल दो और फिर जब चुनाव आता है तो कह देते हैं कि इलैक ान के लिये पैसा दो लेकिन इस प्रकार की अगर कोई किसान का बेटा सहायता मांग लेता है तो सरकार की तरफ से साफ जवाब मिला जाता है। इस तरह से इन मिनिस्टरों ने लूट मचा रखी है। यहां पर ये सामने बैठने वाले भाई फिर चौधरी देवी लाल के बारे में तरह तरह की बातें करते हैं। उस जैसा तो इस हरियाणा में कोई ही पैदा होगा। आप सब उसकी वजारत में वजीर रहे हैं। (व्यवधान) * *

* * * * * * *

(ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः दलाल साहब, आपका समय हो गया, अब आप खत्म कीजिये।

चौधरी उदय सिंह दलालः बस डिप्टी स्पीकर साहब, एक दो बातें कहकर मैं खत्म करता हूं। मैं यहां पर सेल्ज टैक्स के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। वैसे तायल साहब ने मेरे से वायदा किया है कि ऐसी कोई बात नहीं होंगी लेकिन मैं आपकी मारफत इस हाउस को और राठी साहब को एक बात बताना चाहता हूं। मैंने एक केस के बारे में सरकार को पहले ही लिखा है कि एक चने का ट्रक दिल्ली ले जाया गया और उसमें 600 रुपये

की सेल्ज टैक्स की चोरी हुई हैं। इसके बारे में एक विजीलैंस के अधिकारी ने तहकीकात की है और रिपोर्ट दी है कि हरियाणा स्टेट का ऐसी चोरियों के कारण लगभग 1 लाख 11 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। उसने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि एक ही ट्रक इस टाइम पर बादली से गुजरा और उस ट्रक की कोई वहां पर चुंगी चौकी पर ऐन्टरी नहीं हुई। (ाोर एवं व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, अगर ऐसे केसिज पर पैनल्टी लगाई जाए तो कई लाख रुपये की सेल्ज टैक्स की चोरी का पता लग सकता है। वे केस इसलिये दब गये क्योंकि वे आदमी राठी साहब के साथी थे, राठी साहब के दोस्त हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर यह सेल्ज टैक्स की चोरी वाली बात झूठी हो तो मैं एम0एल0ए0 की सीट छोड़ने के लिये तैयार हूं। या फिर ये छोड़ दें। (ाोर एवं व्यवधान) (घंटी) मैं कई बार यह बात इन लोगों के नोटिस में ला चुका हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी मेहर सिंह राठीः डिप्टी स्पीकर साहब, यह बिल्कुल गलत कह रहे हैं, इन्होंने कभी मेरे नोटिस में यह बात नहीं लायी। (ाोर एवं व्यवधान)

आवाजेंः डिप्टी स्पीकर साहब, यह बिलकुल ठीक है। सेल्ज टैकस की चोरी हुई है। (ाोर)

चौधरी मेहर सिंह राठीः डिप्टी स्पीकर साहब, ये सिद्ध कर दें। मेरे नोटिस में यह कभी नहीं लाए। (विघ्न) कौन दौस्त, किसका दोस्त, मुझे इस बारे में बिल्कुल भी पता नहीं है। (ाोर)

चौधरी उदय सिंह दालालः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं चैलेंज करता हूं कि अगर * * * * * *

चौधरी मेहर सिंह राठीः डिप्टी स्पीकर साहब, हमें इन्होंने बिल्कुल नहीं बताया कि कौन आदमी है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः राठी साहब, आप त ारीफ रखिये (ाोर) दलाल साहब, आप वाइंड अप करें। आपका समय हो चुका है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दालालः डिप्टी स्पीकर साहब,

* * * * * *

* * * * * *

श्री उपाध्यक्षः यह जो कह रहे हैं, रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान) श्री भगमल जी, आप बोलिये। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी मेहर सिंह राठीः डिप्टी स्पीकर साहब, यह गलत इलजाम मेरे ऊपर लगा रहे हैं। यह नाकाबले बरदा त है, पहले भी कई गलत इलजाम लगाते रहे हैं, मेरे सामने इन्होंने कभी यह

बात नहीं कहीं (ाोार एवं व्यवधान) * * * * *
*

* * * * * *

श्री मूल चन्द जैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ये मिनिस्टर आपके आर्डर से बोल रहे हैं या यूं ही हाउस का समय बरबाद कर रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी मेहर सिंह राठीः ये ऐसे ही किसी के ऊपर कीचड़ उछाल रहे हैं। (ाोर)

चौधरी उदय सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं उस
* * * * * * * * * * * *

चौधरी मेहर सिंह राठीः उस आदमी ने इसकी इलैक ान में मुखलिफत की होगी, तभी इसको उससे चिड़ है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः साहेबान, आप बैठिये, मैंने भागमल जी को बोलने के लिये कह दिया है।

चौधरी राम लाल वधवाः डिप्टी स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने बोलते हुए यह चेलैन्ज दिया है कि मैं इस्तीफा दे दूंगा और दूसरी तरफ चौधरी उदय सिंह दलाल जी ने कुछ सच्ची बातें यहां हाउस के सासमने रखीं और कहा कि अगर यह बात झूठी होगी तो मैं इस्तीफा दे दूंगा नहीं तो राठी साहब दे दें। तो मेरती आप से रिकवैस्ट है कि यह मामला बड़ा सीरियस है

पहले भी जब इस तरह की बात कभी हाउस के सामने आती थी, तो मामले प्रिविलेज कमेटी को सौंप दिये जाते रहे हैं। इसलिये यह मामला भी आप प्रिविलेज कमेटी के सुपुर्द कर दें ताकि सच्चाई सामने आ जाए। (व्यवधान एव भाोर)

Mr. Deputy Speaker: This is not on the record of the Assembly. (Interruptions) You please give it to me in writing, if you so like. I will then examine it.

चौधरी उदय सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं यह पूछना चाहता हूं कि ** * * * *

श्री उपाध्यक्षः यह जो कुछ कह रहे हैं, यह रिकार्ड न किया जाए। भागमल जी आप बोलें।

डा0 मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह मामला बड़ी सीरियस है और आप फरमा रहे हैं कि यह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः डाक्टर साहब, वे मेरी इजाजत के बिना बोल रहे हैं।

परिवहन मंत्री (श्री जगननाथ): डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें सीरियस क्या बात है ? मिनिस्टर साहब ने तो केवल इतना ही कहा है कि चौधरी उदय सिंह दलाल ने हमारे नोटिसा में कभी कोई ऐसा मामला नहीं लाया।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भागमल जी आप बोलें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भागमल (सढौरा– अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, आपका बड़ा बड़ा धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। जो बजट वित्त मंत्री श्री बलवन्त राय तायल ने इस हाउस में पे ा किया है, मैं उस पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बजट स्पीच में सरकार की तरफ से कुछ आ वासन भी दिये गये हैं कि बैक्वर्ड क्लासिज भाडयूल्ड कास्टस और भाडयूल्ड ट्राइब्ज के लोगों को रियायतें दी हैं और उनके इंट्रैस्ट को वाच किया जाएगा। मैं आपके द्वारा इस हाउस में यह बताना चाहता हूं कि सरकार ने पिछले 30 सालों से बड़े बड़े नारे लगाये हैं, आंसू बहाये हैं कि गरीब हरिजनों और बैकवर्ड लोगों के लिए हर तरह का संरक्षण दिया जाएगा। पर वास्तव में ऐसी बात नहीं है और अब अगले दस साल और इसी कमी को दूर करने के लिये मांग लिये गये हैं। यह तो डिप्टी स्पीकर साहब, गरी हरिजनों के साथ धोखा है, यूं ही लोगों को बहकाया जा रहा है। आज यह हरियाणा का बजट भी यहां पर प्रस्तुत है। इसमें भी कोई ऐसी स्कीम काई प्रावधान हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए नहीं है, जिससे कि उन्हें ऊपर उठाया जा सके और वे बेचारे सुख का सांस ले सकें। डायरैक्टर वैलफेयर आफ भाडयूल्ड कास्टस ऐंड बैकवर्ड क्लासिज की तरफ से एक लेटर जो मुझे मिला है, उसका नम्बर 23986 दिनांक 10–12–79 है। उसमें

हरिजनों के संरक्षण के बारे में बताया है कि क्लास वन में 3.4, क्लास टू में 3.9 और क्लास थ्री में 7.5 परसैंट संरक्षण है जबकि होना चाहिए 20 परसैंट। डिप्टी स्पीकर साहब अफसोस की बात यह है कि 30 साल पिछले गुजर गये हैं और 10 साल और इनको हरिजनों की भलाई के लिये मिल रहे हैं लेकिन यह सरंक्षण कभी भी पूरा नहीं होगा। मैं गवर्नमैंट से डिमांड करूंगा और चाहूंगा कि वह हाउस में एक वायदा दे कि कम से कम इस साल तो जरूर इस संरक्षण को पूरा किया जाएगा। अब तक इनको जो संरक्षण दिया गया है वह तो केवल दिखाने को है। बैकवर्ड क्लासिज के बारे में वैसे तो बहुत बातें हो रही हैं कि उनके लिये हम यह कर रहे हैं वह कर रहे हैं। लेकिन मैं समझता हूं कि उनको रिजर्वे ान का भी पूरा कोटा दे दिया जाए तो उनकी हालत सुधर सकती है।(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी राम कि ान पदासीन हुए) इसलिये मैं गवर्नमैं से प्रार्थना करूंगा कि वह इस मामले पर ठंडे दिल से सोचे। पीछे मेरे एक भाई ने बैकवर्ड कम्यूनिटी कें बारे में एक रैजोल्यू ान दिया था। ट्रैजरी बैंचिज की तरफ से भी और इस तरफ से भी उस रैजोल्यू ान पर अच्छी अच्छी बाते कही गई थी लेकिन जब उस रेजोल्यू ान पर वोटिंग की मांग की गई तो ट्रैजरी बैंचिज की तरफ से ऐसा रवैया अख्तियार किया गया कि उस पर वोटिंग नहीं होनी चाहिये। इसलिये जो उनके आंस बहा रहे हैं वे सिर्फ दिखावे के हैं असल में उनके साथ इनकी सिम्पथी नहीं है। मैं गवर्नमैंट से रिकवैस्ट करूंगा कि जिस तरीके से वह हरिजनों का ध्यान रखती है उसी

तरीके से वह बैकवर्ड क्लासिज का भी ध्यान रखें। इसके बाद मैं एक बात के लिए गवर्नमैंट को धन्यवाद देता हूं कि उसने भाडयूल्ड कास्टस के आठवीं क्लास के ऊपर के लड़कों का स्कालरि ा बढ़ा दिया है। लेकिन कुछ ऐसे लड़के और लड़कियां भी हैं जो कम्पीटी ान में आकर स्कालरि ाप लेते हैं उनका सकालरि ाप अभी नहीं बढ़ाया गया है। उनको इस समय बहुत थोड़ा स्कालरि ाप मिल रहा है। अगर उनको इतना थोड़ा स्कालरि ाप देना है तो उनको कम्पीटी ान में बैठने का क्या फायदा ? इसलिये मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि जहां हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज को यह सुविधा दी गई है वहां उन लड़कें और लड़कियों को भी यह सुविधा दी जाए। चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा हाउस में एक बात और रखना चाहता हूं । हमारे यहां पी0डब्लयू0डी0 और इरीगे ान डिपार्टमैंटस में काफी वर्कचाजर्ड ऐम्पलाइज है।। वे लोग बीस बीस साल से लगे हुए हैं लेकिन अभी तक उनको रैगुलर नहीं किया गया। रैगुलर न करने के कारण उनको जब भी चाहो हटाया जा सकता है। सरकार ने पे–कमी ान बिठा कर बाकी सब कर्मचारियों को फायदा दिया है लेकिन चूंकि ये वर्कचार्ज्ड कर्मचारी हैं इसलिए यह फायदा उनको होने वाला नहीं है। इसलिये सरकार से मेरी प्रार्थना है कि उनको जल्द से जल्द रैगुलर किया जाए। जो कमेटी पे कमी ान की रिकमैंडे ांज को इम्पलीमैंट करने के लिए बैठी है वह उनके ग्रेडज के बारें में जरूर ध्यान दे ताकि इनके साथ जो बे–इंसाफी हो रही है। वह दूर हो सके। इसी तरह से हमारे बहुत सारे

जे0बी0टी0 टीचर्ज 1970 से ट्रेनिंग लिये बैठे हैं। और जब कभी सिलैक ान की बात आती है तो उनको सिलैक्ट नहीं किया जाता। अब उनकी उमर भी तीस साल की होने वाली है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि जब आगे कोई सिलैक ान किया जाए ताकि जो लोग 10–12 साल से बेकार बैठे हैं उनको नौकरी मिल सके। चेयरमैन साहब, आपको पता है कि मेरी कांस्टिचुऐंसी सढौरा है। वह एक ऐसा गांव है जहां 19वीं भाताब्दी में लाहौर के बादप दूसरी म्युनिसिपल कमेटी बनी थी। वह जगह गुरू गोबिन्द सिंह और बन्दा बहादुर से जुड़ी हुई है। वह एक हिस्टारिकल प्लेस है लेकिन आज उस जगह की हालत बहुत बुरी है। पानी के बारे में मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर दो तीन टयूबवैल्ज लगे हुए है। अगर आप वहां से पानी की एक बालटी भरें तो थोड़ी देर बाद देखें कि बालटी में नीचे मिट्टी बैठी होती है। ऐसा पानी पीने से अब तक उस एरिया में 3–4 डैथस हो चुकी हैं। एक मरीज को पी0जी0आई0 में दाखिल करवाया गया है। उसकी जांच करने से पता चला है कि उसकी किडनी खराब हो गई है। मैं सरकार का और खासकर हैल्थ डिपार्टमैंट का इस ओर ध्यान दिलाऊंगा कि वे वहां जाकर चैक करें। चार डैथ होने के बाद भी आज तक किसी ने रिपोर्ट नहीं की कि उस पानी में क्या कमी है। वहां पर जो टैंक है और हैंड पम्प हैं उनका पानी पीने के काबिल नहीं है। इसलिये इस ओर ध्यान देकर वहां के लोगों के स्वास्थ्य के बारे में वि ोश ध्यान दिया जाए। वहां पर जो प्राइमरी हैल्थ सैंटर है उसके पास पूरी दवाइयां नहीं है। जब उनके पास मरीज जाते हैं

तो उनको दाखिल नहीं किया जाता। लेडीज को लेबर के केस में जाना पड़ता है लेकिन वहां पर पूरा इन्तजाम नहीं है। इसलिये मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वहां पर स्पै ाल इन्तजाम किया जाए। वहां पर एक 30 बैड के हस्पताल के लिये कागज जा चुके हैं और वह मंजूर भी हो चुका है लेकिन अभी तक काम भ्रुरू नहीं हुआ है। इसके अलावा हालांकि वह बड़ी इम्पोर्टैंट जगह है लेकिन न तो उसके ब्लाक हैडक्वार्टर बनाया गया है और न ही तहसील बनाई गई है। उस बैल्ट में ऐसे गांव हैं अगर उसको तहसील बना दिया जाए तो वह जस्टी फाइड है। जगाधरी को जिला बनाना सरकार के विचाराधीन है इसके साथ साथ मैं यह प्रार्थना करूंगा कि इसको तहसील बना दिया जाए ताकि वहां के लोगों को अम्बाला और नारायणगढ़ न जाना पड़े। मैं आपका भ्रुक्रिया अदा करते हुए सिर्फ दो बातें और कहना चाहता हूं। हमारा इलाका भी कालका और नारायणगढ़ जैसा है। इस इलाके के लिये हरिजनों की चौपालों के लिये एक प्रावधना रखा गया है। ऐसे ही नारायणगढ और कालका के लिये भी है। लेकिन कालका और नारायणगढ़ में सरकारी की तरफ से 75प्रति ात ग्रांट दी जाएगी और सढौरा और छछरौली में 50 प्रति ात दी जाएगी। पीछै चीफ मिनिस्टर साहब वहां गये थे और उनके सामने यह समस्या लाई गई थी। उन्होंन वहां पर वायदा किया था कि इस इलाके में भी 75 प्रति ात ग्रांट दी जाएगी लेकिन अभी तक वह दी नहीं गई है। वह बैकवर्ड इलाका है और लोगों के पास छोटे छोटे घर हैं। वे लो 50 प्रति ात पैसा नहीं दे सकते इसलिये अगर 75 प्रति ात

ग्रांट दे दी जाए तो उन गरीब लोगों को कुछ राहत मिल जाएगी। (घंटी) चेयरमैन साहब, मेरा हलका नदियों से भरा पड़ा है। जब बरसात होती है तो पहाड़ी इलाकों से पानी आकर नीचे लोगों को नुकसासन पहुंचाता है। जब बरसात खत्म हो जाती है तो एक बूंद भी पानी नहीं मिलता। पानी गहरा होने की वजह से वहां पर टयूबवैल्ज नहीं लग सकते हैं। (घंटी अगर एक आध जगह लग भी जाता है तो बिजली की कमी है। इसलिये जिस तरह से छोटे छोटे बांध बना कर एक्सपैरिमैंटस किये जा रहे हैं और उनसे लोगों को फायदा भी बहुत हो रहा है उसी तरह से इस तमाम बैल्ट में छोटे छोटे बांध बनवाए जाएं। इस पर ज्यादा खर्च नहीं होगा और इससे फ्लड की पोजी ान भी ठीक हो जाएगी। बांध बांधने से पानी सिंचाई के काबिल हो सकता है। और जमींदारों को फायदा होगा। चेयरमैन साहब, मैं कहना तो और भी चाहता था लेकिन आप चूंकि बार बार घंटी बजा रहे हैं इसलिए मैं इस बजट के बारे में केवल एक बात यह कहना चाहता हूं कि इसमें जो इस सरकार ने वायदे किये हैं यदि सरकार उन वायदों को ठीक तरह से पूरा करती है और जो इसमें 40–50 करोड़ रुपए का घाटा दिखाया है अगर इस घाटे को सरकारी बीच में कोई ऐक्स्ट्रा टैक्स न लगा कर पूरा कर लेती है तो मै। इस सरकार को बधाई दूंगा। लेकिन चेयरमैन साहब मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि यह सरकार इस घाटे को बिना टैक्स लगाये पूरा नहीं कर सकेगी। बल्कि यह टैक्स जरूर लगाएगी। चेयरमैन साहब, यदि यह सरकार यह वायदा करे कि हम कोई टैक्स नहीं लगाएंगे तो मैं इस बजट का समर्थन

करता हूं वरना मैं इस बजट का विराध करते हुए अपना स्थान लेता हूं और आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री भाम ोर सिंह (नरवाना): चेयरमैन साहब, मेरे लोकदल के और जनता पार्टी के भाईयों ने खास करके जो अभी थोड़ी देर पहले बोल रहे थे, चौधरी उदय सिंह दलाल और हमारे विपक्ष के नेता बाबू मूल चन्द जैन जी, इन्होंने बजट पर चर्चा करते हुए जो इस प्रदे ा की आर्थिक व्यवस्थसा का नक ाा खींचा है, जो आज डिफिक्लटीज हैं, चाहें डीजल की है, चाहे कैरोसीन की है और चाहे सीमेंट की हैं इन सब चीजो की कमी के लिए आज की कांग्रेस (आई) सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। चेयरमैन साहब मैं अपने विरोधी भाइेयों से नम्र भावना से अर्ज करना चाहता हूं कि जरा आप अपने अंदर झांक कर देंखे ओर इस बात को टटोलें कि इनस्टैबिलिटी की जो द ाा है उसके लिए दरअसल कौन जिम्मेदार है ? चेयरमैन साहब, 1977 में जब जनता पार्टी की सरकार इस दे ा में सत्ता में आई तो उस समय दे ा की अर्थ व्यवस्था यह नहीं थी, जो आज है। पिछले दो अढ़ाई साल के अर्से के दौरान जो जनता पार्टी का भाासन रहा उसके कारण आज की अर्थ व्यवस्था बहुत बिगड़ी हैं। चेयरमैन साहब, इनस्टैबिलिटी की सारी जिम्मेदारी जनता पार्टी की सरकार की है क्योंकि उसमें जो घटक थे, वे आपस में लड़ और उसका नतीजा यह हुआ कि दे ा का जो प्र ाासन था उसका ध्यान जनता की समस्याओं की तरफ

नहीं रहा। चेयरमैन साहब, उसके साथ साथ इन्स्टबिलिटी के जो दूसरे नतीजे निकले उनसे दे ा की अर्थ व्यवस्था बिगड़ गई। कोयले की जो खाने थीं उनसे कोयला निकलना बंद हुआ और अर्थ व्यवस्था बिगड़ जोने के कारण बहुत सी हड़तालें हुई, जिस वजह से डीजल की भी कमी हुई। जो हमारी रेलवे है उसका ढांचा ठीक तरह नहीं चला। इसकी वजह से जो हमारे थर्मल प्लांटस हैं उनमें कोयला पहुंच नहीं पाया। इस वजह से थर्मल प्लांटस बिजली भी ज्यादा नहीं हो सकी जिसकी वजह से हमारे कृशि उत्पादन के ऊपर भी बहुत बुरा असर पड़ा क्योंकि टयूबवैल्ज को पूरी बिजली के साधन नहीं जुटाए जा सके। चेयरमैन साहब, बिजली की कमी के कारण जाहं कृशि उत्पादन कम हुआ उसके साथ साथ कारखानों का भी उत्पादान कम हुआं। इस उत्पादन के गिरने के कारण दे ा में चीजों की कीमतें और बढ़ गई और इस वजह से कंज्यूमर प्राइस इनडैक्स भी बहुत ऊंचा बढ़ गया। चेयरमैन साहब, इस अवधि मैं जितनी प्राइस बढ़ी है इसकी मिसाल मेरे ख्याल में पिछले 30732 साल में नहीं मिलेगी। चेयरमैन साहब, इस आर्थिक अव्यवसाि का कारण मैंने पहले कहा दरअसल में राजनीति इनस्टैबिलिटी ही थी। इसलिए जो आज बाद में कांग्रेस (आई) की सरकार है वइ इसके लिए कतई तौर पर जिम्मेदार नहीं है बल्कि जनता पार्टी के ये मेरे साथी ही इस बात के लिए जिम्मेदार हैं। चेयरमैन साहब, मैं उदाहरण के तौर पर एक बात हाउस में बताना चाहता हूं कि 1978 में भारत सरकार ने श्री जगजीवर नाम जी की अध्यक्षता में चीनी की पालिसी निर्धारित

करने के बारे में एक कैबिनेट सब कमेटी बनाई थी। उस कमेटी ने यह रिपोर्ट दी कि चीनी का मुकम्मल तौर पर डी–कंट्रोल कर दिया जाअए और उसके फलस्वरूप चीनी का डी–कंट्रोल किया गया। हमारे दे ा के जो अर्थ भाास्त्री थे उन्होंने इस बात को चैलेंज किया कि अगर चीनी को डी कंट्रोल करके खुली मार्किट पर छोड़ दिया जाएगा तो इसका नतीजा बहुत बुरा होगा। चेयरमैन साहब, उसका नतीजा यह हुआ कि थोड़े समय के लिए चीनी तो सस्ती हो गई लेकिन किसानों को उनके भाूगरकेन की कीमत पूरी नहीं मिली जिसकी वजह से किसानों ने निरा ा होकर भाूगर केन की फसल बोने में दिलचस्पी नहीं ली और उसका नतीजा आज आप देख ही रहे हैं। कि चीनी का क्या भाव है ? तो इन सारी चीजों के लिए उस समय की जनता पार्टी की सरकार ही जिम्मेदार है। चेयरमैन साहब, जो हमारे बजट में लगभग 31 करोड़ का घाटा है और इस घाटे में वेतन आयोग की रिपोर्ट की वजह से 15 करोड़ और जड़ने वाला है। इस घाटे का मेन कारण उस समय की जनता पार्टी की गलत नीतियां हैं और जनता पार्टी इस इनफ्ले ान को रोकने का एक ही तरीका है कि सख्त कंट्रोल किया जाए और उस पर कड़ा नियंतत्रण लगाया जाए। दूसरा तरीका यह है कि वितरण प्रणाली को सुदृढ़ किया जाए, उसको व्यापक बनाया जाए। इसके अलावा मैं एक सुझाव देना चाहता हूं कि जो हमारे ऐडमिनिस्ट्रे ान के खर्च हैं उनमें बहुत जयादा इकौनोमी बरतने की जरूरत है। अगर मेरे इन दो तीन सुझावों पर गौर किया जाए तो किसी हद तक इन्फ्ले ान के असर को रोका

जा सकता है और दे ा के लोगों को चीजों की कमी से राहत मिल सकती है। चेयरमैन साहब, मैं आपकी इजाजत से इन तीन प्वायंटस को थोड़ा सा एलैबोरेट करना चाहूंगा। जहां तक इन चीजों को सख्ती से कंट्रोल करने का ताल्लुक है इसके लिए कानून बने हुए हैं और सरकार कानून के मुताबिक सख्ती से कार्यवाही करे लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि सरकार के रास्ते में दिक्कत क्या है ? चेयरमैन साहब, मैं यह बात कहने से कोई संकोच नहीं करूंगा कि भाायद ऐसा करने की पोलिटिकल बिल न हो। अगर सरकार सख्ती से इन कमियों को दूर करने के लिए कार्यवाही करे तो इसमे ंकामयाबी हासिल करने में कोई अड़चन नहीं आएगी। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री कन्हेया लाल पोसवाल पदासनी हुए) चेयरमैन साहब, उदाहरण के तौर पर मैं बताना चाहूंगा कि परसों जब मैं अपनी कांस्टिचुऐंसी में गया तो मुझे बताया गया कि एक दुकानदार की सिविल सप्लाई के महकमे के अफसरान ने चीनी बूरा और खण्डसारी की कुछ बोरियां पकड़ी हैं। जो कि स्टाक की हुई थी। उन अफसरान ने बूरा और खण्डसावरी के स्टाक के बारे में तो मुकद्दमा दर्ज कर लिया लेकिन चीनी का स्टाक उसमें नहीं दिखाया बल्कि उसे एक हलवाई के जुम्मे लगा दिया। इसी तरह से एक पैट्रोल पम्प पर छापा मारा गया उस पैट्रोल पम्प पर कुछ गड़बड़ नहीं था। अपना केस ठीक रखने के लिए उन्होंने रिपोर्ट में यह लिखा कि उस पैट्रोल पम्प पर तेल तो था लेकिन वह बेचने से इन्कार करता था। इसके दूसरी तरफ एक दूसरा पैट्रोल पम्प था

उसके खिलाफ कोई ऐक ान नहीं हुआ। इसके खिलाफ लोगों ने जलूस भी निकाला था। चेयरमैन साहब, मैं एक बात 15 रोज पहले सिविल सप्लाई मंत्री के नोटिस में लाया था, मैंने सरकार को चिट्ठी भी लिखी थी कि अगर सरकार यह चाहती है कि जरूरी आर्टिक्ल्ज की स्केरसिटी खत्म हो, आर्टिफि ियल महंगाई कंट्रोल की जाए तो सरकार को मन बनाकर, नीयत बनाकर इन लोगों के विरूद्ध कार्यवाही करनी चाहिए जो इस किस्म की हेराफेरी करते हैं। दरअसल जो लोग ऐसे कामों में इंडल्ज करते हैं, उनके खिलाफ चार मामले दर्ज करके या 50 मामले दर्ज करके माम नहीं चलेगा। इस पालिसी से सरकार का काम नहीं चलेगा और जो डिजायर्ड ईफैक्टस हैं, वे हासिल नहीं होंगे। सबसे पहली मुख्य बात है कि वितरण प्रणाली को सुदृढ किया जाए। चेयरमैन साहब, हाउस में एलान किया गया कि जिस गांव की आबादी दो हजार से ज्यादा है उस गांव में सरकार कोआप्रेटिव कंज्यूमर्ज स्टोर्ज खोलना चाहती है। सरकार का जो इरादा है इसके लिए मैं सरकार को मुबारिकबाद देता हूं लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी कहना चाहूंगा कि केवल दो हजार की आबादी का ही सवाल नहीं है, सवाल इस बात का है कि हर उस मुहल्ले में जहां हरिजन बैकवर्ड भाई रहते हैं, भाहरों में कारखानों के मजदूर भाई, गांव के मजदूर, खेती–मजदूर, छोटे किसान या सरकारी मुलाजिम यानी जहां इन तबकों की एकत्रित पापुले ान है, यह पापुले ान चाहे 80 घरों की है, चाहे 100 घरों की है, वहां सरकार को दुकानों खोलनी पड़ेंगी और बहुत जल्दी खोलनी पड़ेंगी। ये

दुकानें ठीक प्रकार के आदमियों के माध्यम से खोलनी पड़ेंगी ताकि चीजों की स्केरसिटी की वजह से और महंगाई की वजह से लोगों में जो बेचैनी है,उसको काबू किया जा सके।

तीसरी बात मैं पालिटिकल लीडरि ाप के बारे में कहना चाहूंगा। पोलिटिकल लीडरि ाप, यानी हमारे मिनिस्टर, कैबिनैट मिनिस्टर, ऐडमिनिस्ट्रे ान से संबंधित बड़े बड़े लोग अपनी तरफ से काम करने का जो नमूना पब्लिक के सामने पे ा करते हैं, लोग उसी पर अमल करते हैं। जन साधारण इन लोगों के कामों की तरफ देखती है। सरकार को आउस्टैरिटी मैयर्ज अपनाने चाहिए और सरकारी खर्चों में कमी करनी चाहिए। मैं समझता हूं कि हमारे मंत्री समझदार आदमी हैं। मुझे मालूम है कि उनको ऐसी चीजों की लालुपता नहीं है, लेकिन फिर भी अगर उनके पास बड़ी बारें हैं, चाहे उन कारों का ज्यादा खर्चा भी न होता हो, फिर भी दिखावे के लिए ये कारें और कोठियां उन्हें नहीं रखनी चाहिए क्योंकि इनको देखकर समाज के जो दूसरे वर्ग हैं, आफिसर लोग हैं, उनके सामने जब आउस्टैरिटी की बात आती है तो वे अमल नहीं करते। इसलिए मेरी गुजारि ा है कि छोटी कारें और छोटे बंगलों का प्रयोग मंत्री करें। मंत्रिमंडल की रूप रेखा को ही खूबसूरत बनायें ताकि दूसरे लोगों पर अच्छा प्रभाव पड़े। इन तीन बातों पर अगर सरकार अमल करेगी तो सरकार की क्रेडिबिलिटी बढ़ेगी। सरकार की बात का लोगों को यकीन होगा और सरकार लोगों के दिल और दिमाग में उतरेगी। जब सरकार की बात का

लोगों पर असर होना भुरू होगा तो उसका कीमतों पर भी असर पड़ेगा। यानि सारे कामों पर असर पड़ेगा। चेयरमैन साहब, ये बातें मैं अपनी पार्टी की सरकार होने के नाते कह रहा हूं क्योंकि मैं इन बातों को ज्यादा महसूस करता हूं और इसलिए महसूस करता हूं क्योंकि मेरी यह प्योर भावना है कि जिस पार्टी से मैं संबंधित हूं। उसका इम्मेज, उसका नक ाा खूबसूरत हो ताकि हम गौरव के साथ अपना सर ऊंचा कर के चल सकें। चेयरमैन साहब, थोड़ा टाईम होने के कारण मैं बहुत जल्दी जल्दी में कह रहा हूं। अब मैं कुछ सुझाव देना चाहता हूं। पहला सुझााव खर्चा कम करने के बारे में हैं। सरकारी खर्चा कम करने का एक और तरीका भी है। सरकार ने एक काम करने के लिएि कई कई एजैंसियां बनाई हुई हैं। मैं उन सारी एजेंसियों का नाम याद नहीं रख सकता लेकिन ये एजेंसिंया एक ही काम करती हैं। किसान को टयूबवैल लगाने के लिए या कोई दूसरा काम करने के लिए कर्जा मिलता है। कर्जा लैंड डिवैल्पमैंट बैंक के इलावा सैंट्रल कोआप्रेटिव बैंक भी देता है, दूसरे फाइनैंि ायल बैंक्स भी कर्जा देते हैं और ये जमीन की लैवलिंग के लिए, मकान बनाने के लिए और टयूबवैल लगाने के लिए भी कर्जा देते हैं। एक ही काम के लिए तीन एजैंसियां काम करती है। इसी तहर मुफाल एस0एफ0डी0ए0, लैंड रिक्लेमे ान एंड डिवैल्पमैंट कारपोरे ान वगैरह कई एजेंसिया हैं जो एक ही तरह का काम करती हैं। चेयरमैन साहब, पिछली सरकार चाहे वह जनता पार्टी की सरकार थी, चाहे लोक दल की सरकार थी, जो भी हो, मैं हर बजट सै ान में सुझाव देता था कि इन एजेंसियों

के खर्चे में कमी की जा सकती हैं। खर्चा कैसे ज्यादा होता हे, यह बताने जा रहा हूं। हर एजेंसी का, हर कोरपोरे ान का अलग बोर्ड होता है और उस बोर्ड का अलग चेयरमैन होता है। इनके अपने अपने रैस्ट हाउसिज हैं। और उन रैस्ट हाउसिज में एस्टेबलि ामैंट है। इन एजेंसियों से किसान को बड़ी भारी दिक्कत है। एक एजेंसी के छोड़ कर दूसरी एजेंसी में जाना पड़ता है। कर्जे के लिए दरख्वास्त देनी पड़ती है। अगर एक ही एजेंसी हो तो बहुत सा खर्चा कम हो सकता है। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार की थोथी बातों को सुनते सुनते लोगों के कान पक गए हैं। मैंने चौधरी देवी लाल को कहा था कि किसान का नाम जितना आप लोगों ने उछाला है, जितनी डि सर्विस आपके किसान की की है, उतीन किसी ने नहीं की और किसान को मेन स्ट्रीम से दूर लाकर खड़ा कर दिया। उस वक्त मैंने कुछ सुझाव दिए थे, लेकिन आज मुझे यकीन है कि हमारी पार्टी की सरकार है, डिसिप्लिन्ड पार्टी है, मेरे सुझावों पर जरूर अमल करेगी। अब मैं कोआप्रेटिव अदारे, पंचायती राज के अदारों के बारे में अर्ज करना चाहूंगा। चेयरमैन साहब, आप गांव से ताल्लुक रखते हैं, आपका बड़ा वास्ट एक्सपीरिएंस रहा हे, इन अदारों कें द्वारा गांव के लोग तरक्की के कामों में हिस्सा ले सकते हैं और तरक्की कर सकते हैं। लेकिन सैंकंड लाईन की जो लीडरि ाप है, उसमें ये अदारे अपना रोल अदा कर सकते हैं। मेरे कहने का मतलब है कि इन दोनों अदारों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। कोआप्रेटिव अदारों में

पालिटिकल दखल बहुत ज्यादा है। चेयरमैन साहब, आपको तजुर्बा है, कोई भी चुनाव चाहे वह कोआप्रेटिव बैंक का है, चाहे किसी कारपोरे ान का है, बिना पोलिटिकल दखल से पूरा नहीं होता। इसका नतीजा यह होता है कि जो ठीक आदमी है वह इलैक ान लड़ने से डिसहर्टन हो जाता है, घर बैठ जाता है। इसके इलावा सरकारी आफिसर्ज की तबदीलियां बहुत ज्यादा होती हैं, चाहे वे कोआप्रेटिव भूगर मिल के हो, चाहे हैफेड के हों। चेयरमैन साहब, आई0ए0एस0 आफिसर्ज और एच0सी0एस0 आफिसर्ज को मैनेजिंग डायरैकअर आदि लगाने की प्रथा पिछले कई सालों से चली आ रही है जिसका नतीजा यह है कि उनकी तीन, चार या छः महीने से ज्यादा वहां पास्टिंग नहीं होती। क्योंकि वे परमानेंटली वहां पर नहीं ठहरते। इस तरह से कोआप्रेटिव सैक्टर बड़ा निगलैक्टिड है। पंचायती राज का भी बहुत बुरा हाल है, इसका कोई पूरा डायरैक्टोरट नहीं है। डायरैक्टर पंचायत, डिप्टी सैक्रेटरी भी होते हैं, इसलिए वे सैक्रिटेरिएट में बैठते हैं। वहां तो एक डिप्टी डायरैक्टर और ज्वांयट डायरैक्टर का छोटा सा आफिस है। आज किसी को यह पता नहीं कि गांव के स्तर पर जो कर्मचारी है उसकी ट्रांसफर कौन करेगा ? उनकी सविर्स कंडी ान्ज कहां से रेगुलेट होंगी किसी को पता नहीं। कभी फाईल डायरैक्टोरेट में जाती है तो कभी सैक्रिटेरियट में आती है। इसके लिए सरकार को थ्री टायर सिस्टम अपनाना पड़ेगा। जिला परिशद और पंचायत समितियों को बना कर उनके चुनाव करवा कर पूरी पावर जिला लैवल तक की जिला परिशद को दी जाए। आज गांव में एक

पटवारी रहता है, एक ग्राम सेवक रहता हे। एक सब इंस्पैक्टर ऐग्रीकल्चर रहता है, एक बिजली का कर्मचारी होता है, एक हैल्थ डिपार्टमैंट का कर्मचारी होता है। कहने का मतलब यह कि 7–8 वर्कर्ज भिन्न भिन्न महकमों के गांव में रहते हैं। सब डिविजन और जिला लैवल पर कोई ऐसा आफिसर नहीं है जो एक कोओर्डिनेटर का काम करें। चेयरमैन साहब, ब्लौक डिवैल्पमैंट की स्कीम जब बनी थी, इसका परपज यह था कि इंटेग्रेटिड एप्रोच गांव के कामों की तरफ हो। काआर्डिनेटर के रूप में बी0डी0ओ0 होगा। भुरू भुरू में आपने देखा होगा कि सारे महकमों के कर्मचारी एक बिल्डिंग में बैठते थे और गांव के लोगों को वहां जाकर अपने काम करवाने में सहूलियत होती थी। आज किसी को पता नहीं कि वह अपने काम के लिए कहां जाए। (विघ्न) चेयरमैन साहब, मैं एक मिनट से ज्यादा नहीं लूंगा।

चेयरमैन साहब, वेतन आयोग की रिपोर्ट को ऐग्जामिन करने के लिए सरकार ने जो कमेटी बनाई है। उसके बारे में एक बात कहना चाहता हूं। इस समय इसमें तीनों आफिसर्ज आई0ए0एस0 के हैं। इससे नौन आई0ए0एस0 लोगों में बड़ी बेचैनी है। इसलिए मैं चाहूंगा कि इसमें चौथे मैम्बर के रूप में या तो ऐग्जामिनर लोकल फंडज अकांउटस को ले लिया जाए या प्रिसिंपल अकांउटस कालेज को ले लिया जाए ताकि कमेटी को टैक्नीकल राय भी मिल जाए और दूसरे लोगों को सैटिसफैक ान भी हो जाए। (विघ्न) मैं चेयरमैन साहब, एक बात बेरोजगारी और

हरिजनों के बारे में कहना चाहता हूं। हरिजनों को जमीन देने की बात बहुत देर से चली आ रही है। यह बड़ा भारी पोलिटिकल मसला है। मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि चाहे वह नजूल की जमीन है, कस्टोडियन जमीन है, सरकारी जमीन है या कोई दूसरी जमीन है, सरप्लस जमीन को छोड़कर और किसी जमीन के अधिकार मल्कियत हरिजनों को अभी तक ट्रांसफर नहीं हुए हैं। जिसकी वजह से लगातार मुकद्दमाबाजी में और रि वतखोरी में हरिजनों का सारा टाईम और रुपया जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि अब हमारी सरकार जल्दी ही इस मसले को हल करेंगी।

चेयरमैन साहब, बेरोजगारी के मसले के बारे में मैं यह कहूंगा कि सरकार सबको रोजगार तो नहीं दे सकती है लेकिन बेरोजगारों से खिलवाड़ करना तो बंद कर सकती है। मैंने पीछे भी यह सुझाव दिया था कि ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज गांव में भी खोलें जाएं, रूरल ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंजिज के दफतर बड़े बड़े गांव में खोले जाएं। मंत्री महोदय ने सवाल के जवाब में कहा कि गांव में जाकर के नाम रिकार्ड करेंगे लेकिन वह प्रैक्टिकल बात नहीं है। चेयरमैन साहब, मैं यह भी दरख्वास्त करूंगा कि जब कभी कोई पोस्ट ऐडवरटाइज हो, उसका इन्टरव्यू और इम्तहाचन होने के बाद रिजल्ट निकालने के लिए कोई टाईम निर्धारित होना चाहिए चाहे वह पन्द्रह दिन का हो या एक महीने का हो। प्रायः देखा गया है कि एस0एस0एस0 बोर्ड और सर्विस कमी ान 6–6 महीनें तक, एक एक साल तक रिजल्ट आउट नहीं करते। लोग

इन दफतरों के चक्र काटते फिरते हैं केवल यह पूछने के लिए कि कब फैसला होगा। सिफारि ाों पर सिफारि ों चलती हैं, लिस्टों पर लिस्टें बदली जाती हैं आज सर्विस कमी ान और एस0एस0एस0 बोर्ड के ऊपर बेरोजगार लोगों का कोई कांफिडैंस नहीं है।। मेरी सरकार से यह गुजारि ा है कि यह बड़ा सीरियस मैटर है। आप कृपया सर्विस कमी ान और एस0एस0एस0 बोर्ड में बेरोजगारों का कांफिडैंन्स क्रिएट करें। इसके अलावा मेरी यह भी प्रार्थना है कि एक तो किसी पोस्ट के लिए ऐप्लाई करने के लिए जो फीस रखी जाती है वह माफ होनी चाहिए और दूसरा इन्टरव्यू के लिए आने जाने का किराया उनकों दिया जाना चाहिए। चेयरमैन साहब, यह बात कहकर आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए)

श्री सभापतिः चौधरी संत कंवर।

श्री भागी रामः चेयरमै साहब, मैं आपसे यह पूछना चाहता हूं कि यहां बोलने के लिए, अपने विचार रखने के लिए, आपसे कैसे इजाजत लेनी पड़ती है ?

श्री सभापतिः आपने इजाजत दुरूस्त ली। कई सदस्य बोलनै के लिए खड़े हुए और मैंने कहा कि श्री संत कंवर जी बोलेंगे। (हंसी) आप घबराएं नहीं, आपको भी समय मिलेगा।

(विघ्न) एक अपोजी ान की तरफ से बोल रहा है और एक ट्रैजरी बैंचिज की तरफ से बोल रहा है।

चौधरी संत कंवर (हसनगढ): चेयरमैन साहब, मैं आपका बहुत भाुक्रगुजार हूं जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। (विघ्न)

श्री सभापतिः मुझे पता है कि आप बहुत अच्छी स्पीच देंगे और अच्छी सुजै ान्ज भी देंगे। (विघ्न) नो इन्ट्रप ान प्लीज।

चौधरी संत कंवरः चेयरमैन साहब, * * * सरकार के वित्त मंत्री द्वारा यह जो 48 पृश्ठो का कागज का पलन्दा यहां पे ा किया गया है। इसके ऊपर मैं भी अपनी बात दस पन्द्रह मिनट में खत्म करना चाहूंगा। चेयरमैन साहब, बड़े दुःख की बात है कि इस सरकार ने हरियाणा प्रदे ा की जनता की आंखों में धूल झोंकते हुए यह बजट पे ा किया है। इस बजट में 31 करोड़ रुपयेा का घाटा दिखाया गया है। 15 करोड़ रुपये का और घाटा पे कमी ान की रिपोर्ट से होगा। कुल मिला कर यह 46 करोड़ रुपये का घाटा होगा।

चेयरमैन साहब, इस बजट के अंदर से तरफ तो यह लिखा गया है कि नैचुरल कैलेमिटीज से किसानों का बहुत नुक्सान हुआ है लैकिन दूसरी तरफ बड़े अफसोस की बात है कि उनको सहूलियित देने की कोई बात इसके अन्दर नहीं लिखी गई हैं। उल्टा तीन करोड़ रुपये का कट वित्त मंत्री जी ने ऐग्रीकल्चर

पर लगाया है जबकि दूसरी पूंजीवाद को बढ़ाव दिया है क्योंकि पूंजीपतियों से चुनाव मैं पैसे लिए थे। (विघ्न)

श्री सभापतिः आपके पास कोई हिसाब होगा ?

श्री सभापतिः चेयरमैन साहब, इन्होंने बहुत सारी सहूलियतें व्यापारियों को दी हैं। सबसे बड़ी छूट तो यह है कि दो लाख रुपये तक की सेल के सेल्ज टैक्स का हिसाब किताब अब वे स्वयं रखेंगे। (विघ्न) चेयरमैन साहब, सात किस्म की रियायतें व्यापारियों को दी गई हैं दूसरी तरफ एक भी पैसा किसानों की भलाई के लिए इन्होंने इस बजट के अंदर पिछले साल के बजट के मुकाबले में ऐड नहीं किया है, उल्टा तीन करोड़ रुपये का कट लगाया है।

इसी तरीके से चेयरमैन साहब इन्होंने हैल्थ के मद में 60 लाख रुपये का कट लगाया है। स्वास्थ्य के बारे में ये कहते तो बहुत कछ हैं लेकिन लेकिन आज ही आपने सुना होगा एक सवाल के जवाब में हमारे मंत्री जी ने बताया कि बहुत सारी हमारी औरतें बच्चा पैदा होते ही मर जाती हैं, उन्हें कोई मैडिकल सुविधा नहीं मिल पाती। इसके बावजूद भी वित्त मंत्री जी ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। आज दूर दराज के गांव में एक भी ऐसा हस्पताल नहीं है जहां हमारी बहू बेटियां बच्चा होने के समय में मैडिकल सुविधा प्राप्त कर सकें।

चेयरमैन साहब, अब मैं इस सदन का ध्यान एक वि ोश बात की तरफ दिलाना चाहता हूं। हमारे कई साथियों ने खास तौर स्वामी जी ने इस सरकार की बड़ी बड़ाई की है। चौधरी देवी लाल की वे बुराई करते रहे। चेयरमैन साहब, बहुत सारे इलाकों में, खास तौर पर मेरे इलाके में इस साल भी ओले पड़े और पिछले साल भी ओले पड़े थे। (विघ्न) मेरे इलाके में 15 गांव में पिछले साल ओले पड़े और 15–20 गांव में इस बार औल पड़े। सरकार को हमने चिट्ठियां भी लिखीं लेकिन सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। कोई रियायत नहीं दी। आज तक यह भी डिकलेयर नहीं किया कि हम उगाही माफ कर देंगे। इस किस्म की सरकार जो किसान मजदूर को तहस नहस कर रही है, वह चल नहीं सकती। जितना इस सरकार का वकाचर है उसके बारे में आपको पता ही है। मैं इस बात वित्त मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि इतनी लंबी कारें हरियाणा में पहले कभी नहीं थी लेकिन मंत्रीगण आजकल गांवों में लंबी लंबी कारे लेकर जाते हैं। गांवों के लोग उनको देखना भी पसन्द नहीं करते हैं क्योंकि यह डिफैक्टर्ज की सरकार है इसलिए उनकी भाक्ल देखना जनता पसन्द नहीं करती।

चेयरमैन साहब, बेरोजगारी बराबर बढ़ रही है। आज गरीब आदमी अपना पेट बांध कर अपने बच्चों को स्कूलों तथा कालेजों में पढ़ाता है लेकिन वे पढ़ लिख जाते हैं उनको नौकरी नहीं मिलती। जो लोग सरकार में होते हैं या जिन के हाथ में

ताकत होती है उनके बच्चों को नौकरी मिल जाती है या उनके बच्चों को मिलती है जो रि वत देते हैं या सिफारि ा करवाते हैं। भ्रश्टाचार का बोलबाला है। गरीब आदमी के बच्चे बेरोजगार फिर रहे हैं, कोई पूछने वाला नहीं है। मैं इस सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि बेरोजगार जब सड़कों पर आ जायेंगे तो इस सरकार को एक दिन भी चलने नहीं देंगे। इस बजट स्पीच में बेरोजगारी हटाने के बारे में कोई भी जिक्र नहीं है। चौधरी देवी लाल की सरकार ने जो गरीबों के लिए गांवों में सुविधायें प्रदान की थीं, वे भी इन्होंने भाहर के रहने वालों के हाथों में सौंप दी। चौधरी देवी लाल की सरकार के टाईम पर यह हिदायत जारी की गई थी कि गांवों का रहने वाला बेरोजगार युवक इंडस्ट्र लगा सकता है। सरकार ने पहले इसीलिए यह अंकु ा लगाया था कि भाहर के रहने वाले बड़े सयाने होते हैं और अमीर भी होते हैं। इसलिए उनको वहां आज्ञा न दी जाये। दूसरे ऐसा करने से गांवों के बेरोजगार लोगों को रोजगार मिल जाता था लेकिन इस सरकार ने वह सब खत्म कर दिया। आज जिन गरीब नौजवानों ने गांवों में इंडस्ट्रीज लगायी थी वे बच नहीं सकती क्योंकि तायल साहब और दूसरे मंत्री जी अपने भाहर के रहने वालों को गांवों में भेज दें गे और वे ही वहां इंडस्ट्री लगायेंगे। इसलिए उन लोगों को इजाजत देकर सरकार ने गलत काम किया है।

चेयरमैन साहब, इस सरकार ने डीजल का भी कोई प्रबन्ध नहीं किया है। सूखे के टाईम पर किसान ब्लैक में छः छः

रुपये लीटर तेल लेते रहे। बिजली आती ही नहीं। यह सरकार कहने को कहतली है कि आठ घंटे तक बिजली देते रहे हैं जबकि एक एक और दो दो घंटे बिजली मिलती थी।

चेयरमैन साहब, एस0वाई एल0 के बारे में कांग्रेस (आई) सरकार ने नारा दिया है कि हम पानी लेकर आयेंगे। हम अपनी लोक दल की पार्टी की तरफ से एलान कर चुके हैं कि अगर एस0वाई0एल0 का पानी लेने के लिए यह सरकार जो भी आन्दोलन चलायेंगी हम उसका साथ देंगे लेकिन यह सरकार किसी प्रकार का कोई कदम उठाने के लिए तैयार नहीं। एस0वाई0एल0 का पानी सुप्रीम कोर्ट का फैसला होने के प चात भी हमें नहीं मिलेगा क्योंकि उसके बाद कोई और टैक्नीकल अड़चन आयेगी जिसके कारण फिर रूकावट पड़ेगी। इसलिए इस पानी को लेने का तो एक ही तरीका है कि पंजाब के दिल्ली जाने के सारे रास्ते रोक दिये जायें। पंजाब वाले हमारे भाई हैं, आज से कुछ साल पहले हमारा एक ही प्रान्त था लेकिन जिस तरह से पंजाब वाले कर रहे हैं वह अच्छा नहीं। पंजाब के अंदर पानी बेकार जा रहा है, समुद्र में जा रहा है लेकिन हमारे हरियाणा की जमीन पानी के लिए तरस रही है, किसानी पानी के लिए हाहाकार मचा रहा है लेकिन वे इस पानी को देने के लिए तैयार नहीं। इस नहर की खुदाई का हरियाणा के पास एक ही तरीका है कि पंजाब के तमाम रास्ते जो हरियाणा से दिल्ली को जाते हैं दस दिन के लिए रोक दिये जायें तो अपने आप ही वह इस पानी को देंगे।

जब तक उनके साथ हम ऐसा व्यवहार नहीं करेंगे। तब तक वे पानी देंने वाले नहीं हैं।

चेयरमैन साहब, दो तीन बातें इस सरकार ने बड़ी अच्छी की है जैसे हरिजनों के लड़कों को दस रुपये महीना वजीफा देना आरम्भ कर दिया है और दूसरे बाल्मिकीयों की पचास रुपये महीने के हिसाब से तन्ख्वाह में बढ़ौतरी की है।। बहिन भाांति जी को भी मैं बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने 300 लड़कियों के स्कूल खोलने के लिए कहा है। बड़ी अच्छी बात की है।

चेयरमैन साहब, आपका पता है कि जब नयी नयी जनता सरकार बनी तो उसमें हमारे स्वामी परमानन्द (स्वामी आदित्यवे ा) भाराब के बड़े विरोधी थे। उन्होंने एम0एल0ए0 होस्टल में भूख हड़ताल भी की थी। बड़ाा भारी स्टैप लिया था। जब हम एम0एल0ए0 होस्टल में मिलने के लिए गये तो हमने कहा कि स्वामी जी आप अकेले ही भूख हड़ताल पर बैठे रहे तो भी हम तमाम आपके साथ होंगे क्योंकि भाराब बन्दी होनी चाहिए लेकिन स्वामी जी बीच में भूख हड़ताल खत्म करके चले गये। पहले यही स्वामी जी सै ान में रैजोल्यू ान सरकार के खिलाफ लाते थे लेकिन अब उनको कुंछ ंपता नहीं है कि भाराब बन्दी भी होनी चाहिए या नहीं। पहलें वे 300 गांवों में लिखवा कर रैजोल्यू ान भेजा करते थे, बहुत अच्छी बात करते थे लेकिन आज उनकी हालत यह है कि वे भाराब बेचने के लिए भी तैयार हैं। दलाल

साहब ने बताया है कि विदे ाों में मार्किट की तला ा मैं हैं। (हंसी) चेयरमैन साहब, स्वामी तो सभी के होते हैं इसलिए उनको सब भाइयों की भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए।

अब मैं चेयरमैन साहब, आपके द्वारा कुछ सुझाव भी सरकार को देना चाहता हूं। पहला सुझाव तो यह है कि जो यह इतना बड़ा मंत्रिमंडल है इसको छोटा किया जाये। जो इतनी लंबी लंबी कारें लिए फिर रहे हैं, इनको बदलवाया जाये। ये मिनिस्टर कारों के काबिल नहीं हैं इनको तो स्कूटर दिये जाने चाहिए। (हंसी)

दूसरा मेरा यह सुझाव है कि जितने भी कार्पोरे ान और बोर्ड हैं इनकी मैन्टैन्स पर बड़ा भारी खर्चा हो रहा है। इन खर्चों को कम करना चाहिए। बोर्ड और कार्पोरे ान में एम0डी0 की मेज पांच पांच हजार रुपये की है।

तीसरी बात यह कहना चाहता हूं कि फरीदाबाद में जितनी भी फैक्ट्रीज हैं उनके हैड आफिसिज दिल्ली में हैं। उनका सारा सैल्सटैक्स हमें आना चाहिए लेकिन वह दूसरी स्टेटस को जा रहा है। सरकार को इस बारे में कोई रास्ता निकालना चाहिए। सरककार को कोइै कमेटी बनानी चाहिए, वह इस बारे में विचार करके उनके हैड आफिसिज को यहां हरियाण में लायें। अगर उनके दफतर हरियाण में आ जायें तो हमारा बजट घाटे में नहीं रहेगा।

इन भाब्दों के साथ मैं इस बजट का विरोध करता हूं क्योंकि यह बजट पूंजीपतियों का है और गरीबों को मरने वाला है और आपका धन्यवाद करता हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

कैप्टन मांगे राम (झज्जर–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, वर्श 1980–81 का हरियाण का जो बजट हमारे वित्त मंत्री श्री बलवन्त राय तायल जी ने रखा है उसका समर्थन करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। इस बजट को फाईनैन्स डिपार्टमैंट के जिन ऐक्सपर्टस ने बनाया वे सब के सब दाद के मुस्तहक हैं। जनता सरकार का वर्श 1977–78 का पहला बजट श्री सतवीर सिंह मलिक जी ने पे ा किया थां (विघ्न) जो बजट मलिक साहब ने पे ा किया था उसका जैन साहब ने क्रिटिसिज्म किया था। उन्होंनें यह भी कहा था कि यह व्यपार विरोधी बजट है और पुराने आंकड़े इकट्ठे करके इसे तैयार किया गया है। उन्होंने यह कहा था कि इस बजट का मैं समर्थन तो करता हूं परन्तु यह जरूर कहूंगा कि यह प्लानिंग के साथ तैयार नहीं किया गया। इसके बाद वर्श 1979–80 का बजट बाबू मूल चन्द जैन जी ने पे ा किया ाि। जैन साहब खुद जानते हैं कि हमारी विधान सभा के सदस्यों ने उसे किसान विरोधी बजट बताते हुए बजट की प्रंतियां फाड़ डाली थीं। उसके बादप का अर्थात वश्र 1980–81 का बजट हमारे वित्त मंत्री श्री बलवन्त राय तायल जी ने पे ा किया है। कई दिनों से इस बजट पर चर्चा चल रही है। इय बजट हमारी कांग्रेस 'आई' के

लोगों ने पसन्द किया है। इस बजट के अन्दर केवल 31.14 करोड़ रुपये का घाटा दिखाया गया है। मेरी हरियाणा के मुख्य मंत्री जी से गुजारि ा है कि इस घाटे को अपने खर्चों में कमी करके और सैंटर सरकार से पैसा लेकर पूरा करें।

चेयरमैन साहब, हरियाणा प्रदे ा कृशि प्रान्त है। इस प्रदे ा के अन्दर पिछले दो तीन सालों से बाढ़, सूखे और अकाल से तबाही हो रही है। कहीं पर ओले पड़े हैं तो कहीं पर सूखा पड़ा है। सूखे से लगभग 165 करोड़ रुपये के घाटे का अनुमान लगाया गया है। सूखा पड़ने के कारण किसानों को आबियाना में छूट दी गई है और उनके कर्जों की वसूली को रोगा गया है। बाल्मीकियों के लिए हमारी सरकार ने 50 रुपये प्रतिमास के हिसाब से बढ़ायें हैं। मजदूरो की मजदूरी 6 रुपये से बढ़ा कर 8 रुपये कर दी है। बैकवर्ड क्लासिज के लिए रिजर्वे ान 5 प्रति ात से बढ़ाकर 10 प्रति ात कर दी है।

आप जानते हैं कि बिजली की कमी सारे भारतवर्श में रही है। बिजली की ही कमी नहीं रही अपितु डीजल, तेल आदि की भी काफी मात्रा में कमी रही है। इराक से काफी मात्रा में तेल आ रहा है। मुझे आ ाा है कि तेजी की कमी पूरी हो जायेगी। आपको भी मालूम है कि बिजली अधिक पैदा करने के लिए थर्मल प्लांट चालू किए गए हैं। पिछले दिनों पानीपत के अन्दर 110 मैगावाट का एक थर्मल प्लांट चालू किया गया। दूसरा प्लांट भी लगभग तैयार है और आ ाा है कि वह भी भीघ्र चालू हो

जायेगा। इसी प्रकार से फरीदाबाद और यमुनानगर के अन्दर भी थर्मल प्लांट चालू किए जा रहे हैं हरियाणा के अन्दर बिजली की जो कमी चली आ रही है यह कमी इन प्लान्टों के चालू हो जाने के बाद दूर हो जायेगी। हमारे पिछले साल की योजना 210 कराड़ रुपये की थी। इस सरकार ने वर्श 1980–81 के लिए 240 करोड़ रुपये की योजना तैयार की है।

श्री मूल चन्द मंगलाः आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। कैप्टन मांगे राम बजट पर बोल रहे हैं। जवाब तो वित्त मंत्री महोदय दे देंगे।

कैम्टन मांगे रामः चेयरमैन साहब, अब मैं बिजली बोर्ड के बार में कुछ अर्ज करता हूं। बिजली बोर्ड के अन्दर एक सिक्योरिटी विंग है। जिसके अभी तक पे–स्केल रिवाईज नहीं किए गए हैं। (विघ्न) अगर कर दिए गए हैं तो अच्छी बात है क्योंकि इनकी 24 घंटे की ड्यूटी होती है। इस श्रेणी में ज्यादातर ऐक्स सर्विसमैन हैं। इसलिए उनके पे–स्केल अव य रिवाईज किए जाएं।

चेयरमैन साहब, अब मैं इन्डस्ट्रीज के बारे में कहना चाहता हूं। मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करता हूं कि झज्जर को इन्डसिट्रयली बैकवर्ड घोशित किया जाये। इस एरिया को देखनके लिए बड़े बड़े डायरैक्टर साहब और बड़े बड़े ऐक्सपर्ट आये थे। उन्होंने वि वास दिलाया था कि झज्जर को इन्डस्ट्रियली बैकवर्ड घोशित कर दिया जायेगा। लेकिन खेद है कि इस क्षेत्र को अभी

तक बैकवर्ड घोशित नहीं किया गया है। हरियाणा के दूसरे इलाकों को देखते हुए झज्जर को भी भीघ्र बैकवर्ड घोशित भीघ्र किया जाये। जिस प्रकार से धारुहेड़ा और नवादा को सरकार ने बैकवर्ड घोशित किया है उसी प्रकार से झज्जर क्षेत्र को भी किया जाना चाहिए।

चेयरमैन साहब, आपको मालूम है कि झज्जर तहसील के अन्दर ज्यादतर फौजी हैं और वे सिवाही रेंक से पैं ान लेकर आते हैं। उन पैन् ान से उनके बच्चों का गुजारा नहीं चलता। खर्चे बढ़े जा रहे हैं और उस पैं ान से उसके घर का खर्चा नहीं चल पाता। इसलिए मैं चाहता हूं कि उनके लिए सर्विसिज में अधिक रिजर्वे ान होनी चाहिए। अगर उनकी एज भी ज्यादा होती है तो उसमें रिलैक्से ान होनी चाहिए। कोई व्यक्ति फौज से 40—45 वर्श की आयु के करीब ही रिटायर होकर आता है। इसलिए मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी ऐज में सर्विस के लिए रिलैक् ान होनी चाहिए। सर्विसिज में जो भाार्ट फाल है वह भी पूरी होनी चाहिए।

चेयरमैन साहब, झज्जर म्यूनिसिपल कमेटी के बारे में मुझे बड़ा खदसा है। वहां की सड़कें टूटी पड़ी हैं। जब हमारे मिनिस्टर लोग वहां पर जाते हैं तो उन्होंने म्यूनिसिपल कमेटी की सड़कों को देखा गया होगा। उन सड़कों की बहुत बुरी हालत है। चेयरमैन साहब गुडयानी वाटर सप्लाई स्कीम बनाई जानी थी जिसके अनदर कासनी, सुरहती, खेड़ी ढ़ांकला, सुबाना आदि गांव

आते हैं, लेकिन वह स्कीम अभी तक चालू नहीं की गई। इएलिए मैं मंत्री जी से प्राथना करता हूं कि उस स्कीम को जल्द से जल्द चालू किया जाये।

चेयरमैन साहब, अब मैं ऐजुके ान के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। झज्जर तहसील सैनिकों की तहसील है। वहां का एरिया बाढ़ से इफैक्टिड है। मेरे हल्के के अन्दर पिछले वर्श के दोरान 2 मिडल स्कूलों को हाई स्कूल और दो प्राईमरी स्कूलों को मिडल स्कूल बनाया गया है। इसलिए मैं चाहता हूं कि झज्जर तहसील सैनिकों की तहसील होने की वजह से वहां पर ज्यादा से ज्यादा स्कूल अपग्रेड किए जाएं।

चेयरमेन साहब, मेरे हल्के में सबसे कम सड़कें बनी हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि तालाब से छूछकवास और अहमदपुर, पड़तल, सरोल, भीड़ावास ग्राम वाली सड़कें बनाई जाएं।

चेयरमैन साहब, अब मैं ट्रांसपोर्ट के बारे में भी कहना चाहता हूं। ट्रांसपोर्ट का डिपार्टमैंट श्री जगन नाथ जी के पास हैं। मेरी उनसे प्रार्थना है कि सालहावास और नाहड़ के एरिया में बसें चालू करने के लिए कम से कम चार बसें दी जायें क्योंकि हरियाणा में 200 बसें और आ रही हैं दूसरे मेरी यह भी प्राथ्रना है कि झज्जर से चण्डीगढ़ और चण्डीगढ़ से झज्जर के लिए बसें चलनी चाहिएं ताकि झज्जर के लोगों को चण्डीगढ़ आने जाने में

कठिनाई न हो। इसी तरह से कोसली जो कि राव राम नारायण जी के हल्के सालहावास के साथ लगती है औन नयी सब तहसील भी बन गयी है, यहां से चण्डीगढ़ और वाईस वर्सा के लिये एक बस जरूर लगानी चाहिए। .... (व्यवधान) .... (घंटी) ..... चेयरमैन साहब, बस एक मिनट में खत्म कर रहा हूं। एक बड़ा झगड़ा है। झज्जर के थाने की बिल्डिंग फ्लड की वजह से बिल्कुल टूट गयी है और वह बिल्डिंग बिल्कुल तबाह हो चुकी है इसलिये इयी भी जल्दी से जल्दी बनाया जाये वरना वहां के पुलिए वालों को भगौड़ों की वजह से सजा सकती है। इसी तरह से अनाज मंडी की बाबत भी मैं कहना चाहता हूं वपहां पर सीवरेज और सड़क का सारा काम कम्पलीट हो चुका है। प्लाटस भी 188 के करीब काट दिये गय हैं। अगर 20–25 प्लाटस वहां के लोकल बिजनैसमैन को रीजनेबल रेटस पर दे दिये जायें तो वहां पर आउटसाईड वाले लोग भी आकर प्लाट खरीदेंगे और वह मंडी डिवैल्प हो जायेगी। (व्यवधान व भाोर) इसके अलावा एक और मामला है। यह जो सो ाल वैल्फेयर डिपार्टमैंट है, राठी साहब इसके वजीर हैं, जो कि यहां पर बैठे हुए हैं। सो ाल वैल्फेयर के लिए बजट तो काफी बढ़ाया गया हे लेकिन पता नहीं क्यों पहले जो जनता सरकार के टाईम पर दो तीन स्कीमों चल रही थीं व बन्द कर दी गयी हैं। एक स्कीम भाडयूल्ड कास्टस लोगों को ड्रिकिंग वाटर प्रोवाइड करने के बारे में थी। इस स्कीम के तहत तीन हजार रुपया नया कुंआ खोदने के लिये मिलता था। वह भी खत्म कर दी गयी है। इसके अलावा 500 रुपये कुओं की रिपेयर

सबसिडी के तौर पर दिया जाता था जो कि अब बन्द कर दिया गया हैं इसके अलावा मकानों की कंस्ट्रक ान के लिये पहले 2000 रुपये मिलते थे अब वे घटाकर 1000 रुनसे की दिये गये हैं। इसके अलावा रोहतक में सिर्फ 25000 रुपया इन्ट्रैस्ट फ्री लोन स्कीम के तहत बांटा गया है जो कि बहुत ही कम रकम है। मैं चाहूंगा इसके कम से कम 2 लाख किया जाये। गवर्नमैंट मैडीकल कालेज तथा हस्पताल रोहतक की पोस्ट ग्रैजुएट कोर्सिज में हरिजनों के लिए रिजर्वे ान नहीं है। मेरा हरियाणा सरकार से अनुरोध है कि यह रिजर्वे ान भाडयूल्ड कास्टस के लिए भीघ्र से भीघ्र करवाने की कृपा करें। चेयरमैन साहब, मैं एक और चीज कहना चाहता हूं। मैं सरकार की बुराई तो नहीं करता लेकिन जो सच्ची बात है वह अगर कह दूं तो कोई हर्ज नहीं है। फूड एण्ड सप्लाईज डिपार्टमैंट में कुछ लोगों को क्लर्क और जूनियर आडीटर्ज के पदों से पीयन्ज के पदों पर विर्ट कर दिया गया है। 6–7 साल की सर्विस इन बेचारों की इन पोस्टों पर हो गयी है लेकिन फिर भी इनकोम रिवर्ट कर दिया गया है। वे भाडयूल्ड कास्टस लोग हैं जिनको 7 साल तक जूनियर आडीटर्ज और क्लर्के की पोस्टों पर काम करते हुए हो गयह हैं लेकिन अब इनको यह कहा गया है कि क्योंकि इनका नाम एस0एस0एस0 बोर्ड ने एप्रूव नहीं किया, इसलिये इनको रिवर्ट किया जा रहा हे। यह कितनी ज्यादती की बात है जबकि उनकी अप्वायंटमैंट के वक्त ऐसी कोई भार्त नहीं रखी गयी थी। इन लोगों ने हाई कोर्ट में रिट भी कर रखी है। इन्हें अब यह कहा जा रहा है कि आप पीरन वाली

तनख्वाह ले लो। (विघ्न) ये कहते हैं कि रिजेर्वे ान इन प्रोमो ान वाली पालिसी अपना रहे हैं, मैं कहता हूं कि रिब र्ान इन प्रमो ान वाली बात चल रही है। इसलिये मैं आपके जरिये सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि वह इन गरीब भाडयूल्ड कास्टस लोगों की तरफ ध्यान दें और इनको पुनः जूनियर आडीटर और क्लर्क की पोस्टों पर लगाया जाये।

श्री सभापतिः अब आप वाइन्ड अप कीजिये। (घंटी)

कैप्टन मांगें रामः चेयरमैन साहब, मैं आपका बहुंत आभारी हूं क्योंकि आपने मुझे बोलने के लिये समय दिया।

वित्त मंत्री (लाला बलवन्त राय तायल): चेयरमैन साहब, पिछले चार दिनों से वश्र 1980–81 का जो बजट है, उस पर होने वाली बहस में मेरे साथियों ने और अपोजी ान बैंचिज वालौं ने हिस्सा लिया। जैसे किसी ने बजट को देखा, उसी तरह की अपनी अपनी राय दीं सबसे पहले चेयरमैन साहब, अपोजी ान के लीडर ने इस बजट पर बहस का उदघाटन किया। इन्होंने कई विधान सभाओं के अन्दर कई बार बजट पे ा किये हैं, घाटे के भी और नफे के भी किये हैं।

चौधरी भजन लालः नफ का कोई नहीं किया। .....

लाला बलवन्त राय तायलः चलो घाटे के ही किये होंगे। मैंने यह जो घाटे का बजट पे ा किया है। मेरा यह ख्याल था कि जैन साहब मेरी मदद करेंगे यह सुझाव देकर कि इस घाटे

को कैसे पूरा किया जाये। मैं इनसे सुझावों की उम्मीद रखता था। यह बाप चेयरमैन साहब जानते हैं कि आज हरियाणा के अन्दर जितने टैक्स लगे हुए हैं, अगर उन्हीं को ठीक तरीके से वसूल/इकट्ठा कर लिया जाये तो भाायद हमें कोई भी नया टैक्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जैन साहब का पहला ख्याल तो यही था। लेकिन जब टैक्सों की बात करते हैं तो इन के दिमाग में पहले तो हलवाई आते हैं। अगर हलवाई इनसे खु ाामद कर कराके पीछा छुड़ा भी लें तो फिर इनके दिमाग में चेयरमैन साहब वे लोग या व्यापारी आते हैं जो आज हरियाणा के अन्दर बाहर से थोड़ा बहुत सामान थैलों में लाकर 10–15 रुपये मजदूरी के कमा लेते हैं, उनको पकड़ने के लिये इनके दिमाग में बात आती हतै। चेयरमैन साहब, मैं एक मिसाल आपकी मार्फत हाउस में देना चाहता हूं। जब कोई बच्छी के लिए दूध नहीं छोड़ता। यही कोि ा ा करता है कि चूहंटी से दूध निकाल लें। इसी तरह से जैन साहब की यह प्रोपोजल है कि हम उन लोगों को भी पकड़ें जो थैलों में थोड़ा बहुत सामान लेकर आते हैं। रेलवे वालों के प्रिमसिज के अन्दर तो हम घुस नहीं सकते क्यों कि उनकी अपनी फोर्स होती है। इनका कहना यह है कि हम उन लोगों की भी तला ाी लें जिस तरह से पुरानी राजाओं की एस्टेटस में तला ाी हुआ करती थी। इस तरह से भी हम पैसा इकट्ठा करें। भाायद हम इस तरह से एक लाख या दो लाख इकट्ठा ही कर पायें लेकिन उस एक या दो लाख रुपये से ज्यादा देखने वाली बात यह है कि इससे कैसा पब्लिक ओपीनियन बनता है और इस चीज की

रिकवरी के लिये कितना स्टाफ लगाना पड़ता है और इससे इन्कम कुल कितनी होगी ?

श्री मूल चन्द जैनः चेयरमैन साहब, मैंने यह कहा है कि आज भी करोड़ों रुपयों के उचन्ती सौदे हो रहे हैं, ये उनको चैक करें।

लाला बलवन्त राय तायलः जैन साहब, जरा ध्यान से सुनें। मैं सब बातों पर आऊंगा। जितनी तकरीरें मैंने अपोजी ान के साथियों की सुनी हैं। सुझाव बहुत कम लोगों ने दिए हैं डाक्टर मंगल सैन तो इस तरह से बोल रहे थे जिस तरह से किसी ड्रामे में पार्ट प्ले कर रहे हों। (व्यवधान व भाोर)

डा0 मंगल सैनः हम मिलकर ही नौटंकी करते रहे हैं। आप तो उधर भाग गये हैं, लेकिन हम तो वहीं कायम हैं। (व्यवधान व भाोर)

लाला बलवन्त राय तायलः चेयरमैन साहब, मैं इस बजट के बारे में श्री मूल चन्द जैन की तकरीर का जिक्र कर रहा था। इन्होंने कुद तजवीजें दी। इन्होंने यह कहा कि फरीदाबाद के अन्दर जो बड़ी बड़ी इन्डस्ट्रीज लगी हुई हैं उन्होंन अपने हैड आफिस दिल्ली वगैरा में खोले हुए हैं वे अपना माल वहां पर ले जाते हैं जिसकी वजह से हरियाणा को बहुत नुकसान हो रहा है। अगर हम वह टैक्स वसूल कर लें तो हरियाणा के बजट का घाटा पूरा किया जा सकता है हो सकता है कि इनकी राय में यह ठीक

हो कि हम उन इंडस्ट्रीज को अपना हैड आफिस दिल्ली में खोलने की इजाजत न दें। इनको याद होगा कि एक बार इन्होंने ऐसा ही किया था जिस पर गवर्नमैंट आफ इंडिया ने दखल किया था और यह कहा था कि किसी भी स्टेट को इस तरह की पाबन्दी लगाने का अधिकार नहीं है। यही नहीं उसके तहत जो कानून बनाया गया था उसको वापिस भी लेना पड़ा। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) स्पीकर साहब, इसी के साथ मैं यह भी सदन को बताना चाहता हूं कि इनके द्वारा बना हुआ सामाना जितना हरियाणा में बिकता है उसका टैक्स हमें मिलता है और इसके साथ ही साथ हरियाणा के लोगों को मजदूरी मिलती है। (व्यवधान) यह बात ठीक है कि उनका बिजनैस चलता है लेकिन यहां के लोगों को मजदूरी भी तो मिलती है। स्पीकर साहब, अबर हम उन पर इतना हैवी टैक्स लगाच दें जितने की उनकी फैक्टरी भी न हो तो आप यह बात मानेंगे कि ये सोयेंगे और कैलकुलेट करेंगे कि हरियाण में इतना टैक्स देना पड़ता है जितनी कीमत की फैक्टरी नहीं है तो साथ वाली स्टेटस में जैसे यू0पी0 है, वहां गाजियाबाद में वे अपनी फैक्टरीज ले जायेंगे। इसलिए उतना ही टैक्स लगाना वाजिब होगा जितना वे दे सकें। स्पीकर साहब, जितनी चीजें उन फैक्टरीज द्वारा बनाई जाती हैं और उन चीजों की जितनी खपत हरियाणा में होती है उनका सैन्ट्रल सेल्ज टैक्स हमें सारा मिलता है। स्पीकर साहब, इन्होंने बजट में छः परसैंट बचत की बात की है। मैं कहना चाहता हूं कि हम आगे भी इसी तरह से बचत करते रहेंगे। मैं सदन को यह भी बता दूं कि जब ये

मिनिस्टर थे तो इन्होंने डिवैल्पमैंट के कामों पर कम खर्च किया। हम बचत करके ज्यादा से ज्यादा पैसा डिवैल्पमैंट के कामों पर खर्च करेंगे।

इसके साथ ही साथ जैन साहब ने यह भी कहा कि जो बजट पे ा किया गया है उसमें लीकेज बहुत ज्यादा हे और अगर लीकेज को कम कर दें तो खर्चा पूरा हो जाएगा। मैं जैन साहब का भाुक्रगुजार होऊंगा अगर लीकेज दूर करने के बारे में ये कोई ठोस सुझाव देंगे। स्पीकर साहब, आजकल एक और जहनियत पैदा हो गई है कि अगर बजट में कोई टैक्स न लगाया जाए तो कहा जाता है कि बजट में कोई जान नहीं है। स्पीकर साहब, आज जिस जगह पर जैन साहब बैठे हैं, मैं कह नहीं सकता कि वह जगह इसके लिए मौजूं भी है या नहीं। ये ऐसी जगह पर बैठे हैं, जो जगह पुराने जमींदारों के लिए हैं। स्पीकर साहब, पता नहीं इनको याद भी है या नहीं, मैं याद करा देता हूं कि 1938 में ये और मैं कांग्रेस में आए थे और उस समय आसोदा में जमींदारों ने इनकी पिटाई की थी। आज जिस हैसियत में ये वहां बैठे हैं उससे तो ऐसा गलता है जैसे कि ये भाो टोए हहों। इससे ज्यादा कुछ नहीं लगते। (व्यवधान) बी0के0डी0 तो मैंने बनाई थी। चौधरी चरण सिंह उस वक्त बी0के0डी0 में नहीं आए थे और जब वे आए थे तो मैं छोड़ गया था। स्पीकर साहब, जेन साहब ने खादी बोर्ड का जिक्र किया। ये कह रहे थे कि कुछ रुपया खादी बोर्ड का जो चेयरमैन था उसको काम करने का मौका नहीं दिया गया। स्पीकर

साहब, इस बारे मैं मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि अगर चेयरमैन ईमानदारी से काम करना चाहे तो सरकार उसको रोकती नहीं है उसको ऐनकरेज करती है। अगर चेयरमैन यह सोचना भ्राय कर दें कि जो कर्जा दिया जाए उसमें कमी ान ले लूंगा तो यह चीज कैसे सरकार बर्दा त कर सकती है।। (व्यवधान)

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, यह बिल्कुल गलत बात कह रहे हैं। चेयरमैन को जो सस्पैंड किया गया है और जो चार्ज ाीट दी गई है उसमें भी यह चार्ज नहीं है। (व्यवधान)

लाला बलवन्त राय तायलः जैन साह को भ्रांति से सुनना चाहिए। स्पीकर साहब, जैन साहब कह रहे हैं कि यह चार्ज गलत है। अगर जैन साहब, खादी बोर्ड की फाइल देखें तो सब कुछ पता लग जाएगा। खादी बोर्ड का चेयरमैन होने के बाद इस चेयरमैन ने अपनी माली हालत कितनी बनाई है, वह सब पता लग जाएगा। (व्यवधान)

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री ने जो कुछ कहा है उसके बारे में मैं कुछ कहना चाहता हूं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपको बाद में टाईम मिलेगा, अभी आप बैठिए।

लाला बलवन्त राय तायलः स्पकर साहब, पे कमी ान के ऊपर बोलते हुए इन्होंने वर्क चार्ज के ऐम्पलाइज, टैक्नोक्रटस, डाक्टर्ज तथा दूसरे एम्पलाइज के बारे में कहा। इस पे कमी ान

के बारे में असैम्बली में भी सवाल उठाया गया और इस सम्बन्ध में आधे घंटे का समय डिक्क ान के लिए दिया गया है। स्पीकर साहब, मैं इस बारे में इतना ही कहना चाहता हूं कि जो सुझाव दिए गए हैं उन पर जरूर गौर किया जाएगा, उन पर सोचा जाएगा। अगर सर्विसिज में जैसे टैक्नाक्रैटस, डाक्टर्ज और दूसरी कैटेगरीज में कोई बेचैनी होगी तो सरकार उसको दूर करेगी और पे कमी ान के बारे में जो कमेटी बनाई हुई है वह इस सम्बनध में विचार करेगी।

स्पीकर साहब, यहां पर हरिजन चौपालों के बारे में कहा गया है। चौपालौं की स्कीम 1978–79 में आरम्भ हुई थी। 1980–81 में इनके लिए हमने 25 लाख रुपया रखा है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि अगर हरिजन चौपाल के लिए कहीं से भी डिमान्ड आएगी तो सरकार उसको पूरा करेगी। कोई ऐसी बात नहीं होगी कि कहीं से हरिजन चौपाल की डिमान्ड आए और उनकी मांग स्वीकार न हो। इसलिए हरिजन चौपाली के बारे में कोई बात नहीं है।

श्री मूल चन्द जेनः आप यह बताइए कि सह साल 96 लाख रुपया हरिजन चौपालों के लिए रखा है या पच्चीस लाख रुपया रखा है ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, अपनी एक स्पीच में इन्होंने कहा था कि 96 लाख रुपया रखा है और अब यह कह रहे हैं कि पच्चीस लाख रुपया रखा है।

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, 25 लाख रुपया रखा है। स्पीकर साहब, मैंने यह भी कहा है कि हरिजन चौपाल के लिए जहां से भी डिमांड आएगी उसको अव य ही पूरा किया जाएगा। कोई चौपाल बनने से रह जाए यह बात नहीं होगी।

स्पीकर साहब, जैन साहब ने ऐजुके ान के बारे में कहा कि कम खर्च किया है। कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट की वर्किंग के बारे में कहा और ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट के बारे में कुछ बातें कहीं। मैं इनकी इंफमे ान के लिए बताना चाहता हूं कि इन्होंने कितना खर्च किया था और हम कितना खर्च करने जा रहे हैं। स्पीकर साहब, ऐजुके ान पर 1978–79 के अंदर 49.6 करोड़ रुपया खर्च किया। 1979–80 के अंदर 55.36 करोड़ रुपया खर्च किया और 1980–81 के अंदर 58.58 करोड़ रुपया खर्च करेंगे। आप बताइए कि कौन सा खर्च कम किया है ? अब मैं मैडिकल के बारे में बताना चाहता हूं कि 1978–79 में 12.65 करोड़ रुपये खर्च हुए, 1979–80 में 14.48 करोड़ रुपया खर्च किया और 1980–81 में 16. 16 करोड़ रुपया खर्च करने जा रहे हैं लेकिन यह कहते हैं कि हम खर्च कर रहे हैं। स्पीकर साहब, आप यह ऐग्री करेंगे कि सड़कें कितनी जरूरी हैं। इनके बारे में मैं बताना चाहता हूं कि 1978–79 में 20.44 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 1979–80 में 21.

46 करोड़ रुपया खर्च किया गया और 1980–81 में 22.86 करोड़ रुपया खर्च कर रहे हैं।

स्पीकर साहब, इसके बाद मैं इरीगे ान के बारे में कुछ फिगर्ज देना चाहता हूं जो कि इस वक्त इकौनमी के लिये बहुत जरूरी है। 1978–79 के अन्दर इस पर 97.24 करोड़ रुपया, 1979–80 के अन्दर 104.51 करोड़ रुपया और 1980–81 के अंदर इसके ऊपर इसके ऊपर 110.39 करोड़ रुपया खर्च किया गया। आप ही अब देख लीजिये कि इस स्कीम पर जो ये कहते हैं कि कम खर्च किया है, क्या कम खर्च हुआ है ? स्पीकर साहब, इससे आगे मैं वैलफेयर आफ भाडयूल्ड कास्टस ऐंड बैकवर्ड क्लासिज डिपार्टमैंट के बारे में भी कुछ फिगर्ज देना चाहता हूं। 1978–79 में 3.57 करोड़ रुपया, 1979–80 में 5 करोड़ और 1980–81 में 5. 61 करोड़ रुपया इन जातियों की बहबूदी के लिये खर्च किया गया।

स्पीकर साहब, अब मैं कृशि के बारे में भी कुछ फिगर्ज यहां पर बताना चाहता हूं। कृशि को बढ़ावा देने के लिये 1978–79 में 13.57 करोड़ 1979–80 में 20.22 करोड़ और 1980–81 में 20.41 करोड़ रुपये की रा ि ा रखी गयी है। मैंने अभी थोड़ी थोड़ी सी फिगर्ज यहां पर दी हैं और ये लोग अभी भी यह कहते हैं कि गांवों में सरकार ने बहुत कम खर्च किया हैं अधिकन न कहते हुए मैं इतना ही कहूंगा और मुझे इस बारे में एक भोर याद आ गयाः

खुद कांटे बिछाये बैठे हैं राहों पर,

और उम्मीद करते हैं कि बहार आयेगी।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मुझे जवाब देने का मौका होना चाहिये

आप गैरों की बात करते हैं,

हमने अपने भी आजमाये हैं,

आप कांटों की बात करते हैं,

हमने तो फूलों से जख्म खाये हैं।

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, मैं भी एक भोर अर्ज कर देता हूं–

अपना भोवा कि जलाते हैं अन्धेरे में चिराग,

उनकी साजि ा है कि जमाने में सदा रात रहे।

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि सरकार हर तरफ उन्नति के पथ पर सदा ही अग्रसर रही है। चौधरी राम लाल जी और जैन साहब ने भी अपनी स्पीच में बोलते हुए काफी बातें सरकार के बारे में कहीं। चौधरी राम लाल वधवा जी को मैं एक ही बात कहना चाहता हूं कि चौधरी राम लाल जी जिस वक्त हम और आप सभी दिल्ली में इकट्ठे हुए थे,

आपने अपना इस्तीफा लिखकर जेब में डाल दिया था और यह कहा था कि मैं चण्डीगढ़ जाते ही यह गवर्नर साहब को दे दूंगा तथा इस हरियाणा सरकार को बदलवा देंगे। स्पीकर साहब, वह इस्तीफा पता नहीं करनाल आने पर कहां पर रह गया, यह सब कुछ ही भूल गये। (ाोर एव व्यवधान)

आवाजें: स्पीकर साहब, यह बिल्कुल गलत कह रहे हैं।

लाला बलवन्त राय तायल: स्पीकर साहब, इन्होंने बोलते हुए मेरे बारे एक और बात कही कि मैं गांधीवादी हूं और प्रोहिबि ान की पालिसी की मदद करूंगा तथा सारे हरिणाा में भाराब बन्दी कर दूंगा। स्पीकर साहब, मेरा भी यही विचार था कि ये आर0एस0एस0 वाले जिसक श्री राम लाल जी सेवक हैं, भी भाायद राजनीति को छोड़ कर ऐसे सामाजिक काम करेंगे पर इन्होंने तो खुद दुकानें खोलने के लाइसैंन्स मांगे। इसी तरह हमारे माननीय देसराज जी ने भी बोलते हुए कहा कि चौधरी राम लाल जी ने सुरा के लिये लाईसैंस लिये लेकिन इन्होंन इससे भी इन्कार किया। स्पीकर साहब, सुरा, आयुर्वैदिक दवाई के नाम से एक भाराब बनाई जाती है जिसके अन्दर 44 परसैंट भाराब के अं ा होते हैं जबकि असली भाराब में 50 परसैंट अं ा होते हैं। हरियाणा में 20 प्रति ात से ऊपर तक जिसमें भाराब हो, भाराब का अं ा हो, वह दवाई बिक नहीं सकती। इसलिये ये लोग मंसूरी जैसी जगहों पर, जहां कि टोटल प्रोहिबि ान है, दवाईयों के तौर पर सुरा को बेचते हैं लेकिन इसके बावजूद इन्होंने इंकार किया

कि हमारा किसी कम्पनी में कोई भोयर नहीं है। फैक्ट यह है कि इनके लड़के का उसके अन्दर भोयर है। (ाोर एवं व्यवधान)

आवाजें: नाम बता दें स्पीकर साहब।

लाला बलवन्त राय तायल: नाम भी बता देता हूं। अ ाोक कुमार उसका नाम है, मृत्यु संजीवनी सुरा के नाम से लाईसैंस लिया हुआ है। (विघ्न) स्पीकर साहब, इसको एल–2 का लाइसैंस कहते हैं। स्पीकर साहब इन्होंने बोलते हुए कहा था कि इस बजट स्पीच में टैक्सों के लिये कोई तजवीजें नहीं दी गई हैं, यह तो लक्ष्यहीन बजट हैं। मैं नहीं समझता कि लक्ष्य वाला बजट कौन सा है और लक्ष्यहीन कौन सा है ? हरियाणा की जनता के लिये जो इस बजट में टैक्सों का कोई प्रोवीजन नहीं किया गया है, उससे तो मैं समझता हूं कि हरियाण की जनता ने सुख का सांस लिया है। आज यह इस बजट को लक्ष्य हीन कहते हैं ? अगर ये लोग कहीं बाहर जनता के सामने जाकर ऐसा कहें तो कोई इनकी बात सुनने के लिये तैयार नहीं होगा।

स्पीकर साहब, इस बजट पर डिसक ान के समय बोलते हुए चौधरी जगजीत सिंह पोहलू जी ने कुछ तजवीजें दी हैं और साथ में उन्होंने इसकी तारीफ भी की है। सरकार उनकी तजवीजों को ध्यान में रखे हुए हैं और जो बातें उन्होंन कहीं हैं। उनकी तरफ सरकार पूरा ध्यान रखेंगी और जो तजवीजें मानने योगय हौंगी उनको अव य अमलीजामा पहनाया जाएगा।

स्पीकर साहब, हीरा नन्द आर्य जी ने बोलते हुए अपने विचार इस हाउस के सामने रखे जो कि स्कूलज के अपग्रेडे ान के सम्बन्ध में थे। उन्होंन कहा कि जहां जहां जरूरत समझी गई वहां पर स्कूल्ज अपग्रेड कर दिये गये। सरकार ने यह देखा है कि जिस तरह से उन्हौंने स्कूल्ज को अपग्रेड किया है, उससे उन्होंन अपना पोलिटिकल अखाड़ा बनाने की कोि ा ा की है। अगर वे यह कोि ा ा करते कि जहां जहां कमी है वहां पर ही स्कूल्ज अपग्रेड किये जोएं तो बेहतर था पर उन्होंने तो अपने ही हल्के को प्राथमिकता दी। पब्लिक की जरूरतों को बिलकुल मद्देनजर नहीं रखा। फिर भी सरकार ने यह फैसला किया हे और मुख्य मंत्री महोदय ने यह कह भी दिया है कि जहां जहां बिल्डिंगें बनी होंगी, वे लोग सभी तरह की जरूरतों को पूरा करते होंगे तो वहां पर अपग्रेडे ान में किसी प्रकार की डिले नहीं की जायेगी और ऐसे सभी स्कूलों को अपग्रेड कर दिया जाएगा इसके साथ साथ जो स्कूलज इन्होंने अपग्रेड किये थे, वे भी अगर सारी फारमैलिटीज फुलफिल करते होंगे तो उन स्कूलों को भी वैसे के वैसे रखने का वायदा किया गया है। इसलिये इस सरकार को निश्पक्षता का वातावरण बनाना होगा ताकि जनता के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न हो सके और जनता यह महसूस न करे कि हमारे साथ भेदभाव हो रहा हे।

इससे आगे मैं स्पीकर साहब, कहना चाहता हूं कि हमारे एक आनरेबल मैम्बर श्री मांगेराम गुप्ता जी ने कहा है कि

रामलीला के वक्त पर उन लोगों से बिजली की खपत के लिये फ्री यूनिट कीमत ज्यादा ली जाती है। जबकि रैड क्रास फेयर्ज में फ्री यूनिट कम ली जाती है इसके लिये हम ने यह किया है कि हम इनके रैट्स एक सा कर देंगें। इस सुझाव के लिये मैं उनका एहसान मन्द हूं। उन्होंने और भी बड़े अच्छे अच्छे सुझाव दिये हैं, उनको भी ध्यान में रखा जाएगा।

18.00 बजे

स्पीकर साहब, जब डा0 मंगल सैन जी बोलने के लिए खड़े हुए तो मेरा ख्याल यह था कि ये सन् 57 से एम0एल0ए0 चलते आए हैं, बीच में एक दफा 1972 में हार गये थे। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः आप तो तीन बार हारे हो।

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन ने इस बात पर बड़ा जोर दिया कि यह दल बदलुओं की सरकार है और मैं सुनता रहा। मैं तो सोच रहा था कि ये पुराने मैंबर हैं और कोई तजवीज देंगें कि घाटे को कैसे पूरा किया जाए लेकिन इन्होंने कोई तजवीज नहीं दी। इससे तो यही लगता है कि इन्होंने बजट पढ़ा ही नहीं होगा। इन्होंने जो दल बदल की बात कही मैं उसके बारे में कुछ बताना चाहता हूं। जब जनता पार्टी बनी तो जिन पार्टियों ने जनता पार्टी बनाई थी उन्होंन अपने आपको खत्म करके बनाई थी लेकिन ये वह लोग थे जिनहोंने अपने असली रूप को नहीं छोड़ा। इनका ब्यान ाि कि दस साल

के बाद हम दे ा के ऊपर राज करेंगे। तो स्पीकर साहब ये लोग ऐसे ख्वाब लेने लग गए थे। जब हिन्दुस्तान की डैमोक्रेटिक फोर्सिज ने इस बात को सोचा कि अगर दस साल के बाद इन लोगों ने * * * * * * * तो इन लोगों को आज ही क्यों न उखाड़ दिया जाए। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः वे नै ानल मानुमैंटस है और उनके बारे में हाउस में आज तक कभी कोई भाब्द नहीं आया लेकिन उसके बावजूद ये ऐसी बात कर रहे हैं (ाोर) It should not be allowed to be recorded. (Interruptions)

Mr. Speaker: I will examin it and if it is unparliamentary or unjustified, I will get it expunged.

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब यही बात तो मैं कहता हूं कि सारा हिन्दुस्तान मानता है कि वह इन्सान एक मानूमैंट है लेकिन ये नहीं मानते। इनको तो महात्मा गांधी का पूरा नाम पता नहीं है। (ाोर) स्पीकर साहब, मैं थोड़ा सा और आगे जाना चाहता हूं कि ये लोग दूसरों को तो कहते हैं कि लेकिन अपनी डबल मैंबरि ाप के मामले पर फैसला करने के लिए तैयार नहीं हैं। स्पीकर साहब, इनका दिमाग उसी तरह का बना हुआ है जैसा आपको याद होगा कि दुनिया के अन्दर हिटलर नाम का एक आदमी पैदा हुआ था और वह कुछ फोर्सिज का सहारा लेकर जर्मनी के ऊपर हावी हो गया था। उसी तरह से ये आदमी जनता पार्टी कै कुछ आदमियों को लेकर दे ा पर कब्जा करना चाहते

थे। जिस दिन हिटलर ने जर्मन के ऊपर काबू पाया उसी रात को उसने अपने लाखों विरोधियों का कत्ल करवा दिया। उस भाख्स ने कहा कि जर्मनों ने यह क्यों नहीं कहा कि तुम सबसे महान आदमी हो और तुम दुनिया पर राज करों। तो जब उसके मुकाबले में डैमोक्रेटिक फोर्सिज इकट्ठी हुई। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, क्या ये बजट का जवाब दे रहे हैं और जर्मनी पर बोल रहे हैं ? (ाोर)

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, दुनिया की डैमोक्रेटिक फोर्सिज ने उस नाजी डिक्टेटरि ाप का मुकाबला किया जिसने 40 लाख आदमियों को मरवाया (ाोर)

Mr. Speaker: On a point of order, Sir. How is he relevant ? स्पीकर साहब, इन्हें डिबेट के संबंध में रैलेवैंट बोलना चाहिए। यहां हाउस में ऐसी कोई बात नहीं आई कि हमने इनको कहा हो। कि ये हिटलर के प्रतीक हैं। अगर तो किसी ने ऐसी बात कही हो तब तो जवाब दें लेकिन हमने तो ऐसा जिक्र ही नहीं किया। हमने तो कहा था कि आपने दल क्यों बदला, जनता से वि वासघात क्यों किया ? (ाोर)

Local Government Minister (Chaudhri Khurshid Ahmed): It is not a point of order. (Interruptions)

Dr. Mangal Sein: Who is he to check me ? Mr. Speaker, Sir it is for you to judge. He shouldc not be allowed to assume the powers of the Chair.

Mr. Speaker: Hon. Members, I would request you not to interrupt the speech too much. I have always requested the hon. Members not to stray away from the subject in hand. Even previously, I am sorry to say that most of the members strayed away from the subject in hand. There was a lot of talk about defection which had no relevance to the Budget. I can only request the hon. Members to stick to the subject in hand and not to stray away from it.

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, मैं बजट स्पीच में ये बाते नहीं लाना चाहता था लेकन जितने भी आर0एस0एस0 वाले बोले इन्होंने बोलते हुए सिवाए दल बदल की बात के और कोई बात नहीं की। स्पीकर साहब, मैं बता रहा था कि दुनिया के 40 लाख आदमियों को हिटलर द्वारा मरवाया गया और डैमोक्रेटिक फोर्सिज ने जब उसका मुकाबला किया तो जर्मनी के दो टुकड़े हुए। (ाोर)

श्रीमती डा0 कमला वर्माः स्पीकर साहब, इस बात का इससे क्या संबंध है ? (ाोर)

Mr. Speaker: I have already given my ruling that the hon. Members should stick to the subject in hand, but I am sorry to say that almost every member referred to defection which had nothing to do with the Budget. So, I can only say that my ruling will equally apply to both the sides. It the members from this side (Opposition) did not desist from making references to the defection, how can I now check the Finance Minsiter from giving the reply to that point. (Interruptions)

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, मैं इस बारे में और ज्यादा नहीं कहूंगा। स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन ने एक दो बातें और कहीं। वैसे तो इनका रोल जो था वह मैंने भ्रुरू में कहा कि जैसे कोई ड्रामें के अन्दर पार्ट प्ले करता है उसी तरह का था एक बात इन्होंने मोरनी हिल्ज के बारे मैं कहीं (ाोर)

डा0 मंगल सैनः * * * * *

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

लाला बलवन्त राय तायलः * * * * *

डा0 मंगल सैनः * * * * *

श्री अध्यक्षः ये बाते रिकार्ड न की जाएं। I would request the Hon. Minister not to pass uncomplementary remarks about senior legislators in the Opposition.

* * * * *

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, डा0 साहब ने बजट पर चर्चा करते हुए मोरनी हिल के बारे में कुछ बातें कही थीं। उन बातों का जवाब मिनिस्टर कंसर्न्ड ने भी इनको दिया और हमारे आनरेबल मैम्बर श्री लछमन सिंह जी ने भी दिया। स्पीकर साहब, जितनी बातें मोरनी हिल के बारे में इन्होंने बनाई हुई हैं उतनी बातें नहीं हैं बल्कि जो गवर्नमैंट ने ठेके दिए थे उसी के मुताबिक दरख्तों की कटाई हुई है। स्पीकर साहब, इसके बाद हमारे आनरेबल मैम्बर चौधरी गया लाल जी ने रिजर्वे ान के बारे

में और मेवाल डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाने के बारे में गवर्नमैंट को भााबा ाी दी और कहा कि ये दोनों काम निहायत ही जरूरी थे। स्पीकर साहब, मैं पिछले दिनों मेवात एरिया देखने के लिए गया था क्योंकि इससे पहले मैंने कभी भी मेवात एरिया नहीं देखा था। जब मैंने यह देखा कि हरियाणा प्रान्त में ऐसा इलाका अब भी मौजूद है जब कि हरियाणा प्रान्त हिन्दुस्तान भर में विकास के कार्यों में तीसरे नम्बर पर है, मुझे यह कहना पड़ा कि इस इलाके की डिवल्पमैंट की बहुत जरूरत है। सरकार ने मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बना कर इस इलाके के साथ बहुत भलाई का काम किया है। स्पीकर साहब, हमारे आनरेबल मैम्बर चौधरी सतवीर सिंह मलिक जो कि पिछली जनता पार्टी की सरकार में फाईनैंस मिनिस्टर रह चुके हैं, उन्होंने बजट पर चर्चा करते हुए कुछ बातें कहीं। उन्होंने यह का कि इस सरकार के ताकत में आने के बाद जनता के साथ अच्छा बर्ताव नहीं किया गया और यह भी कहा कि जब उस समय की जनता पार्टी के भाासन में हरियाणा में ओलावृश्टि हुई थी तो उस सरकार ने किसानों की बहुत ज्यादा इमदाद की थी। स्पीकर साहब, इस सरकार के सत्ता में आने के बाद तो हरियाणा प्रान्त में ओलावृश्टि हुई ही नहीं है। ओला वृश्टि तो उसी सरकार के समय में होती थी ..... ।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, इनकी सरकार के समय में ओलावृश्टि तो नहीं हुई लेकिन कहर तो पड़ा हुआ है।

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, मैं आपके सामने एक गांव में ओला वृश्टि में हुए नुकसान के बारे में दी गई सहायता के आंकड़े रखता हूं। चौटाला गांव के अन्दर 19 हजार 52 एकड़ जमीन है। 19 हजार 52 एकड़ जमीन में से यह माना गया है कि 2/3 जमीन की का त होती है। इस 2/3 जमीन के अन्दर 3345 एकड़ जमीन में गेहूं की का त थी और 9682 एकड़ जमीन में चने की का त थी। इस तरह से कुल 13027 एकड़ जमीन में का त थी और जब वहां से आंकड़े लिए गये तो 2422 एकड़ जमीन की बजाये 923 एकड़ जमीन में नुकसान हुआ था। उस समय की जनता पार्टी की सरकार ने उस नुकसान के लिए चौटाला गांव में 24 लाख 40 हजार 140 रुपए दिए। स्पीकर साहब, वह सारा रुपया उन गरीब किसानों को नहीं मिला बल्कि वहां के जो बड़े बड़े जमींदार थे उनको वह सारा रुपया मिला। स्पीकर साहब, उसी साल उस गांव में जो मंड़ी के लिए जगह बनाई हुई थी उसमें 8 हजार टन गेहूं की सरकार ने खरीद की थी। ये तो मैंने एक ही गांव के आंकड़े बताये हैं जो कि उस समय की जनता पार्टी की सरकार ने गरीब किसानों के नाम खैरात दी थी। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, आप भी किसान हैं। इन्होंने बड़ी बड़ी इंडस्ट्रीज को तो 6–6 और 7–7 करोड़ रुपए दे दिए लेकिन ये किसानों के डैमेज को खैरात कहते हैं किसानों के खून पसीने की कमाई को खैरात कहते हैं। (ाोर एवं विघ्न)

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि जो बड़ी बड़ी इंडस्ट्रीज को सबसिडी दी जाती है वह तो सैंट्रल गवर्नमैंट देती है। हरियाणा सरकार का उससे कोई ताल्लुक नहीं है। स्पीकर साहब, सरकार के पास लैण्ड रेवेन्यू का 4 करोड़ 35 लाख रुपया आता है और एक करोड़ 97 लाख रुपए इस रेवेन्यू के कलैक्ट करने पर खर्च हो जाते हैं और इसमें ऐक्साइज एण्ड टैक्से ान का 45.28 परसैंट रुपया लैण्ड रेवेन्यू का और खर्च होता है। स्पीकर साहब, 1979–80 का लैण्ड रेवेन्यू 138.06 करोड़ रुपए बनता है जबकि कलैक ान हुई है। 2.31 करोड़ रुपए यानी 1.6 परसैंट। स्पीकर साहब, ये तो मैंने लैण्ड रेवेन्यू की मोटी मोटी फिग्र्ज बताई हैं। स्पीकर साहब, इसके बाद मैं थोड़ी बातें इरीगे ान सिस्टम के ऊपर बताना चाहता हूं। इस सिस्टम से जो हमारी आमदनी है वह 11.57 करोड़ रुपए की ळे और इस पर जो खर्चा होता है वह 16.80 करोड़ रुपए है। इस प्रकार से हमें हर साल लगभ 5–6 करोड़ रुपए का घाटा रहता है और पिछले 3–4 साल से लगभ हर साल इतना ही घाटा रहा है। स्पीकर साहब, मैं हाउस का थोड़ा समय और लूंगा। मेरे साथियों ने कुछ और भी इल्जाम लगाए हैं। हमारे आनरेबल मैम्बर श्री कंवल सिंह जी ने जो कि कैप्टन रणजीत सिंह जी के लड़के हैं और जिनकी कांस्टिचुऐंसी मेरी कांस्टिचुऐंसी के साथ ही लगती हैं, कुछ ऐसी बातें कहीं जो उनको नहीं कहनी चाहिएं थी। उन्होंने कहा कि ऐक्साइज एण्ड टैक्से ान से सरकार को बहुत आमदनी होती है लेकिन इस साल की रिकवरी कम है। स्पीकर साहब, पिछले साल

ऐक्साइज एण्ड टैक्से ान से सरकार को 132 करोड़ रुपए की आमदनी हुई थी लेकिन इस साल फरवरी तक 135 करोड़ हो चुकी है। अब हम उम्मीद करते हैं कि हमारी आमदनी सेल्ज टैक्स से 69.5 परसैंट होगी, यह पहले से बढ़ेगी। स्पीकर साहब, इनको यह ख्याल था कि रेवेन्यु की रिसीट चूंकि कम आई हैं। इसलिए कहीं खाते न बदल लिए हों स्पीकर साहब, खाते ऐसे नहीं बदले जाते। चंदा इकट्ठा करने के लिए इनके पास दो ही तरीके हैं। एक तरीका यह है कि जिस तरह इन्होंन किसानों से चन्दा इकट्ठा किया था और दूसरा तरीका डा0 मंगल सैन के पास हैं,उनसे पूछ लेते। (व्यवधान) स्पीकर साहब, मेरी कांस्टिचुऐंसी में एक स्कूल था जिसके बारे में कई मैम्बरों ने कहा कि खाली करवा लिया गया। इस स्कूल के खिलाफ 1976 में डिक्री हुई थी, हमने इस डिक्री को ऐग्जिक्यूट करवाया है। इन्होंने कहा था कि हमने भाक्ति में आने के बाद स्कूल को खाली करवाया ऐसी बात नहीं है, हमने तो डिक्री को जो 1976 में हुई थी, एग्जिक्यूट करवाया है। इन्होंने कहा कि मुख्य मंत्री की कांस्टिचुऐंसी में कत्ल हुआ और इस कत्ल को इनके नाम लगा दिया, कभी कह दिया कि सरपंच को पिटवा दिया। अगर मैं यह कहूं कि इन की कांस्टिचुऐंसी में कत्ल हुआ है और उस कत्ल को इनके जिम्मे लगा दूं तो कोई अच्छी बात नहीं है। मुख्यमंत्री की कांस्टिचुऐंसी में अगर कत्ल हुआ है इसका मतलब यह तो नहीं है कि उन्होंने किया है या किसी को पिटवाया है। (व्यवधान) स्पीकर साहब, थोड़ी सी बातें हाउस को और बताचना चाहूंगा। श्री इन्द्रजीत सिंह

हाउस के यंग मैम्बर हैं, इन्होंने अपनी तकरीर में बड़ी अच्छी तजवीज दी। इन्होंने कहा कि जुडीि ायरी और ऐग्जैंक्टिव के पे स्केल्ज में डिफ्रैंस नहीं होना चाहिए। बजट पर डिसक ान करते समय अगर ऐसी बातें बताई जाएं तो जो कमी रह जाती है वह दूर हो सकती है। श्रीमती सुशमा स्वराज ने भी कुछ बातें कहीं। मैं सोच रहा था कि सुशमा जी तैयार हो कर आयेंगी और हाउस में कुछ तजवीजें रखेंगी। (व्यवधान) सुशमा जी ने कोई सुझाव नहीं दिया। यहीं कहा कि हमें खर्च को कम करना चाहिए, टैक्स इवेजन को रोकना चाहिए और फैक्ट्री के आफिसिज हरियाणा की टैरिटरी के बाहर न जाने दीजिए, इस तरह थोड़ी सी बातें कहीं लेकिन ठोस सुझाव कोई नहीं दिया। स्पीकर साहब, मैं सदन के नोटिस में एक बात और लाना चाहता हूं। कुछ लोगों का ख्याल है कि सेल्ज टैक्स में कमी हुई है। वह कभी इसलिए हुई है कि प्रान्त में कहर पड़ गया और किसानों के 165 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। मंडिया में अनाज आने से, चावल आने से 5–6 करोड़ रुपये के बीच सेल्ज टैक्स आना था, वह नहीं आ सका क्योंकि फसल नहीं हुई। श्री सुरेन्द्र सिंह जी, मेरे अजीज हैं। इन्होंने कहा कि नहरों में पानी नहीं है और पानी की कमी को दूर करने के लिए एस0वाई0एल0 और हथनी कुंड की नहरों का निर्माण हरियाण सरकार को करना चाहिए। मैं मानता हूं कि पंजाब से जो पानी पाकिस्तान को जाता है, अगर वह हरियाणा को न मिला और पंजाब सरकार का यही रवैया रहा तो सैंट्रल गवर्नमैंट को हमारी मदद करनी पड़ेगी और हरियाणा को पानी देना पड़ेगा।

सैंटर हमें मदद देगा क्योंकि आज सैंटर मजबूत हैं स्पीकर साहब, हथनी कुंड के मसले का पहले ही फैसला हो जाता अगर यू0पी0 वाले हमसे पहले बात करते चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला ने जो सुझाव रखे, मैं उनका बड़ा अहसानमन्द हूं। जो सुझाव उन्होंने रखे हैं, उन पर सोचने वाली बात है। स्पीकर साहब, मेरे साथियों ने बजट पर बहस करते समय जो जो तजवीजें दी हैं। जो कटाद्वा किये हैं। मैंने उस सब बातों के बारे में हाउस में कहा। अब मैं आ ाा करता हूं कि तमाम साथी इस बजट को खूबसूरती के साथ पास करेंगे और हरियाणा के लोगों को अच्छा नक ाा देंगे, ताकि बगैर टैक्स के बजट से स्टेट का काम चल सके।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(1) चौधरी राम लाल वधवा द्वारा

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, मैं वैयक्तिक स्पश्टीकरण देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ा अफसोस है कि एक जिम्मेदार व्यक्ति ने जिनके बारे में मैंने पहले कहा कि वे गांधीवादी विचारधारा के व्यक्ति हैं, गांधीवादी होते हुए भी बड़ी गलत बात कही है। अगर सच बात होती तो मुझे गिला न होता। अध्यक्ष महोदय, इसमें कोई भाक नहीं कि करनाल में एक आयुर्वेदिक फैक्टरी खोलने के लिए दो डाक्टरों ने लाइसैंस मांगा जिसमें मेरा लड़का भोयर होल्डर था। डाक्टर ने बात की कि हम

दोनों फैक्टरी लगायेंगे और लाइसैंस लेने के लिए एप्लाई किया। उन्हौंने नौ दस आइटम्ज बनानी थी जैसे च्यवन प्रा ा है। (व्यवधान) आप मेरी बात को सुन तो लो। अध्यक्ष महोदय, इन आइटम्ज में एक आईटम थी 'मृत संजीवनी सुरा'। 'मृत संजीवनी सुरा' आयुर्वेदिक दवाई है लेकिन प्रोहिबिटिड ऐरिया में जब यह जाती है तो लोग भाराब के बदले में इसे इस्तेमाल करते हैं उन्होंने इस फैक्टरी के लिए जगह ली थी, फैक्टरी लगाने के लिए सामान भी आ गया था लेकिन वह फैक्टरी नहीं लगाई गई। (व्यवधान) हमारे ऐक्साईज एंड टैक्से ान मिनिस्टर को जहां इस बात का पता है कि मेरा लड़का फैक्टरी में हिस्सेदार है, वहां वे यह भी पता कर लेते कि वह फैक्टरी बनकर तैयार भी हुई है या नहीं क्या चालु हुई है या नहीं ?

श्री अध्यक्षः अब काफी हो गया। आपने बता दिया कि आपने वह फैक्टरी नहीं चलते दी।

चौधरी राम ताल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरी बात तो कहने दें।

Mr. Speaker: I am sorry. I cannot give you more time. आपने ऐक्सप्लेन कर दिया कि आपने फैक्टरी नहीं लगाई।

चौधरी राम ताल वधवाः इसके बाद कुछ लोग लाइसैंस लेने के लिए इनके पास गए। उनसे इन्होंने कहा कि इस तरह की फैक्टरी पर पाबन्दी लगा दी जाए। कुछ दिनों के बाद कुछ लोग

इनके पास फिर पहुंचे और उनके ऊपर पाबन्दी नहीं लगाई। क्या ये मुझे बताएंगे कि उनके ऊपर इन्होंने पाबन्दी लगाई ? (ाोर) मैं मांग करता हूं कि इस पर तुरन्त पाबन्दी लगाई जाये। महोदय ये जेल में मेरे साथी रहे हैं और इनको देखकर यही लगता है :–

दोस्तों की जान पर सदमे उठाए

दु मनों की बेवफाई का ठिकाना

श्री जय नारायण वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मुझे पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के लिए समय दिया जाए।

Mr. Speaker: When you were called upon earlier, you were not ready. You cannot make a joke of it like this. (Interrupitions) I called upon you 3-4 times but, I am sorry to say, you were fumbling about at that time and were not prepared for it. Now you are intervening in the half an hous discussion and asking for time for making personal explanation for which there is not occasion now. Do not tax my patience to break it. मैंने आपे कहा था कि डिबेट के आखिर में आपको समय मिलेगा and I gave you the chance but you were not ready for it.

Chaudhri Ram Lal Ji, you please wind up now.

चौधरी राम ताल वधवा: ठीक है जी, मैं पांच मिनट में ही सारी बातें मुकम्मल करके खत्म कर देता हूं। केवल दो तीन कैटेगरीज के विशय में ही अर्ज करके एच0सी0एस0 के बराबर होते

थे जैसे ऐक्सीयन और एच0सी0एस0 के ग्रेड्ज बराबर के होते थे। अब उन ग्रेडज में काफी अन्तर है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इनको बराबर किया जाये। अगर मैं इन सारे ग्रेडज को पढ़ने लूं तो बहुत समय लगेगा, काफी लम्बा चार्ट है। लेकिन सरकार ने जो पे स्केल दिये हैं उनके बारे में अव य अर्ज करना चाहता हूं। आजकल ये जो टोटल पे ले रहे हैं। उससे कम तन्खाह नये स्केल में बनेगी। जब पुराने स्केल के अन्दर अधिक तनखाह बैठती है तो ये नये स्केल लेने का क्या लाभ हुआ ? इसी तरीक से लैक्चरार का पे स्केल 700—1400 का था। अब नया पे स्केल 630 से भुरू होता है। ऐसी ही हालत एस0डी0ओ0, ऐक्सियन, अकाउन्टैन्ट, जूनीयर आडिटर, सीनियर आडिटर आदि की है। सब के पे स्केल कम हैं।

स्पीकर साहब, अब मैं जेल डिपार्टमैंट के कर्मचारियों के विशय में भी अर्ज करना चाहता हूं। जेल और पुलिए के कर्मचारियों क एक ही कैटेगरी होती है और दोनों के फंक ानज भी एक ही होते हैं। इसलिए उनके पे स्केल भी बराकर के होने चाहिएं। डिप्टी सुप्रिन्टैन्डैन्ट जेल पुलिस के बराबर और असिस्टैंट सुप्रिन्टैंन्डैन्ट जेल पुलिस के सब इंस्पैक्टर के बराबर होता है। पुलिस से भी कई कार लोगों को जेल डिपार्टमैंट में लेते हैं लेकिन इन दोनों डिपार्टमैंटस के ग्रेडज में काफी अंतर है। इसी प्रकार के सैक्रेटेरिएट के सुप्रिन्टैंन्डैंटस में और दूसरे विभागों के सुप्रिन्टैंडैंटस में अन्तर रखा गया है। इसी तरह से यदि कोई

ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट में इन्स्पैक्टर होता है और उसकी प्रोमो ान असिस्टैंट मैनेजर की हो जाये तो आज वह तनख्वाह ले रहा है नय स्केल में उसे उससे कम मिलेगी। इसके अलावा पहले ग्रेडज में जो अन्तर था वह अन्तर नए ग्रेडज में नहीं रखा गया। टैक्नोक्रेटस को सरकार की तरफ से यह आ वासन दिया जा चुका है कि उनकी कान्फीडेन्ज़ल रिर्पोट डीसी नहीं लिखेगा लेकिन वह अब भी लिखता है यह गलत बात है। डाक्टर और इंजीनियर तो प्रान्त की प्रगति की रोड़ की हड्डी होते हैं। असल मायनों में डिवैल्पमैंट को इंजीनियर्ज और डाक्टर्ज ही करते हैं। इसलिए उनको एच0सी0एस0 के बराबर समझा जाना चाहिए और बराबर के ही पे स्केल दिये जाने चाहिएं। इन भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं। लेकिन बैठने से पूर्व सरकार से प्रार्थना करता हूं कि जिनके साथ फर्क हो रहा है उस फर्क को दूर करके इस रिपोर्ट को जल्द से जल्द लागू किया जाये।

श्रीमती सुशमा स्वराज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने प्र ान संख्या 1417 पर कुछ लोगों की मांग पर आधा घन्टा की डिस्क ान को स्वीकार किया है। प्र न काल में इस प्र न के उत्तर में बताया गया था कि पे कमी ान की रिपोर्ट वर्कचार्ज्ड कर्मचारियों पर लागू नहीं होगी लेकिन स्पीकर साहब टर्म्ज आफ रैफरेन्स में यह लिखा हुआ है कि आल कैटेगरीज आत इम्पलाइज चाहे वह टैम्परेरी हो, चाहे ऐडहाक हो या वर्क चार्ज्ड हो या

रैगुलर हो उन सब कर्मचारियों पर वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू होगी।

स्पीकर साहब, मैं ज्यादा तफसील में न जाकर कुछ भाब्द रिर्पोट बारे में भी अर्ज करना चाहती हूं। मुख्य मंत्री और वित्त मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि इस आयोग की सिफारि ात वर्कचार्ज्ड पर लागू नहीं होगी। मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि उन गरीब वर्कचार्ज्ड से क्या इनको कोई हमदर्दी नहीं है ? हमारे हरियाण में 35 हजार व्यक्ति वर्कचार्ज्ड हैं। 20—20 साल से और दस दस साल से वे सर्विस कर रहे हैं लेकिन वे सरकार का अंग नहीं हैं। आपको यह सुनकर दु:ख होगा कि ऐसा कर्मचारी बीस साल से काम कर रहा है लेकिन उसको कोई भी सर्विस बैनेफिट नहीं दिया जाता है जैसे मैडिकल, ग्रैचुटी, पेन् ान, जी0पी0एफ0, इन् ाोरेन्स आदि। आप इस बात से और ज्यादा हैरान होंगें कि उसके मरने के प चात उसकी फैमिली को कोई फैमिली पैन् ान भी नहीं दी जाती है। स्पीकर साहब, यदि हमारे घर में कोई पांच साल नौकर काम करता है और पांच साल के प चात जब वह नौकरी छोड़ कर जाता है तो स्वाभाविक रूप से उसके साथ हमें भी मोह हो जाता है परन्तु जो व्यक्ति सरकार की 25 वर्श तक नौकरी करता है, उसको कोई सिक्योरिटी आफ सर्विस नहीं। उसको दूध में से मक्खी की तरह निकाल कर फैंक दिया जाता है। इन्होंने कहा है कि वर्कचार्ज्ड ऐम्पलाइज वेतन आयोग की टर्म्ज आफ रेफरैन्स में नहीं आते हैं। लेकिन मेरी

प्रार्थना यह है कि उनको रैगुलर कर दिया जाये और उन पर भी पे कमी ान की रिर्पोट लागू की जाये। जिस प्रकार हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने ऐडहाक कर्मचारियों को दो वर्श के प चात रैगुलर कर दिया उसी प्रकार से इनको क्यों नहीं किया जा सकता ? यदि दो साल के कर्मचारियों को रैगुलर किया जा सकता है तो बीस बीस साल वालों को क्यों नहीं किया जा सकता ? उन्होंने कौन सा ऐसा गुनाह किया है जिसकी वजह से ऐसा नहीं हो सकता। क्या सरकार उन गरीब लोगों पर अनायत नहीं कर सकती ?

स्पीकर साहब, समय का अभाव है इसलिए एक दो और कैटेगरीज के बारे में अर्ज करना चाहूंगी क्योंकि डिटेल में तो चौधरी राम लाल वधवा ने जिक्र कर दिया है। हमारे यहां स्कूल इन्सपैक्टर की पोस्ट होती हैं वे करीब साठ या सत्तर ही होंगे। उन्हें इस वक्त डिमान्सट्रेटर का ग्रेड तो 225–400 का स्केल दिया हुआ था। वेतन उन्हें इस वक्त डिमान्सट्रेटर का ग्रेड तो 500–800 कर दिया परन्तु इन्सपैटर स्कूल का ग्रेड 225–400 ही रहने दिया जब कि डिमान्सट्रेटर का भी इतना ही ग्रेड था। इसलिए दोनों को बराबर स्केल दिया जाये। सरकार के खजाने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। डिमान्सट्रेटर की क्वालिफिके ान बी0एस0सी0 होती है और स्कूल इन्सपैक्टर की बी0ए0 होती है लेकिन उसके साथ डिप्लोमा भी होता है। इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद करती हुई मैं अपना स्थान लेती हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर साहब, आपने पे कमी ान की रिपोर्ट पर विचार करने के लिए कुछ अलग से समय निर्धारित किया है। समय की तो कमी है परन्तु एक दो बातें आपकी सेवा में अर्ज करना चाहता हूं। एक दिन क्वै चन आवर में पूछा गया था कि वर्कचार्ज्ड इम्पलाइज किस किस विभाग में हैं तो उत्तर दिया गया था कि पब्लिक हैल्थ, इरीगे ान तथा पी0डब्ल्यू0डी0 में हैं। स्पीकर साहब, आपको जानकरी खु ाी होगी और हाउस को भी जान कर खु ाी होगी कि इन वर्कचार्ज्ड के लिए तीनों विभागों के चीफ इंजीनियर्ज की एक कमेटी बनायी गई थी, उस कमेटी ने उनकी कुछ डिमान्ड मंजूर की थीं, उसके बाद ऐडमिनिस्ट्रेटिव सैक्रेटरीज ने इस बात को रिकमैंड कर दिया था कि उनकी मांग मान ली जाये। स्पीकर साहब जहां तक मुझे याद है उस समय पांच साल तक के वर्कचार्ज्ड मान ली गई थी। इसलिए मैं सरकार से हय चाहूंगा कि वह इस बात का यहां हाउस में एलान करें कि जो 35 हजार वर्कचार्ज्ड की डिमान्ड ऐडमिनिस्ट्रेटिव सैक्रेटरीज तक ने मान ली थाी उसे माना जाता है क्योंकि उन्होंने बड़े सोच विचार करने के प चात ही उस डिमांड को माना था। (विघ्न) सरकार से मैं प्रार्थना करता हूं कि जो सिफारि ाात ऐडमिनिस्ट्रेटिव सैक्रेटरीज ने की हैं उनको माना जाये और वर्क चार्ज्ड ऐम्पलाइज को जल्दी से जल्दी रैगुलर किया जाये ताकि वे भी पे कमी ान की रिपोर्ट का फायदा उठा सकें।

स्पीकर साहब, पे कमी ान की रिपोर्ट में जो ऐनामलीज रह गई हैं, उनकी तरफ भी मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। सबसे पहले मैं सदन को याद दिलाना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी सरकार ने पुलिस के अन्दर जो डी0एस0पी0 के पद हैं उनके पे स्केल एच0सी0एस0 के पे स्केलों के बराबर करने की अनाउसमैंट की थी। वह पालिसी सरकार की ऐ योंरैंस है यह उनकी बड़ी रीजनेबल डिमान्ड है। उस समय सारे हाउस के सदस्यों ने बड़ी तालियां बजा बजा कर इस बात को माना था। एक दूसरी बात की ओर भी मैं आपको ध्यान दिलाना चाहता हूं। पे कमी ान की रिपोर्ट के पेज 10 पर कुछ कैटेगरीज हैं। जिनकी क्वालिफिके ान मैंट्रिक होती है उनका ग्रेड 160—425 था लेकिन अब उनका ग्रेड 525—1050 कर दिया गया है। इनमें हैड क्लर्क, एसिसटेन्ट, सब इन्सपेक्टर, इन्सपेक्टर आदि भाामिल हैं। लेकिन जिन लोगों की क्वालिफिके ान मिनिमम बी0ए0, बी0एड0, बी0एस0सी0 आदि है और जिनमें जुनियर आडिटर, एकाउन्टेन्ट आदि आते हैं उनका स्केल 160—425 था लेकिन इनका ग्रेड अब 480—760 का कर दिया गया है। इसलिए मैं सरकार से चाहता हूं कि इस ऐनोमली को दूर किया जाये। एक और महत्वपूर्ण बात की ओर मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। सरकार ने जो पे कमी ान की रिर्पोट 1—4—79 से लागू की है इसको 1—4—79 से लागू करने की बजाये 1—4—78 से लागू किया जाना चाहिए क्योंकि पंजाब ने अपनी पे कमी ान की रिपोर्ट 1—4—78 से लागू की है। यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि

पंजाब में और हरियाणा में जो मकान यू0टी0 द्वारा दिये जाते हैं उन मकानों की अलाटमैंट में पंजाब वाले कर्मचारी सीनियर हो जायेंगे और हरियाणा वाले कर्मचारी जूनियर रह जायेंगे। इस प्रकार पंजाब के कर्मचारियों को हरियाणा के कर्मचारियों की अपेक्षा अधिक मकान मिलेंगे। इसलिए मैं चाहता हूं कि इस रिपोर्ट को 1–4–78 से लागू किया जाये। आप बे ाक इस अवधि के दौरान का पैसा कर्मचारियों को नकद न देकर उनके जी0पी0एफ0 या कम्पसलरी डिपोजिट स्कीम में जमा कर दें। यदि पीछे से यह रिपोर्ट लागू हो जाये तो उन्हें भी मकान अधिक मात्रा में मिल सकेंगे और इस प्रकार से सीनियेरिटी और जुनियेरिटी खत्म हो जायेगी। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): माननीय अध्यक्ष महोदय, पे कमी ान की रिपोर्ट पर बोलते हुए कुछ साथियों ने कई सुझाव दिए हैं। पे कमी ान के बनाये जाने के बारे में खासकर चौधरी रामलाल वधवा ने कहा कि यह कमी ान किस वक्त बना था ? पे कमी ान चौधरी देवी लाल जी के टाईम पर बना था और उस समय चौधरी राम लाल वधवा और डा0 मंगल सैन उनके सलाहकार हुआ करते थे। पे कमी ान सरकार द्वारा 23–1–79 को बनाया गया था। उस समय चौधरी रामलाल वधवा साहब और डा0 मंगल सैन मन्त्री मण्डल में भी भाामिल थे। मैंने उस समय यह कहा था कि कमी ान कभी भी दो आदमियों का

नहीं हुआ करता है। कमी ान या तो एक आदमी का हुआ करता है या तीन आदमियों का या पांच आदमियों का हुआ करता है। दो आदमियों का कमी ान कभी नहीं हुआ करता है क्योंकि अगर 3 आदमियों का कमी ान होगा तो उन तीन आदमियों में से कम से कम दो आदमियों की तो एक रिपोर्ट हो सकती है। यदि दो आदमियों का ही कमी ान होगा तो उनकी रिपोर्ट भी अलग अलग होगी।

अध्यक्ष महोदय, बाबू मूल चन्द जैन जी जो बड़ी जिम्मेदारी से बातें किया करते हैं, लेकिन मैं उनको यह बात बताना चाहता हूं। कि मैंने उस समय प्वायंट आऊट किया था कि या तो एक आदमी का कमी ान बनाया जाता है या 3 आदमियों का या पांच आदमियों का कमी ान हुआ करता है। लेकिन चौधरी देवी लाल जी के सलाहकारों ने दो आदमियों का कमी ान बनवा दिया।

चौधरी राम लाल वधवाः आप के सलाहकार कौन कौन हैं ?

चौधरी भजन लालः वधवा साहब, हमने चौधरी देवी लाल जी की तरह कोई ऐडवाईजन नहीं रख रखें हमारे तो 52 साथी सलाहकार हैं जिन्होंने कल सरकार का साथ दिया है। (ाोर)

श्री मूल चन्द जैनः * * * * *

श्री अध्यक्षः पे कमी ान की रिपोर्ट के अलावा जो बातें हो रही हैं वे रिकार्ड न की जायें।

चौधरी राम लाल वधवाः * * * * *

* * * * * (ोंर एवं विघ्न) * * *

चौधरी भजन लालः * * * * *

* * * * * * * * * * *

श्री मूल चन्द जैनः * * * * *

* * * * * * * * * *

चौधरी भजन लालः * * * * *

* * * * * * * * * *

चौधरी राम लाल वधवाः * * * * *

* * * * * * * * * *

श्री मूल चन्द जैनः * * * * *

* * * * * * * * * *

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बहस में तो नहीं पड़ना चाहता था। समय का काफी अभाव है। इसलिए पे कमी ान का जहां तक ताल्लुक है हमें दिसम्बर 1979 में रिपोर्ट

मिली। हमने रिपोर्ट मिलते ही फैसला कर लिया कि 1–4–79 से पे कमी ान की रिर्पोट लागू की जाये। हमने इतनी जल्दी इस पे कमी ान की रिर्पोट को लागू किया है जबकि पंजाब के अन्दर 1977 में कमीशन बनाया गया था और 1978 में उसी रिर्पोट आई। रिर्पोट आने के बाद भी आज तक पंजाब ने वह लागू नहीं की है। हमारे पास जैसे ही पे कमी ान की रिर्पोट आई हम लागू करते गए। जिन कर्मचारियों और अधिकारियों की रिपोर्ट लागू होनी बाकी हैं अथवा जिनके साथ ठीक प्रकार से न्याय नहीं हुआ होगा उन सभी की रिर्पोट हम 3 महीने के अन्दर अन्दर प्रदे ा भर में लागू कर देंगे।

जहां तक वर्कचार्ज्ड स्टाफ का सवाल है, उनके साथ कई माननीय सदस्यों ने बहुत हमदर्दी जाहिर की है लेकिन जितनी हमदर्द गरीब आदमियों की यह सरकार है उतना पिछली सरकार नहीं थी। उस सरकार ने तो गरीबों के बारे में ख्याल तक भी नहीं किया था। बहन सुशमा जी ने वर्क चार्ज्ड के बारे में काफी जिक्र किया है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि चौधरी देवी लाल जी की सरकार में वे भी मंत्री थी और डा0 मंगल सैन जी भी मंत्री थे उस समय इन्होंने वर्क चार्ज्ड के बारे में विचारा तक नहीं।

श्री मूल चन्द जैनः हमारी सरकार ने पिछले साल 24 लाख रुपये दिए हैं। (ाोर एवं विघ्न) * * * * *

* * * * * * * * * * *

* *

डा0 मंगल सैनः * * * * * * *

* * * * * * * * * * *

सदन की बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सैन्स हो तो 10 मिनट समय और बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय 10 मिनट बढ़ाया जाता है।

आधे घण्टे की चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon. Chief Minister may please continue.

19.00 बजे

चौधरी भजन लालः मैं तो पे कमी ान की ही बात कर रहा था लेकिन दल बदल की बात भाुरू की। इसलिये मुझे कहना पड़ा है। (व्यवधान व भाोर) अध्यक्ष महोदय, आपने देखा होगा कि इनसे तंग आकर बाबू जगजीवन राम जी जैसे आदमी भी इनको छोड़कर यदि जा सकते हैं तो हमें तो इन्हें दोश नहीं देना चाहिए। क्या हम जनता पार्टी में रह सकते हैं जिसमें केवल

आर0एस0एस0 के प्रभुत्व वाला जनसंघ ही हावी हो ? इसमें तो केवल एक ही घटक रह गया है जनसंघ, ये बेचारे समाजवादी तो फंसे हुए हैं। और सुशमा जी जैसे सोच रहे हैं कि कहां जायें ? एक बात मैं यहां पर बताना चाहता हूं कि एक दफा बहिन सुशमा जी भी लोक दल में भागने की कोि ा ा कर रही थी लेकिन मैंने इनको कहा था कि थोड़ा ठहरिये। इसलिये वे नहीं गई। इसी तरे से बलदेव तायल जी के बारे में भी मैं यह बताना चाहता हूं कि जब हम कांग्रेस (आई) पार्टी में जा रहे थे तो बलदेव भाई मेरे पास आये ..... (व्यवधान व भाोर)

एक आवाजः जो आदमी हाउस में मौजूद नहीं है, उसके बारे में इनको ऐसे नहीं कहना चाहिए।

चौधरी भजन लालः मैं यह हकीकत बता रहा हूं मैं यह बात आन ओथ कहता हूं .....

श्री मूल चन्द जैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, मैंने जहां तक बलदेव तायल जी की स्पीच सुनी है, उन्होंने कभी कोई बात डिफैक ान की बाबत नहीं की। यह बेकार में उनके बारे में डिफैक ान की बात कर रहे हैं। यह कोई अच्छी बात नहीं हैं (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः आपको क्या इस बात का पता है कि उन्होंने क्या कहा था ?

श्री मूल चन्द जैनः सारी बातें रिकार्ड पर हैं। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः आप सुनिए तो सही। बलदेव तायल जी मुझे उस समय क्या कहते हैं जिस समय हम कांग्रेस (आई) में भाामिल हो रहे थे। वे यह कहते हैं कि भजन लाल जी, लाला बलवन्त राय तायल कहां हैं, वह तो आपके साथ होंगे ? मैंने कहां हां। तो वह कहने लगे कि फिर तो मेरे लिये कोई मिनिस्टरी नहीं मिल सकती। इसलिये मैं आपके साथ नहीं आऊंगा। (व्यवधान व भाोर) यह हकीकत है।

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज! मैं मैम्बर साहेबान से रिक्वैस्ट करूंगा कि इन्ट्रप ान न करें और मुख्य मंत्री जी से भी अनुरोध करूंगा कि वे पे कमी ान के बारे में बतायें तो अच्छा रहेगा।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं तो उसी के बारे में बात कर रहा था लेकिन बीच में इन्हीं लोगों ने टोका–टोकी की। मुझे मजबूर होकर यह कहना पड़ा है। मैं तो कभी ऐसी कोई बात कहता ही नहीं हूं। मैं कभी ऐसी भाशा इस्तेमाल नहीं करता जिस तरह की ये इस्तेमाल करते हैं। (व्यवधान व भाोर) अध्यक्ष महोदय, जहां तक पे कमी ान का ताल्लुक है, जिसके बारे में अभी यहां पर चर्चा हुई है, उसमें जहां तक वर्कवार्ज्ड ऐम्पलाईज का ताल्लुक है, जिन वर्कचार्ज्ड ऐम्पलाईज की सर्विस 31–12–78 को 5 वर्श की हो गयी है, उन सबको रैगुलर कर दिया गया है।

यह रिपोर्ट उन पर भी दूसरी कैटेगरीज की तरह से ही लागू होगी। इतना बड़ा फैसला सरकार ने किया है। (व्यवधान)यह तो बात करते हैं यहां पर दल बदल की, इन्होनें कभी इस बारे में सोचा भी नहीं है। (व्यवधान व भाोर) अध्यक्ष महोदय, कुछ महकमों का जिक्र किया गया। इसके अलावा कुछ दूसरे महकमों का भी जिक्र किया गया। हमने इसके लिये अध्यक्ष महोदय, चीफ सैक्रेटरी जी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनायी हुई है। उस कमूटी में तीन हमारे कमि नर्ज भी भाामिल हैं। वह कमेटी एक एक बात की गहराई में जायेगी और ठीक तरीके से सारी रिपोर्ट देखेगी। जिस भी महकमे के साथ पे कमी ान ने कोई ठीक बात नहीं की है, किसी महकमे को इग्नोर किया है, उस महकमे को पूरी तरह से ध्यान में रख कर सब अधिकारियों को और कर्मचारियों का इंसाफ दिया जायेगा और हम इसे तीन महीने के अन्दर अन्दर सारे प्रदे ा के अन्दर लागू कर देंगे। इसके अलावा ला एंड आर्डर के बारे में कुछ अपोली ान के भाईयों ने जिक्र किया। तायल साहब उसका जवाब देना भूल गए।

श्री मूल चन्द जैनः वत तो रैलवैन्अ नहीं है।

श्री अध्यक्षः उसके लिये कल आपको टाईम दूंगा।

चौधरी भजन लालः आखिर में मैं फिर सदन को यह वि वास दिलाना चाहूंगा कि पे कमी ान की रिपोर्ट को हम तीन महीने के अन्दर अन्दर लागू कर देंगे और किसी भी महकमे के

किसी भी कर्मचारी के साथ किसी तरह की ज्यादती नहीं होने देंगे। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रातः 9 बजे तक के लिये ऐडजर्न किया जाता है।

***19.05 बजे**

(तत्प चात सदन मंगलवार दिनांक 18–3–1980 प्रातः 9 बजे तक के लिए * स्थगित हुआ)